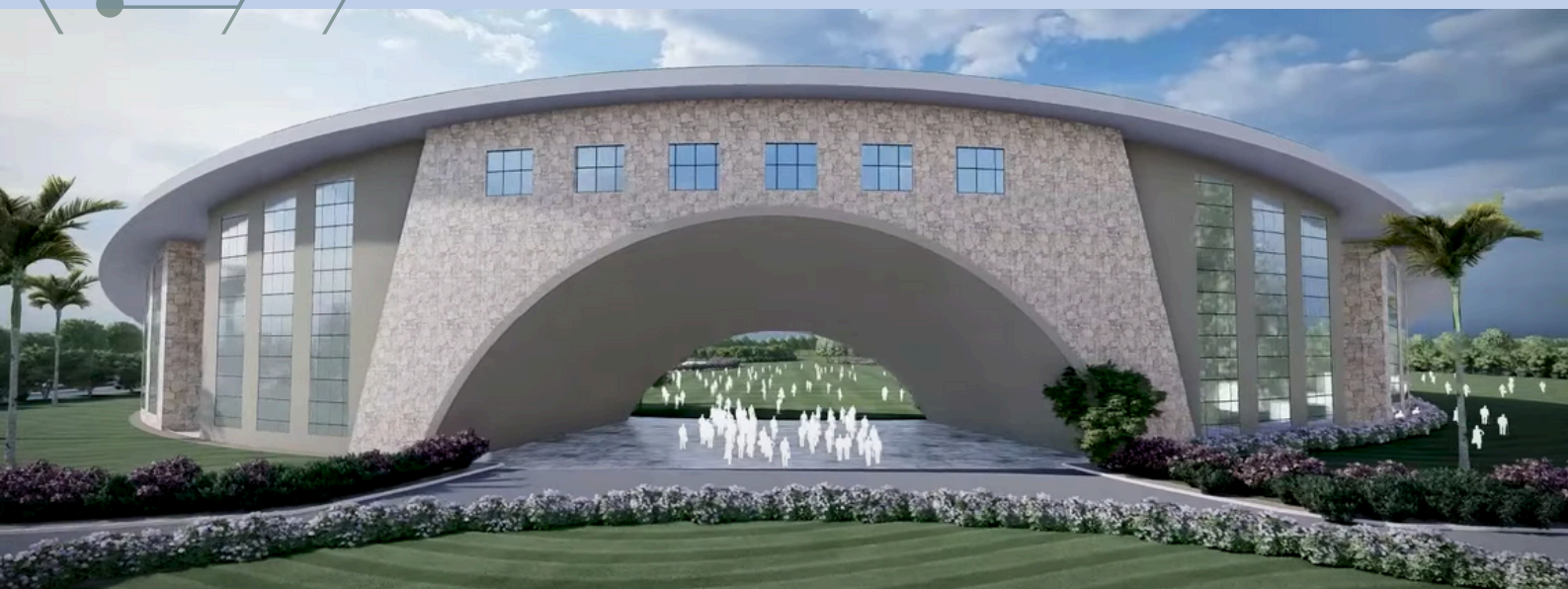


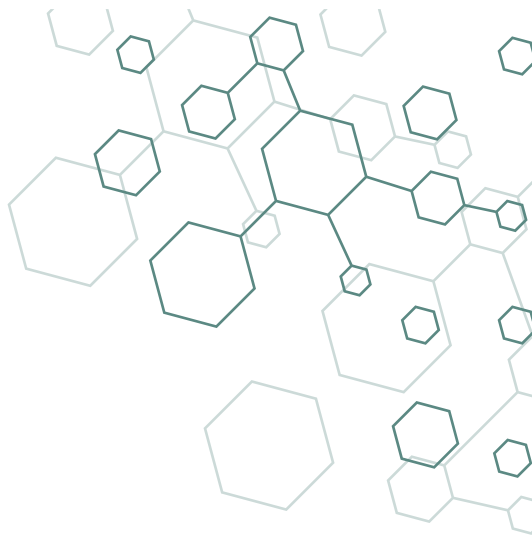
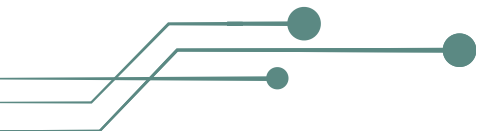


# वार्षिक प्रतिवेदन ANNUAL REPORT 2023-24

भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान  
विशाखापत्तनम

INDIAN INSTITUTE OF PETROLEUM AND ENERGY  
VISAKHAPATNAM







# सूची विषय



निदेशक की कलम से	1 - 3
महापरिषद	4
शासक मंडल	5
वित्त समिति	6
भवन एवं निर्माण समिति	7
सीनेट	8
प्रशासन	9
आईआईपीई के बारे में	10 - 16
शैक्षणिक कार्यक्रम	17 - 20
विभाग	21 - 25
पुस्तकालय	26 - 31
कंप्यूटर - आईटी सेंटर	32 - 33
प्लेसमेंट	34 - 37
समझौता ज्ञापन	38
अनुसंधान और विकास	39 - 53
आईआईपीई में गतिविधियाँ	54 - 58
खेल और क्रीड़ा	59 - 61
अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियाँ (ईएए)	62 - 64
फैकल्टी	65 - 67
गैर शिक्षण अधिकारी एवं कर्मचारी	68 - 69
वित्त वर्ष 2023-24 खातों का वार्षिक विवरण	70 - 71
पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (एस.ए.आर)	72 - 79





# निदेशक की कलम से !



मुझे वर्ष 2023-24 के लिए भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान (आईआईपीई) विशाखापत्तनम की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

## प्रस्तावना

भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान (IIPe) की स्थापना भारत सरकार द्वारा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (MoP&NG) के अधीन 2016 में विशाखापत्तनम में की गई थी। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के प्रावधानों द्वारा सुगम इस स्थापना को भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान अधिनियम, 2017 (2018 की संख्या 3) के साथ और मजबूत किया गया, जिसने आईआईपीई को 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' घोषित किया एक मात्र सरकारी ऊर्जा-केंद्रित संस्थान, आईआईपीई ऊर्जा में अनुसंधान और शिक्षा पर जोर देता है।

## दृष्टि

आईआईपीई नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय दोनों संसाधनों में ऊर्जा की आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के साथ संरेखित है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तावित "पंचामृत" समाधानों को अपना कर, आईआईपीई का लक्ष्य भारत को एक वैश्विक ऊर्जा केंद्र में बदलना है। संस्थान IKIGA दर्शन को भी महत्व देता है, जो वैश्विक ऊर्जा और जलवायु चुनौतियों का समाधान करना चाहता है जिससे समृद्धि को बढ़ावा मिलता है।

## कैम्पस का विकास

वर्तमान में विशाखापत्तनम में आंध्र यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के एक अस्थायी परिसर से संचालित, आईआईपीई को वांगली गांव, सब्बावरम मंडल में 201.80 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। इस स्थायी परिसर में उन्नत ऊर्जा अनुसंधान सुविधाएं होंगी, जिनमें सेंटर फॉर नेट ज़ीरो, सेंटर फॉर ग्रीन हाइड्रोजन और एक हाइड्रोजन परीक्षण और सत्यापन प्रौद्योगिकी केंद्र शामिल हैं। परिसर के शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए खुलने की उम्मीद है, जिसमें अत्याधुनिक बुनियादी संरचना और अनुसंधान प्रयोगशालाएं उपलब्ध होंगी।

## शैक्षणिक कार्यक्रम और छात्रों की संख्या

आईआईपीई की शैक्षणिक कार्यक्रमों में बी.टेक केमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एम.एससी. एप्लाइड जियोलॉजी, और पीएच.डी. कार्यक्रम शामिल है। बी.टेक. कार्यक्रमों में वर्तमान में 207 छात्र नामांकित हैं, जबकि 71 पीएचडी कर रहे हैं जिसमें 23 उद्योग जगत के विद्वान शामिल हैं। एम.एससी. एप्लाइड जियोलॉजी कार्यक्रम में 31 छात्र हैं।

## स्नातक कक्षा और सम्मान

आईआईपीई ने अपने स्नातक छात्रों के लिए उल्लेखनीय 98% दर से प्लेसमेंट हासिल की है। 43 प्रकाशनों के प्रभावशाली आउटपुट के साथ वर्तमान में फैकल्टी की संख्या 29 है। इसके अतिरिक्त, संस्थान में चल रही 22 परियोजनाओं की देखरेख करता है जिसका कुल बजट लगभग रु. 45 करोड़ है।



## प्लेसमेंट

आईआईपीई ने अपने स्नातक छात्रों के लिए उल्लेखनीय 98% दर से प्लेसमेंट हासिल की है।

## अनुसंधान एवं विकास, पेटेंट और प्रकाशन

वर्तमान में संकाय सदस्यों की संख्या 30 है और उनके प्रकाशनों की प्रभावशाली संख्या 51 है। आईआईपीई ने तीन महत्वपूर्ण पेटेंट दायर किए हैं, जिनमें 2डी-3डी हाइब्रिड एरोजेल, एक लचीली बिजली इकाई और अपशिष्ट जल बायोरेमेडिएशन में नवाचार शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, संस्थान में 22 परियोजनाएं चल रही हैं जिसका कुल बजट लगभग रु. 45 करोड़ है। प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं में एनटीपीसी के सहयोग से समुद्री जल से हरित हाइड्रोजन उत्पादन, हीट फिल्म प्रभावशीलता पर एआर एंड डीबी, भूवैज्ञानिक विश्लेषण पर डीजीएच और उन्नत तेल पुनर्प्राप्ति पर ओएनजीसी के साथ सहयोग शामिल है।

## सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाएँ

आईआईपीई अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पड़रू विश्वविद्यालय, लावल विश्वविद्यालय, सीएनआरएस फ्रांस और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जैसे विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग करता है। स्टोनी ब्रुक विश्वविद्यालय, ह्यूस्टन विश्वविद्यालय और ऊफ्रा स्टेट पेट्रोलियम टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी जैसे संस्थानों के साथ अनुसंधान आदान-प्रदान और ज्ञान हस्तांतरण को बढ़ावा देने वाले समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। विशेष रूप से, संयुक्त कार्यक्रमों में ह्यूस्टन विश्वविद्यालय के साथ बी.टेक. एवं एमएस और आईआईएम विशाखापत्तनम के साथ एमबीए शामिल है।

## कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

एसबीआई फाउंडेशन ने एक अत्याधुनिक एक्सआरडी सुविधा के लिए 4 करोड़ रुपये का एक अत्याधुनिक एक्सआरडी मशीन दिया है जबकि हॉलिबर्टन ने रु. 230 करोड़ का लैंडमार्क सॉफ्टवेयर प्रदान किया।

## सेमिनार, कार्यशालाएँ और सम्मेलन

संस्थान ने वर्ष के दौरान विभिन्न कार्यशालाओं, सेमिनारों और सम्मेलनों का आयोजन किया।

- एक वैश्विक ऊर्जा पर्यावरण शिखर सम्मेलन: 24-26 जुलाई 2024 के दौरान एक "हाइड्रोजन एनर्जी रिसोर्स एंड ओप्पोर्तुनिटी (HERO) का आयोजन किया हाइड्रोजन एनर्जी अपॉर्चुनिटीज विद पार्टिसिपेशन फ्रॉम की ऑफिशियल्स पर केंद्रित था। जिसमें विभिन्न प्रमुख वक्ताओं ने भाग लिया।
- 25-26 अगस्त, 2023 के दौरान दो दिवसीय कार्यशाला "रिन्यूएबल एनर्जी यूटिलाइज़ेशन फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ (REUSG)" का आयोजन किया जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा की चुनौतियों पर चर्चा की गई।
- 24-25 जनवरी 2024 के दौरान दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन "एविडेंस-बेस्डलाइब्रेरी ट्रांसफॉर्मेशन: क्वालिटी सर्विसेज फॉर नेक्स्टजेन उसेर्स (EBLT) का आयोजन किया गया।
- 01-02 फरवरी 2024 के दौरान राष्ट्रीय सम्मलेन "अर्थ्स मैटेरियल्स फॉर एनर्जी (EEMM) - 2024 का आयोजन किया गया
- 19-21 फ़रवरी 2024 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन "एनर्जी एंड एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग (ChemEEE-2024)" का आयोजन किया गया जिसमें रोजगार सृजन में ऊर्जा परिवर्तन की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।
- 28-29 मार्च, 2024 के दौरान खजर विश्वविद्यालय के छात्रों की भागीदारी के साथ "अनकन्वेंशनल हाइड्रोकार्बन रिसोर्सेज" पर एक वेबिनार आयोजित किया गया।

## आयोजित कार्यक्रम

- संस्थान के स्थायी परिसर के निर्माण के लिए भूमि पूजन (ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी) भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 02.03.2024 को वर्चुअल मोड में किया गया।
- संस्थान का 8वां स्थापना दिवस 20 अक्टूबर, 2023 को थर्मैक्स लिमिटेड के प्रौद्योगिकी प्रमुख डॉ. वी. कल्याणरमन के व्याख्यान के साथ मनाया गया।
- शाश्वत-2K23- तकनीकी-सांस्कृतिक उत्सव 13 से 15 अक्टूबर, 2023 को आयोजित किया गया।

## अनुसंधान और छात्र आदान-प्रदान

आईआईपीई के छात्रों और फैकल्टी ने अंतरराष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रमों में भाग लिया, जैसे ईटीएच ज्यूरिख, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और फ्रेडरिक शिलर विश्वविद्यालय के अनुसंधान दौरे, एवं नॉर्वे विश्वविद्यालय और फ्रेडरिक शिलर विश्वविद्यालय जर्मनी में अदला-बदली कार्यक्रमों में छात्रों ने भाग लिया।

## अंतर्राष्ट्रीय आगंतुक

पड्यू विश्वविद्यालय, आचेन विश्वविद्यालय, ह्यूस्टन विश्वविद्यालय और स्टोनी ब्रुक विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के प्रसिद्ध शिक्षाविदों और पेशेवरों ने अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आईआईपीई का दौरा किया।

## आभार

आईआईपीई पेट्रोलेियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार, जनरल काउंसिल, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, वित्त समिति, सीनेट, एचपीसीएल, ओएनजीसी, गेल, ओआईएल और आईओसीएल जैसे उद्योग भागीदारों के समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता है जिनका शासन और शिक्षा में योगदान संस्थान की प्रगति में महत्वपूर्ण रहा है।

आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद;

जय हिन्द !

शालिवाहन

(प्रोफ़ेसर शालिवाहन)



# महापरिषद



## अध्यक्ष

सचिव, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय  
भारत सरकार

## सदस्यगण

### अध्यक्ष

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड  
पदेन सदस्य

प्रमुख सलाहकार (ऊर्जा),  
नीति आयोग  
पदेन सदस्य

निदेशक, सीएसआईआर-  
आईआईसीटी, हैदराबाद  
पदेन सदस्य

### अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी)

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन  
लिमिटेड, पदेन सदस्य

### कार्यकारी निदेशक

तेल उद्योग सुरक्षा  
संगठन, पदेन सदस्य

### निदेशक

भारतीय विज्ञान संस्थान,  
बैंगलुरु, पदेन सदस्य

### अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी)

आयल एंड नेचुरल गैस कारपोरेशन  
पदेन सदस्य

### सचिव

तेल उद्योग विकास बोर्ड  
पदेन सदस्य

### अध्यक्ष. शासक मंडल,

आईआईपीई विशाखापत्तनम  
सदस्य

### अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी)

गेल (इंडिया) लिमिटेड  
पदेन सदस्य

### मुख्य कार्यकारी अधिकारी

केयर्न एनर्जी इंडिया लिमिटेड  
सदस्य

### निदेशक,

आईआईपीई विशाखापत्तनम  
पदेन सदस्य

### महानिदेशक

हाइड्रोकार्बन के महानिदेशक  
पदेन सदस्य

### मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

शेल इंडिया लिमिटेड  
पदेन सदस्य

## सचिव

### कुलसचिव

आईआईपीई विशाखापत्तनम



# शासक मंडल

## अध्यक्ष (स्थानापन्न)



**प्रोफ़ेसर शालिवाहन**  
निदेशक, आईआईपीई विशाखापत्तनम एवं  
पदेन सदस्य



## सदस्यगण



**श्री पी.के. जोशी**  
सीएमडी, एचपीसीएल



**प्रोफ़ेसर सैबल गुप्ता**  
आईआईटी खड़गपुर



**प्रोफ़ेसर टी.एन. सिंह**  
निदेशक,  
आई आई टी पटना



**प्रोफ़ेसर इंद्रजीत मुखोपाध्याय**  
पंडित दीनदयाल ऊर्जा  
विश्वविद्यालय, गांधीनगर



**प्रोफ़ेसर कमल के. पन्त**  
निदेशक,  
आई आई टी रुड़की



**श्री एम.वी. अय्यर,**  
निदेशक, गैल (इंडिया) लिमिटेड  
(31.10.2023 तक)



**प्रोफ़ेसर के. गणपति अयप्पा**  
प्रोफ़ेसर,  
आई आई एससी बेंगलुरु



**श्री पंकज कुमार गोस्वामी**  
निदेशक (ऑपरेशन्स),  
ऑयल इंडिया लिमिटेड

## सचिव



**श्री रामफल द्विवेदी**  
कुलसचिव,  
आईआईपीई विशाखापत्तनम

# वित्त समिति

## अध्यक्ष

**प्रोफ़ेसर शालिवाहन**

निदेशक आईआईपीई, विशाखापत्तनम

अध्यक्ष (स्थानापन्न) शासक मंडल एवं पदेन सदस्य

## सदस्यगण

**श्री आनंद कुमार झा**

उप सचिव (जीपी),

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय,

भारत सरकार

**श्री एस.आर.के.जी.के.एस. राजा बहादुर**

मुख्य महाप्रबंधक (वित्त),

एचपीसीएल विशाखा रिफाइनरी

**प्रोफ़ेसर सैबल गुप्ता**

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,

खड़गपुर

**श्री पंकज कुमार गोस्वामी**

निदेशक (ऑपरेशन्स),

ऑयल इंडिया लिमिटेड

## सचिव

**श्री रामफल द्विवेदी**

कुलसचिव

आईआईपीई विशाखापत्तनम



# भवन और कार्य समिति

## अध्यक्ष

**प्रोफ़ेसर शालिवाहन**

निदेशक आईआईपीई, विशाखापत्तनम

## सदस्यगण

**श्री विवेक पी. श्रीवास्तव**

मुख्य अभियंता,  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर

**श्री राघवेंद्र सिंह**

पूर्व कार्यकारी अभियंता (इलेक्ट्रिकल)  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

**प्रोफ़ेसर शिवशंकर पी,**

सहायक प्रोफ़ेसर, एसोसिएट डीन (योजना),  
आईआईपीई विशाखापत्तनम

**प्रोफ़ेसर के.वी. कृष्णाश्री**

सहायक प्रोफ़ेसर,  
आईआईपीई विशाखापत्तनम

**प्रोफ़ेसर एच शैरोन**

सहायक प्रोफ़ेसर,  
आईआईपीई विशाखापत्तनम

**प्रोफ़ेसर सोमनाथ घोष**

एसोसिएट प्रोफ़ेसर,  
आईआईपीई विशाखापत्तनम

**प्रोफ़ेसर नीलांजन पाल**

सहायक प्रोफ़ेसर,  
आईआईपीई विशाखापत्तनम

**श्री जी. शिव कुमार**

सहायक अभियंता (सिविल),  
आईआईपीई विशाखापत्तनम

**श्री के. नागेश**

सहायक अभियंता (इलेक्ट्रिकल),  
आईआईपीई विशाखापत्तनम

## सचिव

**श्री रामफल द्विवेदी**

कुलसचिव,  
आईआईपीई विशाखापत्तनम



# सीनेट

क्र. सं.	नाम	सदस्य	पद का नाम
1	प्रोफ़ेसर शलिवहान	निदेशक, आईआईपीई विशाखापत्तनम	अध्यक्ष (पदेन)
2	प्रोफ़ेसर अरविंद कुमार मिश्रा	निदेशक, सीएसआईआर-सीआईएमएफआर धनबाद	सदस्य
3	प्रोफ़ेसर. के. श्रीनिवास रेड्डी	अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी मद्रास	सदस्य
4	प्रोफ़ेसर के. विजय कुमार	डीन (अनुसंधान और विकास)	पदेन सदस्य
5	प्रोफ़ेसर शेषगिरी राव अम्बती	एसोसिएट डीन (संकाय मामले)	पदेन सदस्य
6	प्रोफ़ेसर दीपक अंबन मिश्रा	एसोसिएट डीन (अकादमिक मामले और व्यवस्थापक)	पदेन सदस्य
7	प्रोफ़ेसर सी.वी.राव	एसोसिएट डीन (छात्र मामले)	पदेन सदस्य
8	प्रोफ़ेसर पी. अपारॉय	एसोसिएट डीन (अनुसंधान और विकास)	सदस्य
9	प्रोफ़ेसर शिवशंकर पी.	एसोसिएट डीन (नियोजन संसाधन)	पदेन सदस्य
10	प्रोफ़ेसर रजत जैन	एसोसिएट डीन (अंतर्राष्ट्रीय संबंध और पूर्व छात्र मामले)	पदेन सदस्य
11	प्रोफ़ेसर रंजन प्रमाणिक	एसोसिएट डीन (इनोवेशन, इनक्यूबेशन और एंटरप्रेन्योरशिप)	पदेन सदस्य
12	प्रोफ़ेसर हिमांशु ककाती	विभागाध्यक्ष, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग और पृथ्वी विज्ञान	पदेन सदस्य
13	प्रोफ़ेसर पी. वेंकट रेड्डी	विभागाध्यक्ष, रसायन अभियांत्रिकी	पदेन सदस्य
14	प्रोफ़ेसर अरुण कुमार पुजारी	विभागाध्यक्ष, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	पदेन सदस्य
15	प्रोफ़ेसर सोमनाथ घोष	विभागाध्यक्ष, मानविकी और विज्ञान	पदेन सदस्य
16	प्रोफ़ेसर आर. रामुनायडू	गणित, मानविकी और विज्ञान विभाग	सदस्य
17	प्रोफ़ेसर टी. हेमन्थ कुमार	रसायन अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
18	प्रोफ़ेसर राका मंडल	रसायन अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
19	प्रोफ़ेसर दीपांकर पाल	रसायन अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
20	श्री रामफल द्विवेदी	कुलसचिव, आईआईपीई	पदेन सचिव

# प्रशासन

## निदेशक

प्रोफ़ेसर शालिवाहन

## कुलसचिव

श्री रामफल द्विवेदी

## डीन

प्रोफ़ेसर विजय कुमार कोप्पारापु  
डीन (अनुसंधान और विकास)

प्रोफ़ेसर दीपक अंबन मिश्रा  
एसोसिएट प्रोफ़ेसर  
एसोसिएट डीन (शैक्षणिक प्रशासन)

प्रोफ़ेसर शिवशंकर पी  
असिस्टेंट प्रोफ़ेसर  
एसोसिएट डीन (योजना)

प्रोफ़ेसर रजत जैन,  
एसोसिएट प्रोफ़ेसर  
एसोसिएट डीन (अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं पूर्व  
छात्र मामले)

प्रोफ़ेसर शेषगिरी राव अंबाती  
एसोसिएट डीन (शिक्षण कर्मचारी मामले)

प्रोफ़ेसर पी. अपारोंय  
एसोसिएट प्रोफ़ेसर  
एसोसिएट डीन (आर एंड डी)

प्रोफ़ेसर वीरभद्र राव चंदकन्ना  
एसोसिएट प्रोफ़ेसर  
एसोसिएट डीन (छात्र मामले)

प्रोफ़ेसर रंजन प्रमाणिक,  
एसोसिएट प्रोफ़ेसर  
एसोसिएट डीन (इनोवेशन, इनक्यूबेशन और  
एंटरप्रेन्योरशिप)

## विभागों के प्रमुख

प्रोफ़ेसर हिमांशु ककाती  
एसोसिएट प्रोफ़ेसर  
पेट्रोलियम इंजीनियरिंग और पृथ्वी विज्ञान

प्रोफ़ेसर अरुण कुमार पुजारी  
एसोसिएट प्रोफ़ेसर  
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

प्रोफ़ेसर सोमनाथ घोष  
एसोसिएट प्रोफ़ेसर  
मानविकी और विज्ञान विभाग

प्रोफ़ेसर पी. वेंकट रेड्डी  
एसोसिएट प्रोफ़ेसर  
रसायन अभियांत्रिकी विभाग

# आईआईपीई के बारे में



भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान (आईआईपीई) की स्थापना भारत सरकार द्वारा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में, वर्ष 2016 में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 में किए गए प्रावधानों के अनुसार विशाखापत्तनम में की गई। प्रारंभ में, संस्थान को आंध्र प्रदेश सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 2001 के तहत पंजीकृत किया गया था और बाद में, भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान (आईआईपीई) विधेयक 2017 संसद द्वारा अधिनियमित किया गया था। इससे सम्बंधित एक राजपत्र अधिसूचना 08 जनवरी, 2018 को प्रकाशित की गई थी। भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान अधिनियम, 2017 (2018 की संख्या 3) आईआईपीई को "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" घोषित करता है।

आईआईपीई वर्तमान में आंध्र यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विशाखापत्तनम के परिसर में स्थित अपने अस्थायी परिसर से अपनी शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों का संचालन कर रहा है। संस्थान को प्रमुख सार्वजनिक तेल पीएसयू जैसे एचपीसीएल, ओएनजीसी, ओआईएल, गेल और आईओसीएल द्वारा एक ऊर्जा डोमेन विशिष्ट संस्थान के रूप में सह-प्रचारित किया गया है। आईआईपीई ने प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और ऊर्जा क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले अन्य राष्ट्रीय संस्थानों के साथ भी सहयोग किया है।

आईआईपीई को आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा वांगलीगांव, सब्बावरम मंडल, अनकापल्ली में अपने स्थायी परिसर के निर्माण के लिए 201.80 एकड़ निःशुल्क स्थायी भूमि आवंटित की गई है। परिसरकी आधारशिला 20 अक्टूबर, 2016 को आंध्र प्रदेश के तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री श्री एन चंद्रबाबू नायडू, तत्कालीन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री, श्री धर्मेन्द्र प्रधान, शहरी विकास एवं संसदीय कार्यमंत्री श्री. एम वेंकैया नायडू और अन्य गणमान्य की उपस्थिति में रखी गई।

स्थायी परिसर का भूमि पूजन भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2 मार्च 2024 को किया गया।



## आईआईपीई के प्राधिकारी

आईआईपीई अधिनियम में प्रावधान है कि भारत के माननीय राष्ट्रपति संस्थान के कुलाध्यक्ष होंगे, और संस्थान के प्राधिकारियों में निम्नलिखित निहित होंगे:

- महापरिषद
- शासक मंडल
- वित्त समिति
- अकादमिक सीनेट
- संस्थान कीविधियों द्वारा घोषित प्राधिकारी



### दृष्टि

ऊर्जा क्षेत्र में प्रगति और उत्कृष्टता को सुविधाजनक बनाने वाले ज्ञान का सृजन और प्रसार करना।

### उद्देश्य

संस्थान को 20 वर्षों के भीतर दुनिया के शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में स्थान पाने वाला ऊर्जा विश्वविद्यालय बनाना।



### मूल्य



- प्रतिभा
- अद्वितीय गुणवत्ता और उत्कृष्टता
- रचनात्मकता की सराहना और उत्सव
- ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, समझदारी और समर्पण
- विविधता, सहयोग, सहभागिता और टीम वर्क

### लक्ष्य

- ग्लासगो में सी.ओ.पी. 26 सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पेश किए गए जलवायु समाधान के लिए 'पंचामृत' मिश्रण को साकार करने की दिशा में अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध।
- हितधारकों की IKIGAI या उद्देश्य की भावना में दृढ़ विश्वास।
- ब्लू ज़ोन को बढ़ावा देने में मदद करने का प्रयास, जिससे एक समृद्ध दुनिया आज की चुनौतियों की राख से फीनिक्स की तरह उठ सके।
- ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने और 'भविष्य के लिए तैयार भारत @2047' की दिशा में प्रगति के लिए भारत की बाधाओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हाथ मिलाना।



### उद्देश्य

- मात्रात्मक और गुणात्मक अंतर को पूरा करना और पेट्रोलियम और ऊर्जा क्षेत्रों के लिए कुशल श्रमशक्ति की आपूर्ति करना।
- विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित और राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त ऊर्जा केंद्र संस्थान बनने, अत्याधुनिक अंतर-विषयक शिक्षा प्रदान करने, अत्याधुनिक अनुसंधान करने, नवीकरणीय और गैर दोनों क्षेत्रों में उद्योगों को तकनीकी समाधान प्रदान करने के लिए नोडल बिंदु बनने की कल्पना की गई है। -नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र और देश की ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में देश में नीति-निर्माताओं को सलाह देना।
- सभी के लिए सस्ती, विश्वसनीय और टिकाऊ आधुनिक ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित करने में संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (यूएन एसडीजी) को प्राप्त करने में योगदान देना।

## आईआईपीई अधिनियम के मुख्य उद्देश्य

- पेट्रोलियम और हाइड्रोकार्बन और ऊर्जा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान में गुणवत्ता और उत्कृष्टता का पोषण और बढ़ावा देना करना;
- पेट्रोलियम और हाइड्रोकार्बन एवं ऊर्जा के क्षेत्र में इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, विज्ञान और कला में स्नातक, परास्नातक और डॉक्टरेट डिग्री प्रदान करने के लिए निर्देश और अनुसंधान के कार्यक्रमों और पाठ्यक्रम प्रदान करना;
- डिग्री, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र या अन्य शैक्षणिक विशिष्टताएं या उपाधियां और मानद डिग्री या अन्य विशिष्टताएं प्रदान करना और फेलोशिप, छात्रवृत्ति, प्रदर्शनियां, पुरस्कार और पदक स्थापित करना और पुरस्कार देना;
- शिक्षण और अनुसंधान के एकीकरण के माध्यम से तेल, गैस और पेट्रोकेमिकल उद्योग और ऊर्जा क्षेत्र के लाभ के लिए अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना;
- तेल, गैस और पेट्रोकेमिकल उद्योग और ऊर्जा क्षेत्र में राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के साथ नेटवर्किंग के माध्यम से घनिष्ठ शैक्षिक और अनुसंधान संपर्क को बढ़ावा देना;
- पेट्रोलियम और हाइड्रोकार्बन और ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ, सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करना;
- तेल और गैस उद्योग के लाभ के लिए अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना;
- छात्र-केंद्रित शिक्षण रणनीतियों को प्रोत्साहित करने के लिए कक्षा में नई तकनीक को एकीकृत करना;
- संपूर्ण हाइड्रोकार्बन मूल्य श्रृंखला के साथ-साथ ऊर्जा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अन्य संबंधित क्षेत्रों को कवर करने वाले पेट्रोलियम क्षेत्र में प्रिंट और गैर-प्रिंट ज्ञान संसाधनों का एक सूचना संसाधन केंद्र विकसित करना और बनाए रखना; उद्योग में गहरी बातचीत और अनुसंधान का वातावरण विकसित करना;
- राष्ट्र के लाभ के लिए नए बुनियादी ज्ञान और अनुप्रयुक्त प्रौद्योगिकी के निर्माण और कंपनियों को इसके सक्रिय प्रसारण को बढ़ावा देना और इस उद्देश्य के लिए संस्थान में किए गए नए विकासों को पेटेंट कराने और उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाइसेंस देने के लिए एक बौद्धिक संपदा अधिकार सेल की स्थापना करना;
- संस्थान के कामकाजी पेशेवरों और अन्य कर्मचारियों को तेल, गैस, संपूर्ण हाइड्रोकार्बन मूल्य श्रृंखला और ऊर्जा से संबंधित प्रौद्योगिकी के उन्नत क्षेत्रों में आगे की शिक्षा प्रदान करना;
- संस्थान के परिसर या कंपनी स्थल पर पेट्रोलियम और ऊर्जा क्षेत्र के अत्याधुनिक क्षेत्रों में सतत शिक्षा के लिए कामकाजी पेशेवरों की वर्तमान और चल रही जरूरतों को पूरा करने वाले अनुकूलित कार्यक्रमों की पेशकश करना;
- उद्योग को अपने कर्मचारियों को उच्च डिग्री के लिए संस्थान में शामिल होने के लिए प्रायोजित करने और प्रायोजक उद्योग के हित की समस्याओं पर काम करने के लिए प्रोत्साहित करना, जिससे उद्योग में गहरी बातचीत और अनुसंधान वातावरण विकसित करने में मदद मिलती है;
- प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न संबंधित क्षेत्रों में लोगों को प्रशिक्षण देकर भारत सरकार के कौशल विकास कार्यक्रमों का सहयोग करने में सक्रिय भूमिका निभाना; संस्थान के परिसर में या अन्य स्थानों पर पाठ्यक्रम के डिजाइन और संचालन में उद्योगों को शामिल करना;
- ऊर्जा की व्यापक छत्रछाया के तहत पेट्रोलियम और पेट्रोलियम से संबंधित प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में संस्थान के कामकाज पर व्यापक ध्यान देना।

## भूमि पूजन (ग्राउंड-ब्रेकिंग समारोह)

भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान (आईआईपीई) के स्थायी परिसर का भूमि पूजन (ग्राउंड-ब्रेकिंग समारोह) 02 मार्च 2024 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा औपचारिक रूप से आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें प्रधान मंत्री ने एक दूरस्थ स्थान से समारोह की अध्यक्षता की। माननीय केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और आवास और शहरी मामलों के मंत्री, श्री हरदीप एस. पुरी, उलाओ, बेगुसराय, बिहार से व्यक्तिगत रूप से इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिससे इस अवसर की प्रतिष्ठा बढ़ गई।



इस समारोह में भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपी एंड एनजी) के सचिव श्री पंकज जैन और आईआईपीई के निदेशक प्रोफेसर शालिवाहन की उपस्थिति ने इसकी शोभा बढ़ाई। उनकी उपस्थिति ने भारत में ऊर्जा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में इस विकास के महत्व को रेखांकित किया।

भूमि पूजन केवल एक भौतिक कार्य नहीं था बल्कि आईआईपीई के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का एक प्रतीकात्मक संकेत था। जन प्रतिनिधियों, विशिष्ट अतिथियों, सरकारी अधिकारियों, आईआईपीई बिरादरी, प्रेस और मीडिया के प्रतिनिधियों और विभिन्न अन्य हितधारकों सहित 500 से अधिक व्यक्तियों ने स्थायी परिसर के स्थल पर वस्तुतः समारोह देखा।

उपस्थित लोगों की इस विविध सभा ने संस्थान के भविष्य के लिए व्यापक समर्थन और उच्च उम्मीदों को दर्शाया। कार्यक्रम का प्रसारण स्थायी परिसर और यूट्यूब पर किया गया।



यह आयोजन आईआईपीई के स्थायी परिसर के निर्माण की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक है, जो पेट्रोलियम और ऊर्जा के क्षेत्र में ज्ञान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित एक विश्व स्तरीय संस्थान की स्थापना के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भूमि-पूजन समारोह केवल निर्माण की शुरुआत नहीं है, बल्कि शिक्षण, अनुसंधान और उद्योग सहयोग का एक प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में संस्थान की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

संस्थान 2025-26 शैक्षणिक वर्ष से शुरू होने वाले अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों को वर्तमान में सब्बावरम के पास वांगली गांव में बनाए जा रहे अपने स्थायी परिसर से संचालित करने की योजना बना रहा है। इसका उद्देश्य सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे, जैसे अकादमिक ब्लॉक, हॉस्टल, गेस्टहाउस इत्यादि को पूरा करना और अगले शैक्षणिक वर्ष से सब्बावरम में अपने स्थायी परिसर में कक्षाएं शुरू करना है।





## स्थायी परिसर की स्थिति



आंध्र प्रदेश सरकार ने भारतीय संस्थान के निर्माण के लिए अनाकापल्ली जिले (पहले विशाखापत्तनम जिले में) के सब्बावरम मंडल के वांगली गांव के सर्वेक्षण संख्या 135 और 241 पर 201.80 एकड़ की भूमि मुफ्त में आवंटित की है।

201.80 एकड़ की आवंटित भूमि को मार्च 2023 में भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान (IIPe) के नाम पर परिवर्तित कर दिया गया है।

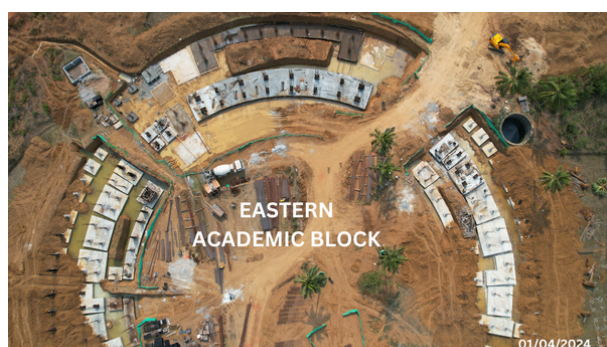


आईआईपीई के स्थायी परिसर के लिए आवंटित भूमि पर आंध्र प्रदेश औद्योगिक अवसंरचना निगम (एपीआईआईसी) द्वारा परिसर की दीवार का निर्माण किया गया है। वही सभी पहलुओं में पूर्ण हो चुका है।

अलग किए गए स्थल के आसपास परिसर की दीवार की कुल लंबाई 4.20 किलोमीटर है।

सीपीडब्ल्यूडी को आईआईपीई स्थायी परिसर के निर्माण का काम सौंपा गया है। सीपीडब्ल्यूडी ने 07 जुलाई, 2023 को स्थायी परिसर भवनों के निर्माण के लिए निविदा जारी की। तकनीकी बोली 31 जुलाई 2023 को खोली गई और वित्तीय बोली 18 अगस्त, 2023 को खोली गई। मेसर्स केपीसी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को 03 अक्टूबर, 2023 को आईआईपीई के स्थायी परिसर के निर्माण का ठेका दिया गया।

चरण-1 को पूरा करने की अवधि 21 महीने है और परिसर जुलाई 2025 तक सौंपे जाने की संभावना है।



**पूर्वी शैक्षणिक ब्लॉक**



**टाइल-V क्वार्टर।**

31.03.2024 तक निर्माण की भौतिक प्रगति 22% तथा वित्तीय प्रगति 18% थी।

## परिसर के चरण-I का सामान्य सार इस प्रकार है:

क्र.सं.	भवन का नाम	क्र.सं.	भवन का नाम
1	केंद्रीय प्रशासनिक ब्लॉक	7	टाइप III क्वार्टर-32 नं.
2	पूर्वी शैक्षणिक ब्लॉक	8	उप स्टेशन
3	गेस्ट हाउस	9	पम्प रूम
4	हॉस्टल ब्लॉक और मेस ब्लॉक	10	कार्यशाला एवं ई. एवं एम. कार्यालय
5	टाइप VIII क्वार्टर-01 नं.	11	एसी प्लांट रूम
6	टाइप VII क्वार्टर-32 नं.	12	सड़कें एवं अन्य सेवाएँ

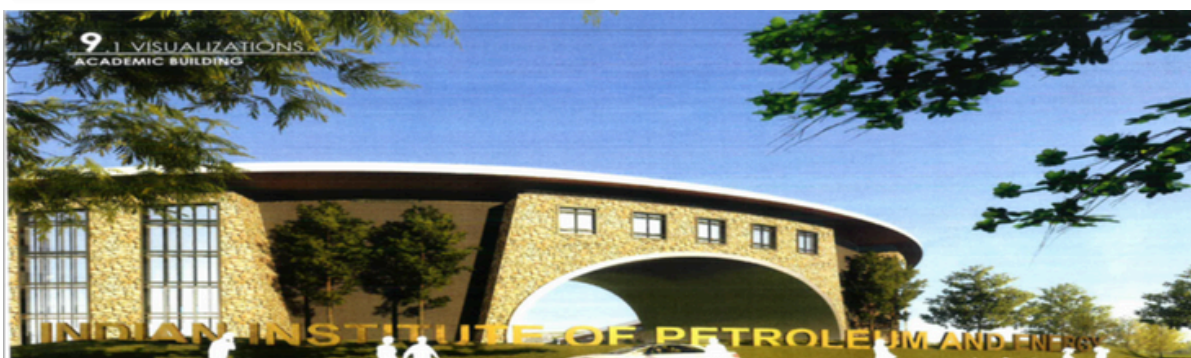


टाइप III क्वार्टर



लड़कों का छात्रावास

## परिसर का वैचारिक चित्र





## रैगिंग मुक्त कैम्पस

संस्थान रैगिंग विरोधी नीति को दृढ़ता से कायम रखता है और इसे ईमानदारी से कार्रवाई की भावना के साथ व्यवहार में लाता है। संस्थान सिस्टम की बारीकी से निगरानी करता है और यह सुनिश्चित करने के लिए समय पर अन्य कार्रवाई करता है कि यह कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त, प्रशासन, संबंधित संकाय और कर्मचारी नए नामांकित नए छात्रों के साथ-साथ वरिष्ठ छात्रों के साथ कई बैठकें करते हैं ताकि उन्हें संस्थान की नीतियों के बारे में सूचित किया जा सके और नए छात्रों के साथ सकारात्मक तरीके से बातचीत करने और इस प्रक्रिया में भाईचारे को बढ़ावा देने के बारे में सलाह दी जा सके। व्यक्तित्व का विकास करना। रैगिंग को दूर रखने के लिए, डीन (छात्र मामले) नियमित रूप से परिसर में वार्डन और संकाय सदस्यों द्वारा प्रायोजित गतिविधियों की निगरानी करते हैं।

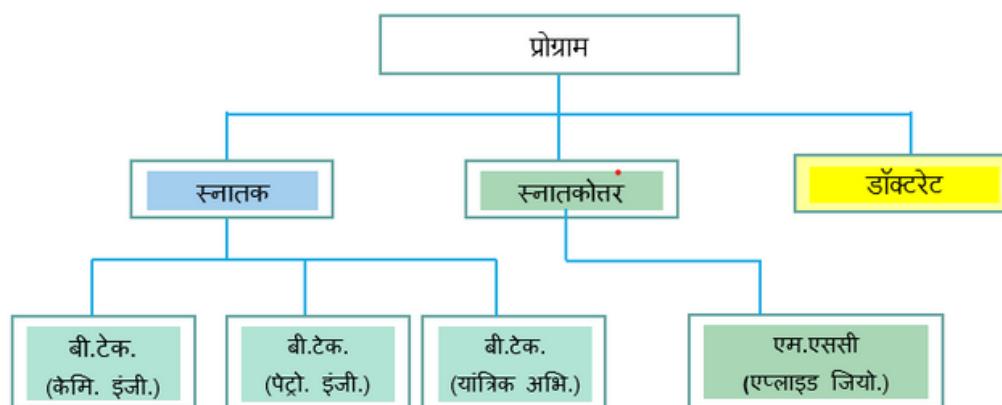
# NO RAGGING



## आईआईपीई रैगिंग मुक्त है

# शैक्षिक कार्यक्रम

संस्थान 2016 में अपनी स्थापना के बाद से बी.टेक. रासायनिक अभियांत्रिकी (सी.ई.) और बी-टेक पेट्रोलियम अभियांत्रिकी (पी.ई.) के स्नातक पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहा है और शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के वसंत सेमेस्टर से शुरू होने वाले पीएचडी अनुसंधान कार्यक्रमों की पेशकश कर रहा है। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से, संस्थान ने बी.टेक. यांत्रिकी अभियांत्रिकी (एम.ई.), और एम्.एससी. व्यावहारिक भूगर्भ शास्त्र (ए.जी.) की शुरुआत की है। संस्थान आरक्षण नीति को लागू करते समय भारत सरकार के मानदंडों का पालन करता है।



## कार्यक्रम

**बी.टेक. (रासायन अभियांत्रिकी):** कार्यक्रम का लक्ष्य उद्योग-केंद्रित प्रतिभा आवश्यकताओं पर विशेष जोर देने के साथ कुशल रासायनिक इंजीनियरों को विकसित करना है। कार्यक्रम में छात्रों को केमिकल इंजीनियरिंग के बुनियादी सिद्धांतों से अवगत कराने और ऊर्जा, पर्यावरण आदि से संबंधित समस्याओं को हल करने के लिए नवीन सोच पैदा करने की योजना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे पेशेवर तैयार करना है जो एक गतिशील क्षेत्र में अच्छी तरह से फिट हो सकें जहां उन्हें विभिन्न तकनीकी प्रगति का सामना करना पड़ सकता है। पाठ्यक्रम के दौरान, बहु-विषयक स्थितियों में जटिल समस्याओं से निपटने के लिए छात्रों की क्षमता को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाता है।

**बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी):** मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग का मुख्य फोकस तेल, गैस और ऊर्जा क्षेत्र के क्षेत्र में छात्रों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। विभाग का लक्ष्य आईआईपीई के स्नातक छात्रों को पारंपरिक और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के क्षेत्र में तकनीकी कौशल प्रदान करना है। विभाग स्नातक छात्रों को विभिन्न मुख्य यांत्रिक और अंतर-विषयक विषय प्रदान करता है। बी.टेक और पीएचडी कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे शोधकर्ताओं को विकसित करना है जो विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी माहौल में नवाचार कर सकें और सफल हो सकें। बी.टेक. और पीएच.डी कार्यक्रम ऊर्जा क्षेत्र के लिए सौर ऊर्जा, ऊर्जा रूपांतरण उपकरण, टर्बोमशीन, ग्रीड एकीकृत सिस्टम, डेटा एनालिटिक्स और एआई जैसे विभिन्न अंतःविषय अनुसंधान पर केंद्रित है।

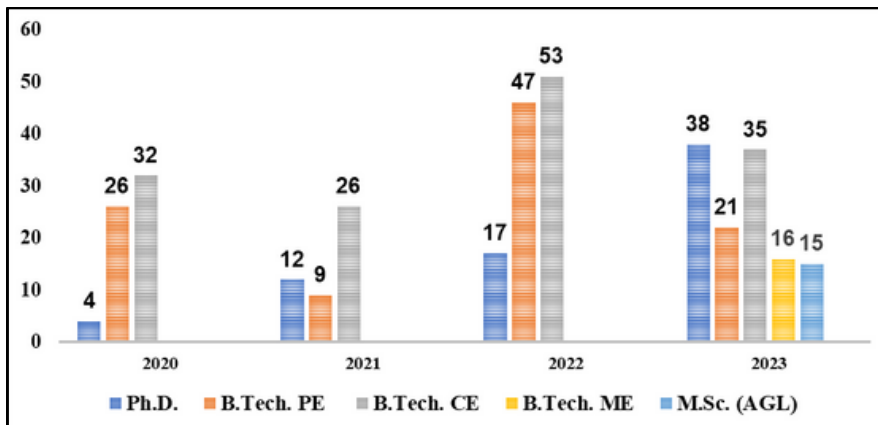
**बी.टेक. (पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान):** कार्यक्रम का उद्देश्य पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उद्योग में पेशेवर अभ्यास के लिए स्नातकों को तैयार करना है, जिसमें अन्वेषण, जलाशय और उत्पादन को शामिल करने वाली अपस्ट्रीम गतिविधियों पर जोर दिया जाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य तेल और गैस उद्योग में संपूर्ण मूल्य-श्रृंखला में इंजीनियरिंग जिम्मेदारियां लेने में सक्षम तकनीकी पेशेवर तैयार करना है। कार्यक्रम को पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के बुनियादी पहलुओं में वैचारिक कौशल विकसित करने और तेल और गैस क्षेत्रों में सर्वोत्तम तकनीकों को लागू करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

**एम.एससी. (एप्लाइड जियोलॉजी):** एम. एससी. एप्लाइड जियोलॉजी कार्यक्रम को छात्रों को भूवैज्ञानिक सिद्धांतों और विभिन्न वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों की व्यापक समझ विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कठोर पाठ्यक्रम और व्यावहारिक क्षेत्र के अनुभवों के संयोजन के माध्यम से, छात्र खनिज, तेल अन्वेषण, पर्यावरण मूल्यांकन, भूवैज्ञानिक मानचित्रण और प्राकृतिक खतरे के शमन जैसे विविध क्षेत्रों में गहराई से समझ सकें। यह विशेषज्ञता भूवैज्ञानिक डेटा विश्लेषण, व्याख्या और प्रभावी संचार के लिए आवश्यक कौशल के विकास को बढ़ावा देती है, जिससे स्नातकों को भूविज्ञान अनुसंधान, संसाधन प्रबंधन और पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

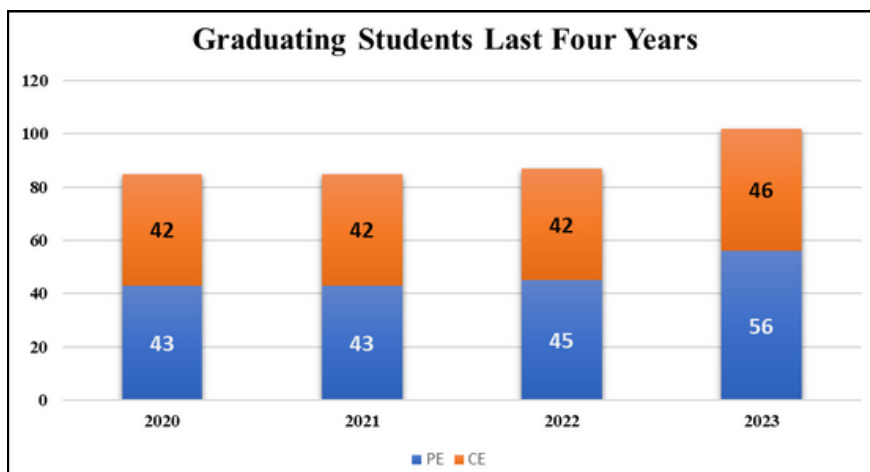
**डॉक्टरेट कार्यक्रम:** ऊर्जा, इंजीनियरिंग और बुनियादी विज्ञान के क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए संस्थान निम्नलिखित विषयों में पीएच.डी. प्रदान करता है।

जीवविज्ञान	रसायन अभियान्त्रिकी	गणित
रासायनिक विज्ञान	संगणक विज्ञान और अभियान्त्रिकी	यांत्रिक अभियान्त्रिकी
पृथ्वी विज्ञान	विद्युत अभियान्त्रिकी	पेट्रोलियम अभियान्त्रिकी

### मौजूदा छात्रों की संख्या कार्यक्रम के अनुसार



### पिछले चार वर्षों में स्नातक छात्र



# प्रवेश डेटा



## शैक्षणिक वर्ष 2020-21

विषय	प्रवेशित छात्र	कुल		कुल				
		पुरुष	महिला	जनरल	ईडब्ल्यू एस	अन्य पि. वर्ग	अ. जाति	अ. जन. जाति
बी.टेक. - पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान	26	24	2	7	8	9	2	-
बी.टेक. - रसायन अभियांत्रिकी	32	30	2	11	7	11	3	-
<b>कुल</b>	<b>58</b>	<b>54</b>	<b>4</b>	<b>18</b>	<b>15</b>	<b>20</b>	<b>5</b>	<b>0</b>
पीएचडी	4	4	0	4	0	0	0	0

## शैक्षणिक वर्ष 2021-22

विषय	प्रवेशित छात्र	कुल		कुल				
		पुरुष	महिला	जनरल	ईडब्ल्यू एस	अन्य पि. वर्ग	अ. जाति	अ. जन. जाति
बी.टेक. - पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान	9	9	-	2	1	5	1	-
बी.टेक. - रसायन अभियांत्रिकी	26	26	-	11	5	7	3	-
<b>कुल</b>	<b>35</b>	<b>35</b>	<b>0</b>	<b>13</b>	<b>6</b>	<b>12</b>	<b>4</b>	<b>0</b>
पीएचडी	12	9	3	3	2	5	2	0

## शैक्षणिक वर्ष 2022-23

विषय	प्रवेशित छात्र	कुल		कुल				
		पुरुष	महिला	जनरल	ईडब्ल्यू एस	अन्य पि. वर्ग	अ. जाति	अ. जन. जाति
बी.टेक. - पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान	47	44	3	14	6	18	7	2
बी.टेक. - रसायन अभियांत्रिकी	53	51	2	12	12	20	8	1
<b>कुल</b>	<b>100</b>	<b>95</b>	<b>5</b>	<b>26</b>	<b>18</b>	<b>38</b>	<b>15</b>	<b>3</b>
पीएचडी	17	8	9	8	1	6	2	0

## शैक्षणिक वर्ष 2023-24

विषय	प्रवेशित छात्र	कुल		कुल				
		पुरुष	महिला	जनरल	ईडब्ल्यू एस	अन्य पि. वर्ग	अ. जाति	अ. जन. जाति
बी.टेक. - पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान	21	20	1	3	2	8	8	0
बी.टेक. - रसायन अभियांत्रिकी	35	31	4	9	8	8	8	2
बी.टेक. - यांत्रिक अभियांत्रिकी	16	15	1	2	7	3	4	0
<b>कुल</b>	<b>72</b>	<b>66</b>	<b>6</b>	<b>14</b>	<b>17</b>	<b>19</b>	<b>20</b>	<b>2</b>
एमएससी	15	10	5	6	2	4	2	1
पीएचडी	38	22	16	18	2	17	1	0

## निर्धारण वर्ष 2023-24 के दौरान चयनित उम्मीदवारों की जेईई (एडवांस्ड) की ओपन और क्लोजिंग रैंक

### ओपनिंग रैंक

- जनरल - 12396
- ईडब्ल्यू एस - 3946
- अन्य पि. वर्ग - 6117
- अ. जाति - 920
- अ. जन. - 1541

- जनरल - 11331
- ईडब्ल्यू एस - 3615
- अन्य पि. वर्ग - 5991
- अ. जाति - 2440
- अ. जन. - 1341

- जनरल - 7613
- ईडब्ल्यू एस - 3276
- अन्य पि. वर्ग - 6193
- अ. जाति - 1454
- अ. जन. - 1258

### समापन रैंक

बी.टेक. -  
पेट्रोलियम इंजीनियरिंग  
और पृथ्वी

जनरल- 26286

ईडब्ल्यू एस-5328

अन्य पि. वर्ग-8926

अ. जाति - 4184

अ. जन.- 1541

बी.टेक. -  
रसायन अभियांत्रिकी

जनरल - 26286

ईडब्ल्यू एस-5307

अन्य पि. वर्ग-8872

अ. जाति- 4099

अ. जन.- 1631

बी.टेक. -  
यांत्रिक अभियांत्रिकी

जनरल - 25677

ईडब्ल्यू एस-5200

अन्य पि. वर्ग-8950

अ. जाति - 4128

अ. जन. - 1307



## रसायन अभियांत्रिकी विभाग



रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना 2016 में आई.आई.पी.ई. के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए की गई थी, यानी तेल और प्राकृतिक गैस उद्योग के लिए कुशल कर्मियों को तैयार करना। विभाग ने बी.टेक. रासायनिक अभियांत्रिकी प्रोग्राम 50 छात्रों के प्रवेश के साथ अपना संचालन शुरू किया। इसके बाद, पी.एच.डी. डिग्री प्रोग्राम वर्ष 2020 में शामिल किए गए हैं।

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग का उद्देश्य छात्रों को भारतीय औद्योगिक क्षेत्र में ऊर्जा क्षेत्र का हिस्सा बनने के लिए आवश्यक व्यापक ज्ञान प्रदान करना है। प्रदान किए गए पाठ्यक्रम पारंपरिक क्षेत्रों का संतुलित मिश्रण हैं - प्रतिक्रिया अभियांत्रिकी, ऊष्मप्रवैगिकी, प्रक्रिया नियंत्रण, आदि - और उभरते क्षेत्र - अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, मशीन लर्निंग, नैनोसाइंस, आदि - रासायनिक अभियांत्रिकी के। छात्रों को विभिन्न सिमुलेशन सॉफ्टवेयर (मैटलैब, एस्पेन, प्र्लूएंट) के साथ अनुभव दिया जाता है प्रयोगशाला जिनमें नवीनतम मशीनरी और उपकरण उपलब्ध है। विभाग संकाय औद्योगिक परामर्श में शामिल हैं और उद्योग के सहयोग से विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं, विशेष रूप से अंतःविषय लोगों में शामिल हैं। विभाग के पूर्व शोध के क्षेत्रों में डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, एनर्जी स्टोरेज, सरफेस एंड प्लाज्मा इंजीनियरिंग, वाटर ट्रीटमेंट, मशीन लर्निंग और पोल्लुशन अबेटमेंट शामिल हैं।

तेल और प्राकृतिक गैस क्षेत्रों (हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी), गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल), आदि में भारतीय पीएसयू के समर्थन के साथ, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग लगातार एक ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास करता है जिसमें छात्र न केवल सीख सकते हैं, बल्कि अनुभव और कार्यान्वयन भी कर सकते हैं; रासायनिक उद्योग में अंतर लाने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान के साथ अत्यधिक प्रेरित व्यक्ति बनने के लिए।

प्रक्रिया मॉडलिंग और सिमुलेशन, ऊर्जा प्रबंधन, परिवहन मॉडलिंग, प्रदूषण उपशमन, उत्प्रेरण और प्रतिक्रिया अभियांत्रिकी, मल्टीफेज मॉडलिंग और आणविक सिमुलेशन, सोखना पृथक्करण और पॉलिमर विभाग में अनुसंधान के फोकस क्षेत्र हैं, विशेष रूप से तेल और गैस क्षेत्र के परिप्रेक्ष्य से।

विभाग में संकाय औद्योगिक परामर्श और प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल हैं। विभाग यूजी, पीजी और अनुसंधान गतिविधियों के लिए आवश्यक प्रयोगशाला बुनियादी ढांचे का लगातार निर्माण कर रहा है। संकाय अनुसंधान परामर्श और प्रायोजित परियोजनाओं में लगातार वृद्धि के साथ, विभाग सफलता की सही दिशा में प्रगति कर रहा है। विभाग में एक सक्रिय आईआईसीएचई छात्र अध्याय है। विभाग छात्रों के तकनीकी और व्यवहार कौशल दोनों में सुधार के लिए वेबिनार और तकनीकी वार्ता आयोजित करता है।

### प्राथमिक अनुसंधान क्षेत्र

- प्रोसेस सिस्टम अभियांत्रिकी
- उत्प्रेरण और प्रतिक्रिया अभियांत्रिकी
- परिवहन घटना
- अपशिष्ट जल उपचार
- ऊर्जा प्रणाली अभियांत्रिकी

## प्रयोगशालाएं

- द्रव यांत्रिकी
- यांत्रिक संचालन
- रिएक्शन इंजीनियरिंग
- हीट ट्रांसफर
- मास ट्रांसफर
- इंस्ट्रुमेंटेशन और प्रक्रिया नियंत्रण

## आंकड़े

- शिक्षण-स्टाफ की संख्या: 10
- स्टाफ सदस्यों की संख्या: 1
- बी.टेक. छात्रों की प्रवेश क्षमता: 37
- पी.एच.डी. छात्रों की संख्या: 28

## अत्याधुनिक-अनुसंधान सुविधाएं

लामिनार एयर फ्लो चैंबर, ओजोन जनरेटर, चुंबकीय उत्तेजक, ऑटोक्लेव, प्लाज्मा-संवर्धित रासायनिक वाष्प जमाव, रेफ्रिजरेटर फोटोकैलाइटिक रिएक्टर, यूवी-स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, स्टिरर, चालकता मीटर, मेम्ब्रेन फैब्रिकेटर, वैक्यूम ओवन, बीओडी इनक्यूबेटर शेकर, एफटीआईआर।

## यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग

आई.आई.टी. में यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग का मुख्य उद्देश्य तेल, गैस और ऊर्जा के क्षेत्र में छात्रों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। विभाग का उद्देश्य आईआईपीई के स्नातक छात्रों को पारंपरिक और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के क्षेत्रों में तकनीकी कौशल प्रदान करना है। विभाग स्नातक छात्रों को विभिन्न कोर यांत्रिकी और अंतर-अनुशासनात्मक विषय प्रदान करता है। विभाग शोधकर्ताओं को विकसित करने के उद्देश्य से बी.टेक. और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है जो विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी वातावरण में नवाचार और सफल हो सकते हैं। बी.टेक. और पीएचडी कार्यक्रम ऊर्जा क्षेत्र के लिए सौर ऊर्जा, ऊर्जा रूपांतरण उपकरणों, टर्बोमशीनों, ग्रिड एकीकृत प्रणालियों, डेटा एनालिटिक्स और एआई जैसे विभिन्न अंतःविषय अनुसंधान पर केंद्रित हैं।

भारत में ऊर्जा क्षेत्र को पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन प्रौद्योगिकियों में महत्वपूर्ण विशेषज्ञता के साथ कुशल यांत्रिकी अभियांत्रिकी की आवश्यकता है। अक्षय ऊर्जा उद्योग ने पिछले दशक में प्रभावशाली वैश्विक विकास देखा है और यांत्रिकी इंजीनियरों ने स्वच्छ ऊर्जा और अधिक टिकाऊ प्रथाओं के लिए दुनिया के संक्रमण को सक्षम करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। यांत्रिकी इंजीनियर सौर, भूतापीय शक्ति, पवन, हाइड्रो, भाप और गैस टरबाइन के डिजाइन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यांत्रिकी इंजीनियर यांत्रिकी अभियांत्रिकी स्नातक कार्यक्रमों में सीखने और विकसित करने वाले कई प्रमुख कौशल ऊर्जा क्षेत्र में अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला है। इसके अलावा यांत्रिकी इंजीनियरों की तेल और गैस उद्योगों के उपकरण और मशीनरी डिजाइन में एक बड़ी भूमिका है। आईआईपीई अपनी अनूठी दृष्टि और मिशन के साथ अब शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से 4 साल का यांत्रिकी अभियांत्रिकी कार्यक्रम शुरू करने वाला है। इस कार्यक्रम में, छात्र ऊर्जा, तेल और गैस क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाले विशेष पाठ्यक्रमों के साथ प्रमुख यांत्रिकी अभियांत्रिकी अवधारणाओं को सीखेंगे और प्रदर्शित करेंगे।

## शैक्षिक कार्यक्रम

**बी.टेक.:** स्नातक कार्यक्रम एक सफल कैरियर के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल और समग्र समझ से लैस अच्छी तरह से यांत्रिक इंजीनियरों का उत्पादन जारी रखता है। पाठ्यक्रम उद्योग की मांगों और तकनीकी प्रगति को पूरा करने के लिए विकसित होता है।

**पीएचडी:** डॉक्टरेट कार्यक्रम यांत्रिकी अभियांत्रिकी के विभिन्न विषयों में अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देता है। हमारे डॉक्टरेट उम्मीदवार सक्रिय रूप से अंतःविषय अनुसंधान में संलग्न हैं, ज्ञान की उन्नति में योगदान देते हैं।



## प्राथमिक अनुसंधान क्षेत्र

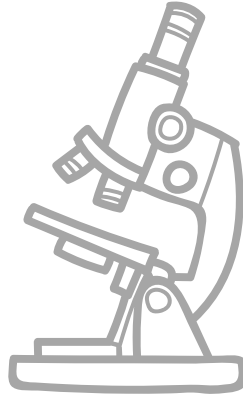
- यांत्रिकी सिस्टम में गर्मी हस्तांतरण और द्रव प्रवाह विश्लेषण
- टर्बोमशीनरी प्रवाह का वायुगतिकीय विश्लेषण
- गैस टरबाइन गर्मी हस्तांतरण और शीतलन प्रौद्योगिकी
- कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता
- तापीय ऊर्जा भंडारण
- नवीकरणीय ऊर्जा
- अपशिष्ट से ऊर्जा

## प्रयोगशाला

- द्रव प्रणाली
- द्रव यांत्रिकी
- सामग्री की ताकत
- सी.ए.डी.
- इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स

## उपलब्ध सॉफ्टवेयर की सूची

- एन्सिस, सॉलिडवर्क्स,
- फ्लोनेक्स, ओरिजिन,
- मैटलैब, कॉमसोल,
- एस्पेन



## आंकड़े

- शिक्षण स्टाफ की संख्या: 5
- स्टाफ सदस्यों की संख्या: 1
- बी.टेक. छात्रों की प्रवेश क्षमता: 40
- पी.एच.डी. छात्रों की संख्या: 10

## पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान विभाग



2016 में स्थापित, पेट्रोलियम अभियांत्रिकी विभाग का मिशन छात्रों को पेट्रोलियम अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उच्च योग्य इंजीनियर बनने के लिए आवश्यक शिक्षा प्रदान करना है। चार साल का स्नातक कार्यक्रम एक लचीला पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो सिद्धांत-आधारित कक्षाओं और व्यावहारिक प्रशिक्षण कक्षाओं का संयोजन करता है। छात्र अपनी रुचियों के अनुसार विभिन्न प्रकार के ऐच्छिक से चुन सकते हैं और उन्हें कई प्रयोगशालाओं तक पहुंच प्रदान की जाती है - जिसमें जलाशय सिमुलेशन, ड्रिलिंग अभियांत्रिकी, जलाशय अभियांत्रिकी और उत्पादन अभियांत्रिकी प्रयोगशालाएं शामिल हैं - पूरी तरह से नवीनतम मशीनरी और सॉफ्टवेयर से लैस।

इसके अतिरिक्त, छात्रों के पास क्षेत्र में अग्रणी संगठनों में ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप से गुजरने का अनूठा अवसर है, जैसे कि तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी), ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल), रिलायंस पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), आदि। देश भर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और प्रोफेसरों के संयोजन और उद्योग के प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा इंटरैक्टिव अतिथि सत्रों के साथ, पेट्रोलियम अभियांत्रिकी विभाग यह सुनिश्चित करता है कि इसके छात्रों के पास उत्कृष्ट श्रमिक बनने के लिए आवश्यक व्यावहारिक और सैद्धांतिक ज्ञान है जो पेट्रोलियम और ऊर्जा क्षेत्रों में बढ़ती मांग को पूरा कर सकते हैं। और कुशल शोधकर्ता जो इस क्षेत्र की उन्नति में योगदान कर सकते हैं।

## प्राथमिक अनुसंधान क्षेत्र

- प्रायोगिक रॉक यांत्रिकी
- चट्टानों के इंजीनियरिंग गुण
- रॉक विफलता तंत्र
- भूतापीय संसाधन
- फ्रैक्चरिंग/ईओआर/ड्रिलिंग तरल पदार्थों का संश्लेषण और अध्ययन
- जलाशय सिमुलेशन और मॉडलिंग
- तेल क्षेत्रों का डिजिटलीकरण
- तेल रिसाव को साफ करना
- गैस हाइड्रेट
- तेल रिकवरी बढ़ाना (ईओआर)
- हाइड्रोलिक फ्रैक्चरिंग द्रव डिजाइन
- अपरंपरागत संसाधनों के लिए ड्रिलिंग तरल पदार्थ
- बढ़ी हुई तेल रिकवरी
- अनुरूपता नियंत्रण
- कार्बन डाइऑक्साइड कैप्चर और स्टोरेज (सीएसएस)
- हाइड्रोजन भंडारण
- संरचनात्मक और अवशिष्ट गैस ट्रेपिंग मॉडल
- उत्पाद संश्लेषण और डिज़ाइन
- जलाशय अनुकरण
- पोरस मीडिया प्रवाह
- ड्रिलिंग द्रव डिजाइन और विश्लेषण

## अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं

- रियोमीटर प्रणाली
- कोण मीटर से संपर्क करें
- तरल पारिमीटर
- गैस पारिमीटर
- एसिड कोर बाढ़ प्रणाली
- कण आकार और जीटा क्षमता विश्लेषक
- अल्ट्रासोनिक वेग परीक्षक
- 3000 केएन सर्वो हाइड्रोलिक कंप्यूटर नियंत्रित रॉक परीक्षण प्रणाली
- एक्सराडिया संदर्भ माइक्रो-सीटी प्रणाली
- 48 इलेक्ट्रोड स्विचिंग के साथ प्रतिरोधकता इमेजिंग प्रणाली
- डिजिटल कैमरा और इमेजिंग सॉफ्टवेयर के साथ परावर्तित और प्रसारित प्रकाश माइक्रोस्कोपी
- ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार सिस्टम

- वेल सिमुलेशन तकनीकी
- हाइड्रोलिक फ्रैक्चरिंग और कम्प्यूटेशनल जियोमैकेनिक्स
- जलाशय सिमुलेशन
- द्रव-रॉक-फ्रैक्चर अंतःक्रिया
- भू-सामग्रियों की बड़ी विकृति और विफलता मॉडलिंग
- स्मूथेड पार्टिकल हाइड्रोडायनामिक्स (एसपीएच)
- विस्तारित परिमित तत्व विधि (XFEM)
- पेरीडायनामिक्स (पीडी)
- स्वार्म इंटेलिजेंस, टेक्टोनिक्स, खनिज अन्वेषण और पेट्रोफिजिक्स
- संख्यात्मक जलाशय सिमुलेशन और मॉडलिंग
- ईओआर में मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स
- उपसतह में कार्बन डाइऑक्साइड का पृथक्करण
- उपसतह तेल रिसाव का जैव-उपचार
- पृथ्वी के पदार्थ का भू-रसायन
- यूरेनियम भंडार का भू-रासायनिक अन्वेषण
- टेक्टोनिक्स, सुपरकॉन्टिनेंट चक्र और क्रस्टल इवोल्यूशन

## प्रयोगशालाएं

- इंजीनियरिंग भूविज्ञान
- ईंधन
- जलाशय इंजीनियरिंग
- ड्रिलिंग इंजीनियरिंग और फ्रैक्चरिंग
- प्रोडक्शन इंजीनियरिंग
- जलाशय सिमुलेशन

## आंकड़े

- शिक्षण-स्टाफ की संख्या: 10
- स्टाफ सदस्यों की संख्या: 02
- बी.टेक. छात्र (प्रवेश क्षमता): 50
- पीएचडी छात्रों की संख्या: 18 (पेट्रोलियम) + 10 (पृथ्वी विज्ञान)



## मानविकी और विज्ञान विभाग

आईआईपीई में मानविकी और विज्ञान विभाग (एच एंड एस) ने मौलिक और व्यावहारिक ज्ञान के बीच एक पुल बनाने के उद्देश्य से 2016 में पेट्रोलियम और रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के साथ एक यात्रा शुरू की है। विभाग यूजी (बी. टेक.) और डॉक्टरेट (पीएचडी) कार्यक्रम के लिए कोर और वैकल्पिक दोनों पाठ्यक्रमों की पेशकश करने वाले अकादमिक पाठ्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभाग एक उन्नत अनुसंधान सुविधा स्थापित करने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है जिसमें अत्याधुनिक अनुसंधान करने के लिए विभिन्न परिष्कृत उपकरण और लक्षण वर्णन उपकरण हैं। अनुसंधान में इलेक्ट्रोकेलेलिस्ट, वैकल्पिक ऊर्जा सामग्री, डिवाइस और सेंसर निर्माण, जैव सूचना विज्ञान-संरचनात्मक जीव विज्ञान, विरल प्रतिनिधित्व सिद्धांत, संख्यात्मक विश्लेषण आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया है। विभाग युवा इंजीनियरों और शोध छात्रों को अपने शोध प्रयासों को पूरा करने के लिए एक वैज्ञानिक मंच प्रदान करता है। संकाय बिरादरी छात्रों के संरक्षक, मार्गदर्शन और उन्हें जीवन-प्रौद्योगिकी-समाज और मानवता के बीच संतुलन को समझने के लिए पोषण करती है।

### प्राथमिक अनुसंधान क्षेत्र

- संरचनात्मक जैव सूचना विज्ञान; आणविक मॉडलिंग और सिमुलेशन; प्रोटीन इंजीनियरिंग और लिगैंड डिज़ाइन।
- कार्यात्मक आणविक नैनोमटेरियल्स: निर्माण, ऑप्टिकल गुण और अनुप्रयोग
- ऊर्जा अनुप्रयोग के लिए नैनोमटेरियल, जीवाणुरोधी, घाव भरने और बायो-फिल्म रोकथाम गतिविधि के लिए जैव-संगत नैनोमटेरियल।
- विरल प्रतिनिधित्व सिद्धांत, गहन शिक्षण और मॉडल-आधारित एआई, मशीन लर्निंग, परिमित फ्रेम सिद्धांत।
- आंशिक विभेदक समीकरणों, संख्यात्मक विश्लेषण, अतिशयोक्तिपूर्ण संरक्षण कानूनों के लिए कम्प्यूटेशनल तरीके।

### अत्याधुनिक सुविधाएं

- इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन
- मिलिपोर जल शोधन इकाई
- सिरिज पंप यूनिट के साथ स्पिन कोटर
- उच्च तापमान ट्यूब भट्टी

### आंकड़े

- शिक्षण-स्टाफ की संख्या: 05
- पीएचडी छात्रों की संख्या: 15





डॉ. एस.आर. रंगनाथन पुस्तकालय संस्थान की केंद्रीय सुविधाओं में से एक है और संस्थान के शिक्षण, सीखने और अनुसंधान में सहायता करता है। पुस्तकालय दिन-प्रतिदिन अपने संग्रह को समृद्ध कर रहा है और अपने संग्रह में सबसे उपयुक्त प्रिंट और ऑनलाइन संसाधनों को जोड़ रहा है। यह उपयोगकर्ताओं और संसाधनों के बीच एक पुल के रूप में काम करता है। पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए नए उपकरणों और प्रौद्योगिकियों को अपना रहा है। पुस्तकालय का उद्देश्य एक उल्लेखनीय रीडिंग रूम, स्टैक एरिया, पाठकों के लिए आरामदायक फर्नीचर, भंडारण उपकरण, सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) सक्षम सेवाओं, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के साथ एक अच्छा माहौल विकसित करना है ताकि इसे भारत में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक पुस्तकालयों में से एक बनाया जा सके। पुस्तकालय सभी के लिए वाई-फाई सुविधाओं के साथ पूरी तरह से वातानुकूलित है। इसमें उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंचने के लिए समर्पित सिस्टम हैं। सभी छात्र, शोध छात्र, शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारी पुस्तकालय की सदस्यता के पात्र हैं।

## पुस्तकालय संसाधन

पुस्तकालय दैनिक आधार पर अपने संग्रह का उत्तरोत्तर विस्तार कर रहा है, संस्थान के शिक्षण, सीखने और अनुसंधान आवश्यकताओं के साथ संरेखित संसाधनों को प्राप्त और सदस्यता ले रहा है। यह विभिन्न वितरण चैनलों के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को सावधानीपूर्वक चुनने, प्राप्त करने, सदस्यता लेने, व्यवस्थित करने और वितरित करके सूचना संसाधनों की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करता है। वर्तमान में पुस्तकालय ने अपने संसाधनों को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया है।

अ. प्रिंट संसाधन	प्रिंट संसाधन में प्रिंट पुस्तकों, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों आदि प्रदान करते हैं।	
संग्रह	श्रेणी	वॉल्यूम की संख्या
किताबें	पुस्तकें	2804
	उपहार में मिली पुस्तकें	157
	पाठ्यपुस्तकें	149
	संदर्भ पुस्तकें	352
कुल प्रिंट पुस्तक संकलन		3462
समाचार पत्र	द हिंदू	01
	ईनाडु (तेलुगु)	01
	रोजगार समाचार पत्र	01
	वैज्ञाणिक औद्योगिक स्कैन (प्रिंट और ऑनलाइन)	02
प्रिंट जर्नल्स	डी.ई.डब्ल्यू. जर्नल	01

## ब. ऑनलाइन संसाधन

ऑनलाइन संसाधन ऑनलाइन जर्नल, डेटाबेस और अन्य संसाधनों को कवर करते हैं। पुस्तकालय शिक्षा जगत के लिए कई ई-संसाधनों की सदस्यता लेता है। सब्सक्राइब्ड संसाधन इस प्रकार हैं

प्रकाशक	सब्सक्राइब्ड संसाधन	विवरण
अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एएसएमई)	33 एएसएमई जर्नल (ईएसएस पैकेज)	अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स दुनिया भर में बहु-विषयक इंजीनियरिंग और संबद्ध विज्ञान की कला, विज्ञान और अभ्यास को बढ़ावा देती है।
अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस)	सभी जर्नल	एसीएस रासायनिक और संबद्ध विषयों में अग्रणी प्रकाशकों में से एक है। संस्थान पुस्तकालय इस पैकेज के तहत कवर किए गए सभी 49 जर्नलों की सदस्यता लेता है।
एल्सेवियर (साइंस डायरेक्ट)	1. रासायनिक अभियांत्रिकी 2. इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी 3. पृथ्वी और ग्रह विज्ञान 4. ऊर्जा	1995 के बाद से 579+ पत्रिकाओं तक पहुंच।
आई.ई.ई.ई. एक्सप्लोर	ए.एस.पी.पी. और पी. ओ. पी. सभी	आई.ई.ई.ई. पत्रिकाओं और कार्यवाही की पहुँच
ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस	चयनित जर्नल	चयनित आईएमए जर्नल।
रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी)	आरएससी जर्नल्स	आर. एस. सी. पेशेवर रासायनिक शिक्षकों और शिक्षाविदों की एक पेशेवर संस्था है। यह 51 पूर्ण पाठ के साथ अभिलेखागार को छोड़कर आरएससी गोल्ड 2018 तक पहुंच प्रदान करता है।
सोसाइटी फॉर पेट्रोलियम इंजीनियर्स (एस.पी.ई.)	वन-पेट्रो - अकादमिक असीमित पहुँच	वन-पेट्रो 20 प्रकाशन भागीदारों के योगदान के साथ तेल और गैस की खोज और उत्पादन (ई एंड पी) उद्योग के लिए तकनीकी साहित्य का एक ऑनलाइन पुस्तकालय है।
सोसाइटी फॉर इंडस्ट्रियल एंड एप्लाइड माथेमैटिक (सियाम)	17 सियाम ई-जर्नल्स (ई-एसएस स्वीकृत पैकेज)	SIAM सदस्यता गतिविधियों, पत्रिकाओं और पुस्तकों के प्रकाशन और सम्मेलनों के माध्यम से गणित और अन्य वैज्ञानिक और तकनीकी समुदायों के बीच सबसे मजबूत बातचीत सुनिश्चित करता है।
विले	16 पत्रिकाएँ (चयनित)	चयनित (2021&2022)
मेडप्लान कंज़र्वेटरी सोसायटी	हेरिटेज अमृत (ऑनलाइन)	स्वास्थ्य एवं कल्याण द्वैमासिक पत्रिका

## स. डेटाबेस

डेटाबेस समीक्षा साहित्य के स्रोत, सार, पूर्ण पाठ, संबंधित लिंक वाले उद्धरण और सूचना प्लेटफार्म हैं

प्रकाशक	सब्सक्राइब्ड संसाधन	विवरण
एल्सेवियर	स्कोपस	एक व्यापक, बहु-विषयक, विश्वसनीय एबस्ट्रैक्ट और साइटेशन डेटाबेस
ए.एम.एस	मैथसाइनेट	मैथसाइनेट एक खोजने योग्य ऑनलाइन ग्रंथ सूची डेटाबेस है जिसमें व्यापक लेखक डेटाबेस, लिंक आदि के साथ 1940 से मैथेमैटिका रिव्यू (एमआर) पत्रिका की सभी सामग्री शामिल है।

इन्फार्मेटिक्स	जे-गेट	जे-गेट डेटा प्रकार के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी।
प्रेसरीडर	प्रेसरीडर (अखबारों और पत्रिकाएं)	डिजिटल समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के लिए मंच। इसमें 60 से अधिक भाषाओं में 7000 से अधिक समाचार पत्र और पत्रिकाएँ शामिल हैं। इसमें विभिन्न भारतीय भाषाओं के समाचार पत्र और पत्रिकाएँ भी शामिल हैं।

## द. बैकफाइल्स (जर्नल आर्काइव्स)

जर्नल की बैकफाइल्स में खंड 1 से प्रकाशित शोध लेख शामिल हैं। अंक 1 से 1994 तक।

प्रकाशक	सब्सक्राइब्ड संसाधन	विवरण
एल्सेवियर	<ul style="list-style-type: none"> <li>• केमिकल इंजीनियरिंग</li> <li>• रसायन विज्ञान (अकार्बनिक, कार्बनिक और भौतिक और विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान।</li> <li>• इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी</li> <li>• पृथ्वी एवं ग्रह विज्ञान</li> <li>• ऊर्जा एवं विद्युत पर्यावरण विज्ञान</li> </ul>	खंड 1 और अंक 1 से 1994 तक तक 547 पत्रिकाओं का एक्सेस।

## ध. ई-पुस्तकें

संस्थान का पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं के अनुसार दिन-प्रतिदिन अपना ई-पुस्तक संग्रह विकसित कर रहा है। वर्तमान में संस्थान के पुस्तकालय में एल्सेवियर और टेलर और फ्रांसिस की चुनिंदा आधार ई-पुस्तकें उपलब्ध हैं।

- अ) टेलर और फ्रांसिस ई-पुस्तकें
- ब) एल्सेवियर ई-बुक्स

## न. अनुसंधान सहायता उपकरण

अ) टर्निटिन फीडबैक स्टूडियो	समानता जाँच उपकरण
ब) ड्रिलबिट	साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर
स) ग्रामर्ली	वर्तनी जाँच उपकरण (डीन कार्यालय)

## पुस्तकालय सेवाएँ और सुविधाएँ

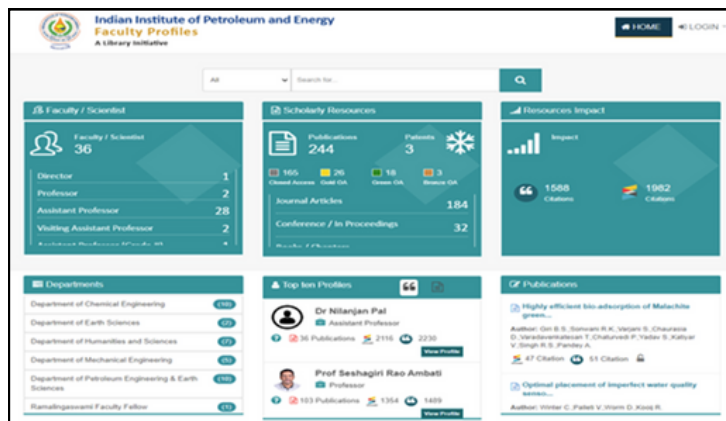
संस्थान का पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार कर रहा है। पुस्तकालय द्वारा निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं:

- इंटरनेट ब्राउजिंग
- वाई-फ़ाई कनेक्टिविटी
- ऑनलाइन विलंब शुल्क संग्रहण
- संदर्भ सेवाएँ
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- समाचार जागरूकता और समाचार पत्र क्लिपिंग सेवा
- अंतर पुस्तकालय ऋण (दस्तावेज़ वितरण सेवा)
- फोटोकॉपी (भुगतान सेवा)
- सामग्री प्रबंधन सेवा
- सूचना सेवा
- वेब ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (वेब- ओपेक)
- 24\*7 सदस्यता प्राप्त संसाधनों के लिए दूरस्थ पहुँच
- इंटर लाइब्रेरी लोन: संस्थान लाइब्रेरी डेलनेट (विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क) का संस्थागत सदस्य है। पुस्तकालय आई.आई.एल. के माध्यम से पुस्तकें, लेख और अन्य शिक्षण और अनुसंधान दस्तावेज़ पाठकवर्ण को प्रदान करता है यदि वह दस्तावेज़ पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है।



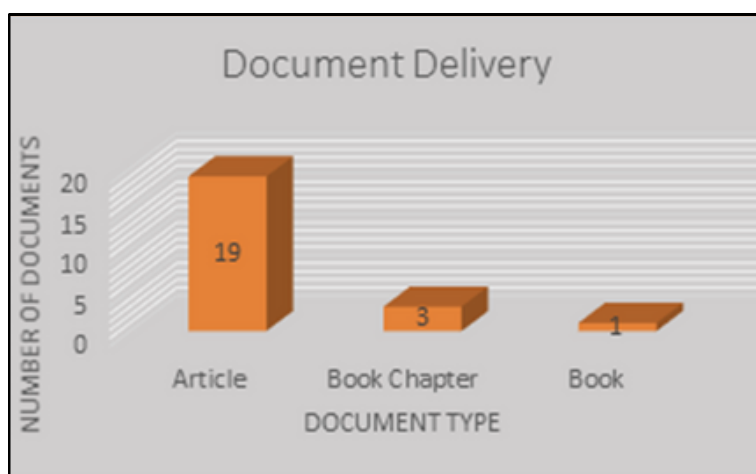
**फैकल्टी प्रोफाइलिंग सिस्टम:** भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क - (आईआरआईएनएस) संकायों की एक प्रोफाइलिंग प्रणाली है। इसमें संकाय प्रकाशन, उनकी परियोजनाएं, पीएचडी आदि शामिल हैं। सभी संकाय सदस्यों की प्रोफाइल IRINS में बनाई गई है।

**दस्तावेज़ वितरण सेवाएँ (डीडीएस):** दस्तावेज़ वितरण सेवा इंटर लाइब्रेरी लोन (ILL) के माध्यम से प्रदान की जाती है। संस्थान का पुस्तकालय DELNET (डेलवर्पिंग लाइब्रेरी नेटवर्क) का संस्थागत सदस्य है और ILL के लिए अन्य प्रमुख पुस्तकालयों के साथ सहयोग करता है। पुस्तकालय डीडीएस के माध्यम से किताबें, लेख और अन्य शिक्षण और अनुसंधान दस्तावेज़ उपलब्ध कराता है यदि यह उसके पास उपलब्ध नहीं है।



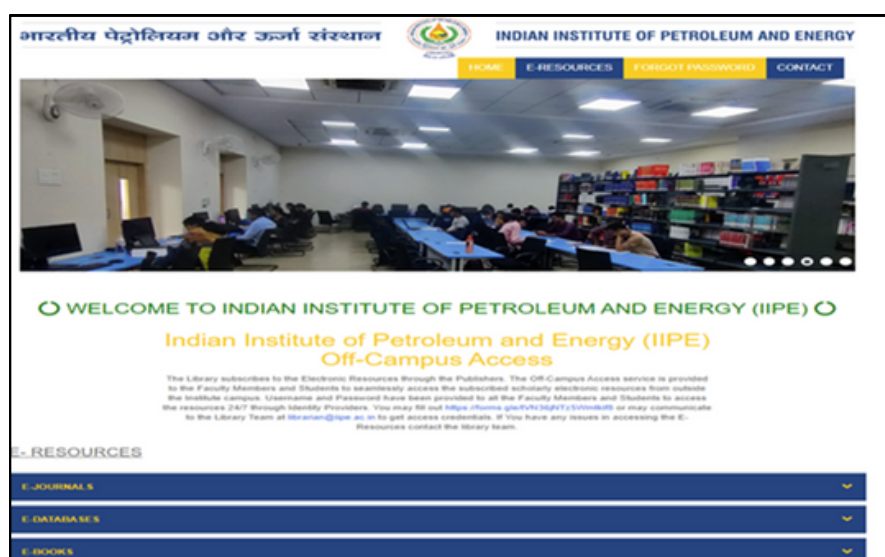
चित्र: IRINS- संकाय प्रोफाइलिंग

दस्तावेज़ प्रकार	कुल गिनती
आर्टिकल	19
बुक चैप्टर	3
बुक	1
कुल	23



चित्र: दस्तावेज़ वितरण सेवाएँ

**ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच:** INFLIBNET केंद्र, गांधीनगर गुजरात के सहयोग से संस्थान का पुस्तकालय वीपीएन और शिब्लोलेथ प्रमाणीकरण-आधारित पहुंच का उपयोग करके सब्सक्राइब किए गए संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान करता है। इस सेवा के तहत उपयोगकर्ता कहीं भी, किसी भी डिवाइस से लाइब्रेरी संसाधनों तक 24\*7 पहुंच सकता है। जोड़ना। लिंक: <https://idp.iipe.ac.in/>



चित्र: रिमोट एक्सेस (आईडीपी) पृष्ठ

## कोहा आईएलएमएस:

कोहा एक खुला एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर है जिसका उपयोग पुस्तकालय में उपयोगकर्ता प्रोफाइल और लेनदेन विवरण के साथ पुस्तकालय प्रिंट संसाधनों के रिकॉर्ड को बनाए रखने के लिए किया जाता है। पुस्तकालय उपयोगकर्ता पुस्तकालय में दस्तावेजों की उपलब्धता की जांच करने के लिए ओपीएसी का उपयोग कर सकते हैं। वे अपने संबंधित खातों की भी जांच कर सकते हैं।



## लाइब्रेरी आउटरीच गतिविधियाँ

चित्र: लाइब्रेरी वेब ओपेक

संस्थान का पुस्तकालय स्वयं और प्रमुख प्रकाशकों के सहयोग से नियमित आधार पर कई आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करता है। वर्ष 2023-2024 में पुस्तकालय ने आईआईपीई संरक्षकों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए:

**अ) लाइब्रेरी ओरिएंटेशन:** लाइब्रेरी फैकल्टी और छात्रों के लिए नियमित आधार पर यूजर ओरिएंटेशन का आयोजन करती है: लाइब्रेरी ने 28 अगस्त 2023 को 2023-2024 बैच बी.टेक. प्रथम वर्ष छात्रों के लिए यूजर ओरिएंटेशन का आयोजन किया।

**ब). उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम:** लाइब्रेरी ने टर्निटिन के सहयोग से 8 सितंबर, 2023 को टर्निटिन फीडबैक स्टूडियो पर ऑनलाइन उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया है।

**स) पुस्तक प्रदर्शनी:** दूसरी वार्षिक पुस्तक प्रदर्शनी 4-5 मार्च 2024 को आयोजित की गई थी। पुस्तकालय में पंजीकृत विक्रेताओं ने विभिन्न विषयों की पुस्तकें प्रदर्शित की।

## द). राष्ट्रीय सम्मेलन:

संस्थान पुस्तकालय ने 24-25 जनवरी 2024 के दौरान "साक्ष्य आधारित पुस्तकालय परिवर्तन: नेक्स्टजेन उपयोगकर्ताओं के लिए गुणवत्ता सेवाएं (ईबीएलटी-2024)" पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया है। भारत के विभिन्न हिस्सों से 70 से अधिक प्रतिभागियों ने सम्मेलन में भाग लिया और अपने मूल शोध पत्र प्रस्तुत किए।



## राष्ट्रीय सम्मेलन - ईबीएलटी-2024

सम्मेलन का एक अकादमिक परिणाम डॉ. जितेंद्र कुमार, उप पुस्तकालयाध्यक्ष के संपादन में सम्मेलन की कार्यवाही के रूप में प्रकाशित किया गया था।

## पुस्तक परिचालन

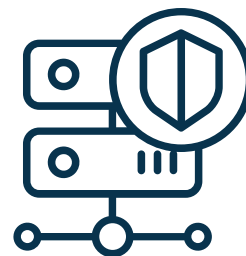
पुस्तकालय लेनदेन (पुस्तक परिचालन): इंस्टीट्यूट लाइब्रेरी ने ओपन-सोर्स इंटीग्रेटेड लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर "कोहा" का उपयोग करके अपनी सभी लाइब्रेरी इन-हाउस गतिविधियों के लिए स्वचालन लागू किया है। लाइब्रेरी टीम सॉफ्टवेयर के नियमित रखरखाव और वार्षिक अपडेट की ज़िम्मेदारी लेती है और यह सुनिश्चित करती है कि यह नवीनतम स्थिर संस्करण के साथ अपडेट रहे। सिस्टम में ऑनलाइन सार्वजनिक एक्सेस कैटलॉग (वेब ओपेक) का एक वेब-आधारित संस्करण शामिल है जो <https://opac.iipe.ac.in> पर एक्सेस किया जा सकता है। इस इंटरफ़ेस के माध्यम से, उपयोगकर्ता पुस्तकों की खोज कर सकते हैं, पुस्तकालय से ली गयी पुस्तकों की समीक्षा कर सकते हैं, ऋण अवधि बढ़ा सकते हैं और पुस्तकें रिज़र्व कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, सॉफ्टवेयर स्वचालित रूप से उपयोगकर्ताओं के लिए लेनदेन सूचनाएं उत्पन्न करता है, जिसमें अतिदेय अनुस्मारक और आगामी पुस्तक देय तिथियां शामिल होती हैं। लाइब्रेरी कैटलॉग या वेब ओपेक को <https://opac.iipe.ac.in> पर भी एक्सेस किया जा सकता है। कोहा से प्राप्त 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक की अवधि के पुस्तकालय के लेन-देन के आँकड़े नीचे प्रस्तुत किए गए हैं।

लेनदेन प्रकार	कुल गिनती	प्रतिशत
चेकआउट (मुद्रा)	1631	49.37%
चेकइन (वापसी)	1609	48.70%
नवीकरण	17	0.51%
वचनालय	47	1.42%
कुल	3304	100%



पुस्तकालय वाचनालय और पुस्तक भंडार क्षेत्र

## कंप्यूटर सेंटर



संस्थान का कंप्यूटर सेंटर एक वितरित सेटअप में हाई-स्पीड गीगाबिट ऑप्टिकल फाइबर/यूटीपी नेटवर्क के माध्यम से जुड़े अत्याधुनिक सर्वरों का दावा करता है और संस्थान के नेटवर्क को बाहरी साइबर खतरों से बचाने के लिए एक मजबूत नेटवर्क फ़ायरवॉल सेटअप प्रदान करता है। पिछले वर्ष में, आईटी प्रभाग ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इनमें संस्थान की वेबसाइट और विभिन्न वेब पोर्टलों का विकास और रखरखाव शामिल है, जिससे वेब स्पेस में संस्थान और इसकी गतिविधियों की दृश्यता बढ़ी है।

24/7 हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी) सुविधा का रखरखाव किया जा रहा है, जो छात्रों, शिक्षकों और अनुसंधान विद्वानों के लिए परिसर और दूर से संसाधन प्रदान करता है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) के सहयोग से, संस्थान ने 100 एमबीपीएस इंटरनेट कनेक्शन हासिल कर लिया है, जो संस्थान के सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए आईटी संसाधनों की निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त 100 एमबीपीएस बीएसएनएल इंटरनेट लीज्ड लाइन द्वारा समर्थित है।

आईटी टीम ने केंद्रीय रूप से नियंत्रित सर्वर के साथ वाई-फाई एक्सेस पॉइंट स्थापित करके संकाय, छात्रों और कर्मचारियों के लिए पूरे परिसर में वाई-फाई और लैन पहुंच को सफलतापूर्वक बढ़ाया है और विभिन्न शैक्षणिक पहुंच के लिए दो अत्याधुनिक ई-कक्षाओं, वीडियो सामग्री का रखरखाव कर रही है। आईआईपीई 'सिस्को वेबएक्स' के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग क्षमताएं प्रदान करता है, जो ऑनलाइन मीटिंग और वर्चुअल कक्षाओं की सुविधा प्रदान करता है। संस्थान में इंटरैक्टिव शिक्षण अनुभवों को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रोजेक्टर और ऑडियो सेटअप वाले डिजिटल क्लासरूम भी हैं। एक समय में 60 छात्रों को समायोजित करने वाली कंप्यूटर लैब का उपयोग मुख्य रूप से उन प्रैक्टिकल/कार्यशालाओं के संचालन के लिए किया जाता है जिनके लिए कंप्यूटिंग सुविधाओं की आवश्यकता होती है; यह आवश्यक शैक्षणिक सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है और वीपीएन के माध्यम से चौबीसों घंटे उपलब्ध है।

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संस्थान के परिसर में सीसीटीवी निगरानी सहित व्यापक सुरक्षा उपाय किए गए हैं। इसके अलावा, छात्रावासों में बायोमेट्रिक सिस्टम उपलब्ध हैं। आईआईपीई समुदाय के प्रत्येक सदस्य को परिसर के भीतर और बाहर निर्बाध संचार के लिए एक समर्पित ईमेल आईडी प्रदान की जाती है। बढ़े हुए आईटी बुनियादी ढांचे को समायोजित करने के लिए नेटवर्क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, आईटी डिवीजन ने अधिक लाइसेंस के साथ नए एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर खरीदे हैं, जिसके कारण अब हर आईटी बुनियादी ढांचे और आईटी डिवाइस को वायरस, मैलवेयर या फिरौती के हमलों से सुरक्षित किया जा गया है। आईटी प्रभाग संस्थान की डिजिटल संपत्तियों एवं संवेदनशील डेटा की सुरक्षा करता है और शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करता है। आईआईपीई की सार्वजनिक वेबसाइटें उद्योग-मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल से सुरक्षित हैं। आईटी टीम सभी संस्थान सदस्यों को साल भर नेटवर्क और हार्डवेयर सहायता प्रदान करती है, जिसमें संस्थागत संसाधनों के दूरस्थ उपयोग के लिए वीपीएन एक्सेस उपलब्ध है।

प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, कक्षाओं, फैकल्टी कार्यालयों और कर्मचारी कार्यालयों में वायर्ड/वायरलेस इंटरनेट और इंट्रानेट कनेक्टिविटी दी गयी है। सभी फैकल्टी सदस्यों और छात्रों के पास संस्थान के ईआरपी तक पहुंच है जो ग्रेडिंग, शिक्षाविदों, प्रवेश और सेमेस्टर शुल्क भुगतान सहित छात्रों के विभिन्न पहलुओं का प्रबंधन करता है। आईटी टीम ने आईआईपीई के पीएचडी, एमएससी और बीटेक प्रवेश में ईआरपी अनुप्रयोगों और निरंतर समर्थन का प्रबंधन करके सफलतापूर्वक आईटी सेवाएं प्रदान करता है।





प्रशासनिक गतिविधियों को ऑनलाइन प्रबंधित करने के लिए नवीनतम तकनीकों के साथ एक नया इन-हाउस ईआरपी सिस्टम आईटी सॉफ्टवेयर टीम द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। ऑनलाइन अवकाश प्रबंधन प्रणाली सफलतापूर्वक विकसित की गई है, जिसने ऑनलाइन सॉफ्टवेयर प्रणाली के माध्यम से अवकाश आवेदनों, अवकाश अनुमोदनों और अवकाश संतुलन प्रबंधन को पूरी तरह से स्वचालित करके आईआईपीई कर्मचारियों और फैकल्टी की छुट्टियों के प्रबंधन के लिए जनशक्ति और समय पर निर्भरता को कम कर दिया है। आईटी सॉफ्टवेयर टीम ब्रॉडबैंड बिल, दावा प्रक्रिया, बच्चों की शिक्षा भत्ता प्रक्रिया, और बैठक प्रक्रिया के कार्यवृत्त की मंजूरी की ऑफ़लाइन गतिविधियों को ऑनलाइन लाने के लिए तीन और मॉड्यूल विकसित करने पर सक्रिय रूप से काम कर रही है जिससे कर्मचारियों की जनशक्ति और समय पर निर्भरता कम होती है।

Admin-ERP  
HOME  
Login

Enter Details To Login

Username

Password

Login

Forgot Password?

Please use Chrome Browser for browsing this portal.

Leave Information

- A half-day leave is classified as a half-day under Casual Leaves and as a full-day leave under other leave types.
- If a Commuted leave is taken, twice the number of days availed shall be debited from the Half pay leave count.
- While applying a Commuted leave, attaching required documents is mandatory. Please download [Medical & Fitness Certificate](#).

☒ Apply Leave
☐ LeaveHistory

☒ Approval for Leaves
☐ Approvals for LeaveJoining Form

☒ Delegations
☐ Holidays
☐ Leave Balance History

Leave Type \*

Casual Leave

Are you going for an Official Tour? \*

☐ Yes
☒ No

## शैक्षणिक/अनुसंधान सॉफ्टवेयर

MATLAB, CMG, AspenTech, ANSYS, SOLIDWORKS, COMSOL, Origin Pro और प्रासंगिक ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर सहित अकादमिक से लेकर अनुसंधान-केंद्रित सॉफ्टवेयर की एक विस्तृत श्रृंखला IPE समुदाय के लिए 24/7 उपलब्ध है।

अपनी डिजिटल क्षमताओं को लगातार उन्नत और विस्तारित करके, आईआईपीई अपने दूरदर्शी दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है, जो छात्रों को भविष्य के तकनीकी रूप से उन्नत उद्योगों के लिए तैयार करता है। डिजिटल उत्कृष्टता के लिए यह बहुआयामी दृष्टिकोण न केवल वर्तमान शैक्षणिक अनुभव को बढ़ाता है बल्कि आईआईपीई को पेट्रोलियम और ऊर्जा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी-संचालित शिक्षा में सबसे आगे रखता इन पहलों के माध्यम से संस्थान एक गतिशील, सुरक्षित और नवीन डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाता है जो अपने समुदाय को तेजी से परस्पर जुड़ी दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाता है।





# प्लेसमेंट

कैरियर विकास सेल (सीडीसी) छात्रों और संभावित नियोक्ताओं के बीच एक सुविधा और बातचीत चैनल के रूप में कार्य करता है। यह प्लेसमेंट और इंटरनशिप गतिविधियां दोनों के प्रबंधन के लिए एक मंच प्रदान करता है। प्लेसमेंट प्रक्रिया सीडीसी के साथ शुरू होती है जो विभिन्न उद्योगों और अनुसंधान संस्थानों के साथ औपचारिक चर्चा में संलग्न होती है ताकि उन्हें निर्दिष्ट प्लेसमेंट सीजन के दौरान छात्रों की भर्ती के लिए परिसर में आमंत्रित किया जा सके। उद्योग और अनुसंधान संगठन अपनी आवश्यकताओं, मुआवजे, नौकरी पोस्टिंग, विशेषज्ञता की विशिष्ट शाखाओं आदि का विवरण साझा करते हैं। यह जानकारी तब छात्र निकाय के साथ साझा की जाती है।

## सेल के प्रमुख कार्य

- सभी विभागों के अंतिम और पूर्व-अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए इंटरनशिप और कैम्पस भर्ती के सभी पहलुओं को सुविधाजनक बनाना।
- नियोक्ताओं को सर्वोत्तम संभव सहायता प्रदान करें।
- नियोक्ताओं के आतिथ्य और स्थानीय परिवहन की सुविधा दे।
- छात्रों के लिए कैरियर परामर्श और तैयारी परीक्षणों की व्यवस्था करना।

## मुख्य विशेषताएं

2024 बैच प्लेसमेंट और 2025 बैच इंटरनशिप के मुख्य आकर्षण में शामिल हैं

- कंपनी की आमद: 35 अग्रणी कंपनियाँ।
- असाधारण पेशकश: 60 अतुल्य प्लेसमेंट ऑफर का अनावरण।
- सफल प्लेसमेंट: 97.87% स्नातक बैच प्लेसमेंट में बढ़ोतरी।
- टॉप-टियर सफलता: 20.71 एलपीए उच्चतम सीटीसी।
- सार्वजनिक क्षेत्र इकाई: 09
- विश्लेषणात्मक सफलता: प्रभावशाली 89% छात्रों ने प्रमुख कंपनियों में स्थान हासिल किया।
- विश्लेषणात्मक विजय: 11% को एनालिटिक्स और कंसल्टिंग फर्मों में सफलता मिली।
- भविष्य की खोज: 18.9% स्नातकों ने उच्च शिक्षा का रास्ता चुना।
- औद्योगिक विसर्जन: नए पीएसयू और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करके और छात्रों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करके त्रुटिहीन 100% औद्योगिक इंटरनशिप दर सुरक्षित की गई।

## 2024 बैच के लिए पूर्णकालिक भर्ती के लिए आईआईपीई विशाखापत्तनम का दौरा करने वाली कंपनियों की सूची

- |                  |                          |                            |                           |
|------------------|--------------------------|----------------------------|---------------------------|
| • एचपीसीएल       | • टेक्निप एनर्जीस        | • ग्रीन फ्यूल्स            | • आईआरएम एनर्जी           |
| • आईओसीएल        | • सुरवीरा एनर्जी         | • जारो                     | • एल एंड टी हाइड्रोकार्बन |
| • एचएमईएल        | • रिलायंस बी.पी          | • विप्रो ऑयल एंड गैस       | • एल्गो ऐआई               |
| • हैलीबर्टन      | • डेक्कन फाइन केमिकल्स   | • क्वांटिफी एनालिटिक्स     | • कैलीचे                  |
| • टीसीएस         | • एचएलएस एशिया           | • टोटल एनर्जीज़            | • क्वेस्ट ग्लोबल          |
| • हिनकोल         | • इंडिया सीमेंट्स        | • वर्ली                    | • लिंडे                   |
| • जय केमिकल्स    | • मोडोर इंटेलेजेंस       | • पेट्रोफैक                | • टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स  |
| • जिंदल ड्रिलिंग | • आर्गस मीडिया कंसल्टिंग | • एल एंड टी                | • टेलेस्टो                |
| • फ्लिपकार्ट     |                          | • इंडियन आयल               | • एचपीसीएल                |
|                  |                          | अडानी गैस प्राइवेट लिमिटेड | राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड |

नियोजित छात्रों की संख्या	ऑफर की संख्या	उच्चतम सीटीसी
97.87%	60	20.71 LPA



HALLIBURTON



## 2024 बैच के लिए कार्यक्रम-वार प्लेसमेंट सांख्यिकी

कार्यक्रम	प्लेसमेंट के लिए पंजीकृत छात्रों की संख्या	नियोजित छात्रों की संख्या	प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों का प्रतिशत
बी.टेक. रसायन अभियांत्रिकी	26	26	100
बी.टेक. पेट्रोलियम अभियांत्रिकी	21	20	95.23
<b>कुल</b>	<b>47</b>	<b>46</b>	<b>97.87</b>

दौरा करने वाले उपक्रमों का नाम	शाखावार चयनित विद्यार्थियों की संख्या
एचपीसीएल	2
आईओसीएल	3
एचआरआरएल	4
<b>कुल पीएसयू चयन</b>	<b>09</b>

### यूजी इंटर्नशिप

क्र.सं	कंपनी का नाम	जगह	छात्रों की संख्या
<b>बी.टेक. पेट्रोलियम अभियांत्रिकी</b>			
1.	ओएनजीसी आईआरएस	अहमदाबाद	4
2.	डीजीएच	भुवनेश्वर	4
3.	एचएलएस एशिया	गांधीनगर	1
<b>बी.टेक. रसायन अभियांत्रिकी</b>			
4.	रिलायंस	जामनगर	1
5.	ग्रासिम केमिकल्स	रेनूकूट	1
6.	एचपीसीएल	विशाखापत्तनम	10
7.	आंध्र शुगर्स	टनुकु	1
8.	इफको	फूलपुर, यूपी	1
9.	गेल	गुना	4
10.	आईओसीएल	वडोदरा	5
11.	गेल	विशाखापत्तनम	3
<b>कुल छात्र</b>			<b>35</b>

## पीजी इंटरनशिप (एम.एससी. - एप्लाइड जियोलॉजी)

क्र.सं	कंपनी का नाम	जगह	छात्रों की संख्या
1.	हैलीबर्टन	बैंगलोर	1
2.	इंडिया सीमेंट्स	हैदराबाद	4
3.	ऑयल इंडिया	असम	3
4.	ओएनजीसी आईआरएस	अहमदाबाद	2
5.	ओएनजीसी	अहमदाबाद	5
6.	जीएमडीसी	गढ़सीना	5*
कुल छात्र			15

\*दूसरी इंटरनशिप: 2024 की गर्मियों के दौरान 15 दिन

## स्नातक बैच के लिए प्लेसमेंट प्रयास

### प्रशिक्षण

सीडीसी द्वारा प्रदान किए गए प्लेसमेंट और प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, छात्रों को बायोडाटा निर्माण, समूह गतिविधि निर्माण, समूह चर्चा और मॉक साक्षात्कार पर सॉफ्ट कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए गए। सभी पंजीकृत छात्रों को अंकगणित तार्किक तर्क और अन्य योग्यता-आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया गया।



सभी पंजीकृत छात्रों के लिए मॉक साक्षात्कार आयोजित करने के लिए पेट्रोलियम और रिफाइनरियों के दो डोमेन विशेषज्ञों को शामिल किया गया था और छात्रों को उनकी बहुमूल्य प्रतिक्रिया प्रदान की गई। सभी शाखाओं और कंपनियों के लिए साक्षात्कार प्रश्नावली प्रदान करने वाला एक प्रश्न बैंक भी तैयार किया गया और सभी छात्रों को वितरित किया गया। छात्रों को उनके प्रदर्शन के आधार पर लगातार प्रेरित और परामर्श दिया गया और प्रत्येक छात्र की वृद्धि और विकास की निगरानी रखी जाती है।

## समझौता ज्ञापन (एमओयू)

संस्थान ने निम्नलिखित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं:

### ह्यूस्टन विश्वविद्यालय

15 जनवरी 2024 को ह्यूस्टन विश्वविद्यालय और संस्थान के बीच एक शैक्षणिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ह्यूस्टन प्रतिनिधिमंडल में चांसलर एवं अध्यक्ष डॉ. रेनू खटोर के नेतृत्व में प्रोफेसर रामानन कृष्णमूर्ति, उपाध्यक्ष (ऊर्जा और नवाचार) और डॉ. सुरेश खटोर, एसोसिएट डीन (स्नातक और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम) के साथ हस्ताक्षर के लिए आईआईपीई का दौरा किया।



कार्यक्रम में श्री पंकज जैन, सचिव एमओपीएनजी, भारत सरकार और श्री. एस भरतन, निदेशक (रिफाइनरीज), एचपीसीएल की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य संयुक्त अनुसंधान पहल के माध्यम से वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान को बढ़ाना और दोनों संस्थानों के छात्रों को गतिशील ऊर्जा उद्योग में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता से तैयार करना है। दोनों संस्थान क्षेत्रीय समझ में योगदान देने और शैक्षणिक कार्यक्रमों में आपसी सहयोग को बढ़ावा देने पर सहमति हुई जिसका लक्ष्य संकाय और छात्रों दोनों के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव को समृद्ध करना है।



### शरीफ प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसयूटी):



आईआईपीई ने शैक्षणिक और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए एसयूटी तेहरान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एमओयू छात्र आदान-प्रदान, संकाय आदान-प्रदान, अनुसंधान सहयोग, कार्यशालाओं, सम्मेलनों आदि की खोज में सहायता प्रदान करेगा।







## शैक्षणिक प्रकाशन

### पुस्तकें

1. **H. Sharon** and K S Reddy. Solar thermal desalination technologies for potable water (Exploring viable options for reliable and sustainable water production). ANE Books Pvt. Ltd., 2023, Delhi, India (South Asian Version)
2. **H. Sharon** and K S Reddy. Solar thermal desalination technologies for potable water (Exploring viable options for reliable and sustainable water production). Springer International Publishing AG, 2024, USA. (International Version).
3. **Kumar, J.**, Shettar, I.M. and Sharma, A.K.(ed.) (2024). Evidence-based library transformations: quality services for nextgen users. Creative Books. ISBN : 9788195409570 (Print) and 980196840679 (e-Book).

### पुस्तक अध्याय

1. Sarma, S., Pandey, G., Borah, U. B., Molokitina, N., & **Chauhan, G.** (2024). Emerging technologies for sustainable energy applications. In Clean and renewable energy production. <https://doi.org/10.1002/9781394174805>
2. Sarma, S., Pandey, G., Borah, U. B., Molokitina, N., & **Chauhan, G.** (2024). Affordable and clean energy: Natural gas hydrates and hydrogen storage. In Clean and renewable energy production. <https://doi.org/10.1002/9781394174805>

### पत्रिका लेख

### रसायन अभियांत्रिकी विभाग

1. Jaiswal, V. K., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2024). Simultaneous removal of p-cresol and methylene blue dye through upward-flow packed bed biofilm reactor (UFPBBR): Kinetics, phytotoxicity and bacterial toxicity assessment. Journal of Water Process Engineering, 58, 104868.
2. Tripathi, P., Tiwari, S., Tiwari, H., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2023). Techno-economic assessment of coupling ozonation and biodegradation process for the dye wastewater treatment. Journal of Water Process Engineering, 56, 104286.

3. Tiwari, H., Tripathi, P., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2023). A synergistic approach combining adsorption and biodegradation for effective treatment of Acid Blue 113 dye by *Klebsiella grimontii* entrapped in graphene oxide-calcium alginate hydrogel beads. *Bioresource Technology*, 387, 129614.
4. **Sonwani, R. K.**, Patel, D., Singh, A., Singh, R. S., & Rai, B. N. (2023). Intensified biodegradation of Congo red dye by mixed culture in a sequential bioreactor: Kinetics and phytotoxicity studies. *Indian Journal of Experimental Biology*, 61(10), 739–745.
5. Jaiswal, V. K., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2023). Assessment of enhanced p-cresol biodegradation by encapsulating pre-immobilised *Serratia marcescens* strain HL 1 on tea waste biochar into polyvinyl alcohol/sodium alginate matrix. *Biochemical Engineering Journal*, 199, 109046.
6. Jaiswal, V. K., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2023). Construction and performance assessment of recirculating packed bed biofilm reactor (RPBBR) for effective biodegradation of p-cresol from wastewater. *Bioresource Technology*, 384, 129372.
7. Tripathi, P., Tiwari, S., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2023). Assessment of biodegradation kinetics and mass transfer aspects in attached growth bioreactor for effective treatment of brilliant green dye from wastewater. *Bioresource Technology*, 381, 129111.
8. **Sonwani, R. K.** (2023). Current perspectives of Anammox-denitrification technology and its application in industrial wastewater treatment. In *Anammox Technology in Industrial Wastewater Treatment* (pp. 91-100).
9. Jaiswal, V. K., Maurya, K. L., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2023). Biodegradation of p-cresol by *Serratia marcescens* strain HL 1 in batch system: Process optimization, growth kinetic study, phytotoxicity and chlorophyll assessment. *Bioresource Technology Reports*, 22, 101426.
10. Sridevi, V., Surya, D. V., Reddy, B. R., Shah, M., Gautam, R., **Kumar, T. H.**, Puppala, H., Pritam, K. S., & Basak, T. (2024). Challenges and opportunities in the production of sustainable hydrogen from lignocellulosic biomass using microwave-assisted pyrolysis: A review. *International Journal of Hydrogen Energy*, 52, 507–531.
11. Kuruvinashetti, K., **Tanneru, H. K.**, Pakkiriswami, S., & Packirisamy, M. (2023). Optical interactions in bio-electricity generation from photosynthesis in microfluidic micro-photosynthetic power cells. *Energies*, 16(21), 7353.
12. Dadi, V. S., Veluru, S., **Tanneru, H. K.**, Reddy, B. R., Potnuri, R., Kulkarni, A., Mishra, G., & Basak, T. (2023). Recent advancements of CFD and heat transfer studies in pyrolysis: A review. *Journal of Analytical and Applied Pyrolysis*, 175, 106163.
13. Kachhadiya, K., Patel, D., Vijaybhai, G. J., Raghuvanshi, P., Surya, D. V., Dharaskar, S., Kumar, G. P., Reddy, B. R., Remya, N., **Tanneru, H. K.**, & Basak, T. (2023). Conversion of waste polystyrene into valuable aromatic hydrocarbons via microwave-assisted pyrolysis. *Environmental Science and Pollution Research*, 1–4.
14. Kulkarni, A., Mishra, G., **Palla, S.**, Potnuri, R., Dadi Venkata Surya, D., & Basak, T. (2023). Advances in computational fluid dynamics modeling for biomass pyrolysis: A review. *Energies*, 16(23), 7839.

15. Pritam, K., Kocherlakota, **S., Palla, S.**, Puppala, H., Srinivas, B. A., Luhaniwal, J., & Surya, D. V. (2023). Bibliometric analysis of research progress in microwave-assisted pyrolysis of biomass during 1979-2023. *Journal of Analytical and Applied Pyrolysis*, 106331.

16. Jha, N., Tanneru, H. K., **Palla, S.**, & Mafat, I. H. (2024). Multivariate analysis and forecasting of the crude oil prices: Part I-Classical machine learning approaches. *Energy*, 131185.

17. **Mandapaka, R. K.** (2024). R dot approach for kinetic modelling of WGS over noble metals. *International Journal of Chemical Reactor Engineering*, 22(6), 651-660.

18. Asati, H., **Mondal, R.**, & Tripathi, K. M. (2024). Ultra-fast microwave catalytic degradation of multiple dyes by waste-derived carbon nano onions. *Materials Today Sustainability*, 100724.

19. Asati, H., **Mondal, R.**, & Tripathi, K. M. (2024). Green synthesis of disordered N-doped carbonaceous aerogel from waste for the removal of over-the-counter drugs and environmental assessment. *RSC Applied Interfaces*, 14:6585.

20. Asati, H., **Mondal, R.**, & Tripathi, K. M. (2024). Economically viable N-doped graphene aerogel for the photodegradation of structurally different dyes and a plant-model based environmental assessment. *Environmental Science: Nano*. 11, 969.

21. **Mondal, R.** (2023). Fundamental insights into structure-performance relationship for proton conductivity enhancement through polymer electrolyte membrane in proton exchange membrane fuel cell. *Chemical Engineering and Processing: Process Intensification*, 109589.

22. Jose, J., Kundu, A., **Pal, D.**, Dutta, S., Rawal, A., Pramanik, R., & Kumar, G. (2023). Rising of asymmetric bubble through milli-tubes: Experimental, theoretical and numerical analysis. *Physics of Fluids*, 35(12), 123331.

23. Hazarika, T., Kakati, B., **Pal, D.**, Saikia, R., Rawal, A., Mahanta, M., & Biswas, S. (2024). Role of plasma process gas on permeate flux augmentation of cellulose nitrate membrane for mud water treatment. *Scientific Reports*, 14, 6585.

24. Guhathakurat, S., **Pal, D.**, Reddy, S. B., Manik, N., & Manlik, S. (2024). Fabrication of highly transparent substrate from waste materials for electronic devices applications. *ACS Applied Electronics Materials*, 6, 4080-4089.

25. Jamkar, S., Tripathy, A., Mallik, S., & **Pal, D.** (2023). Methodologies of removal of heavy metals from contaminated water using various waste materials: A comprehensive review. *ChemBioEng Reviews*, 10, 959-992.

26. Hazarika, T., Das, P., Jose, J., Kakati, B., **Pal, D.**, Saikia, R., & Mahanta, M. K. (2023). Flux enhancement of cellulose nitrate membrane through plasma-assisted route for waste and mud water treatment. *Polymers for Advanced Technologies*, 34, 2862-2878.

## मानविकी और विज्ञान विभाग

1. Chandaluri, M. M., **Chandaluri, Ch. G.**, Abe, H., & Ramesh, G. V. (2023). Nano-architectonics of cathode electrocatalyst based on CoMn2O4 and graphene nanocomposite for fuel cell applications. *Applied Nanoscience*, 13, 6489-6502.

2. Das, G. S., Panigrahi, R., **Ghosh, S.**, & Tripathi, K. M. (2024). Waste frying oil-derived carbon nano-onions as a cost-effective cathode material for high-voltage zinc-ion hybrid supercapacitors. *Materials Today Sustainability*, 25, 100656-100663.

3. Shaik, B. S., Pradhan, P., Pu, W., **Naidu, R. R.**, Rodrigues, M. R. D., & Eldar, Y. C. (2024). Optimization guarantees of unfolded ISTA and ADMM networks with smooth soft thresholding. *IEEE Transactions on Signal Processing*, 72, 3272-3286.

4. Pradhan, P., Shaik, B. S., **Naidu, R. R.**, & Eldar, Y. C. (2024). Recursive tail-FISTA for sparse signal recovery. In Proceedings of IEEE ICASSP.

5. Sen, A., Pradhan, P., **Naidu, R. R.**, & Sastry, C. S. (2024). Unrolled Proximal Gradient Descent Method for Non-negative Least Squares. In Proceedings of IEEE ICASSP.

6. Friedrich, J., Sudha, S., & **Rathan, S.** (2023). Numerical schemes for a class of nonlocal conservation laws: A general approach. Networks and Heterogeneous Media, 18(3), 1335-1354.

7. **Rathan, S.**, & Gu, J. (2023). A sixth-order central WENO scheme for nonlinear degenerate parabolic equations. Computational and Applied Mathematics, 42, Article No. 182.

8. Salian, L. V., & **Rathan, S.** (2024). Exponential approximation space reconstruction weighted essentially non-oscillatory scheme for dispersive partial differential equations. Mathematical Methods in the Applied Sciences, 47(4), 1823-1851.

9. Rathan, S., Shah, D., **Kumar, T. H.**, & Charan, K. S. (2024). Adaptive IQ and IMQ-RBFs for solving initial value problems: Adam-Bashforth and Adam-Moulton methods. International Journal of Computational Methods, 21(3), 2350032.

## यांत्रिकी इंजीनियरिंग विभाग

1. Reddy, L. K., Biswal, P., & **Pujari, A. K.** (2023). Latent heat thermal energy storage solution for CSPs: Integration of PCM heat exchangers. Journal of Energy Storage, 73, 109150.

2. Panda, R. K., **Pujari, A. K.**, & Gudla, B. (2023). Experimental investigations for effectiveness of combined impingement film cooling. Journal of Enhanced Heat Transfer, 30(6).

3. Panda, R. K., **Pujari, A. K.**, & Gudla, B. (2023). Effect of jet to plate spacing on film cooling performance in a combined impingement and film cooling arrangement. Heat Transfer Research, 54(16).

4. Panda, R. K., **Pujari, A. K.**, & Gudla, B. (2023). A comparative study of film cooling with combined impingement and film cooling. Journal of Applied Fluid Mechanics, 16(7), 1386-1401.

5. Panda, R. K., **Pujari, A. K.**, & Gudla, B. (2023). Flow structure comparison of film cooling versus hybrid cooling: A CFD study. International Journal of Turbo & Jet-Engines, (O).

6. **Hilarydoss, S.** (2023). A detailed review on various aspects of inverted solar still desalination systems proposed for clean water production. Environmental Science and Pollution Research, 30, 119671-119710.

7. Vivar, M., **Hilarydoss, S.**, & Fuentes, M. (2024). Photovoltaic system adoption in water-related technologies: A review. Renewable and Sustainable Energy Reviews, 189, 114004.

8. **Hilarydoss, S.**, Nishant, K., & Nahak, S. K. (2024). Economics, environmental footprint, and sustainability of community-scale solar desalination plant in water-scarce Somalia coastal regions. Clean Technologies and Environmental Policy, 26, 2819-2847.

9. Mohanty, A., **Senapati, S. K.**, Ganguly, V. R., & Dash, M. K. (2024). Computation of natural convection heat transfer from an infrared suppression device (IRS) with multiple louvered cylindrical funnels. Numerical Heat Transfer, Part-A: Applications, 1-17.

## पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान विभाग

1. Janeček, I., **Mishra, D. A.**, Vishnu, C. S., Ščučka, J., Vaculíková, L., & Martinec, P. (2024). Experimental study of compact sandstone deformation under axisymmetric triaxial loading along specific paths in stress space. Rock Mechanics and Rock Engineering, 57(1), 97-113.

2. Maddirala, R., **Kakati, H.**, Shukla, R., Jain, R., Ghosh, S., Mishra, D. A., Pramanik, R., Dhanraj, A., Dey, P., Dubey, A. K., & Sharma, A. (2024). Investigating the impact of pulsed plasma-based shockwave technology on the characteristics of Indian crude oil. Geoenergy Science and Engineering, 233, 212531.





3. Rath, G. K., Pandey, G., Singh, S., Molokitina, N., Kumar, A., Joshi, S., & **Chauhan, G.** (2023). Carbon dioxide separation technologies: Applicable to net zero. *Energies*, 16, 4100.

4. Kumar, N., Verma, A., Ahmad, T., Sahu, R. K., Mandal, A., Mubashir, M., Ali, M., & **Pal, N.** (2024). Carbon capture and sequestration technology for environmental remediation: A CO<sub>2</sub> utilization approach through EOR. *Geoenergy Science and Engineering*, 234, 212619.

5. Dinesh, N. S. V., & **Sivasankar, P.** (2024). Exergy based assessment for decarbonization of CO<sub>2</sub> foam flooding enhanced oil recovery process and energy transition with hydrogen. *International Journal of Hydrogen Energy*, 52, 1522–1536.

6. Nikhil, P., Prakash, G. B., Kavyasri, K., & **Sivasankar, P.** (2024). Analysis on CO<sub>2</sub> emissions, green hydrogen requirement and geo-storage potential of hydrogen for decarbonization of industrial operations in southeastern coast of India. *International Journal of Hydrogen Energy*, 52, 1507–1521.

7. **Singh, R. K.**, Weckmann, U., & Srivastava, S. (2023). Magnetotelluric images of the medium enthalpy Bakreswar geothermal province within a granitic gneissic complex, Eastern Indian Peninsula. *Geophysical Prospecting*, 1365–2478.13439.

## सम्मेलन कार्यवृत्त/प्रस्तुतियाँ

### रसायन अभियांत्रिकी विभाग

1. Modi Musalaiah, P., Pulipati King, J., Jampana Vishnu Varma, V., Veluru Sridevi, H., Hamzah, H. T., & **Tanneru, H. K.** (2024). Microwave pyrolysis of ethanol treated *Spirulina* and *Ficus Benghalensis* for biofuel synthesis—A comparative study. In 1st International Conference on Trends in Chemical, Energy and Environmental Engineering (ChemEEE 2024), Indian Institute of Petroleum and Energy, Visakhapatnam, India, 19-21 February 2024.

2. Jayasri Gumma, Palla, S., & **Tanneru, H. K.** (2024). Unravelling the significance of drug delivery: Computational insights into the interaction between 5-fluorouracil and zeolitic imidazolate framework (ZIF-8). In 1st International Conference on Trends in Chemical, Energy and Environmental Engineering (ChemEEE 2024), Indian Institute of Petroleum and Energy, Visakhapatnam, India, 19-21 February 2024.

3. Pranav Sarda, Darla, S., Mafat Hussain, I., Palla, S., & **Tanneru, H. K.** (2023). Machine learning model for prediction of C<sub>2</sub> selectivity by oxidative coupling of methane. In ICPHD 2023, IIT Guwahati, Assam, India, 3-5 November 2023.

4. Dharmana Chanikya, **Tanneru, H. K.**, & Putta, K. R. (2023). Development of sizing correlations for equipment in amine-based absorption process for carbon capture. In ICPHD 2023, IIT Guwahati, Assam, India, 3-5 November 2023.

5. Abdulrahman H. Ba-Alawi, **Palla, S.**, Ambati, S. R., Yang, J., & Yoo, C. K. (2024). Chemical-guided screening of functional structure of MOFs for hydrogen storage: An explainable deep attention autoencoder model. In The 3rd International Symposium on Carbon & Functional Materials for Energy & Environment (CMEE 2024), February 21-24, 2024.

6 Iradat Hussain Mafat, **Palla, S.**, & Dadi Venkata Surya. (2023). Prediction of the carbon capture in MOFs by machine learning. In International Conference on Petroleum, Hydrogen & Decarbonization (ICPHD-2023), Indian Institute of Technology Guwahati, India, November 03-05, 2023.

7. Pragadeesh B., **Palla, S.**, & Narasimha Reddy, S. (2023). Optimization of product yield of agricultural biomass pyrolysis by machine learning. In New Frontiers in Chemical, Energy and Environmental Engineering (INCEEE - 2023), National Institute of Technology Warangal, India, November 24-25, 2023.

8. Sheik Abdul, & **Palleti, V. R.** (2024). Adversarial machine learning models for anomaly detectors in process systems. In ChemEEE 2024, IPE Visakhapatnam, India, February 19-21, 2024.

9. **Ravi Kumar Sonwani.** (2023). Enhance the efficacy of the biological process for effective degradation of azo dye from wastewater. In New Horizons in Biotechnology (NHBT-2023), CSIR-NIIST, Trivandrum, India, November 26-29, 2023.

10. **Kurada K. V.** (2023). Solubility parameter estimation of waxy crude. In CHEMCON 2023, Kolkata, West Bengal, India, December 27-30, 2023.

## मानविकी और विज्ञान विभाग

1. **Rathan, S.** & Kumar, R. (2024). A high-resolution third-order hybrid WENO scheme for solving hyperbolic conservation laws. In Latest Advances in Computational and Applied Mathematics (LACAM-24), IISER Thiruvananthapuram, Kerala, India, February 21-24, 2024.

2. Lavanya V. Salian, **Rathan, S.**, & Ghosh, D. (2024). A new central compact finite difference scheme with high spectral resolution for dispersive equations.

In Latest Advances in Computational and Applied Mathematics (LACAM-24), IISER Thiruvananthapuram, Kerala, India, February 21-24, 2024.

3. Jan Friedrich, Sudha, S., & **Rathan, S.** (2023). Numerical methods for non-local conservation laws. In 89th Annual Conference of Indian Mathematical Society (IMS), organized by the Department of Mathematics, BITS Pilani, Hyderabad, December 22-27, 2023.

4. Lavanya V. Salian, & **Rathan, S.** (2023). A fifth-order WENO scheme with exponential basis for solving dispersive equations. In International Conference on Applied Mathematics and Mechanics (ICAMM 2023), organized by the Department of Mathematics, IIT Indore, October 18-20, 2023.

5. Lavanya V. Salian, & **Rathan, S.** (2023). Weighted essentially non-oscillatory scheme for dispersion equations with exponential approximation space. In International Conference on Differential Equations and Control Problems (ICDECP23), organized by the Department of Mathematics & Statistics, IIT Mandi, June 15-17, 2023.

6. Arun Govind Neelan, & **Rathan, S.** (2023). Numerical stability analysis using deep neural network. In International Conference on Differential Equations and Control Problems (ICDECP23), organized by the Department of Mathematics & Statistics, IIT Mandi, June 15-17, 2023.

7. Sudipta Sahu, & **Rathan, S.** (2023). Improved upwind scheme for advection equation with exponential approximation space. In International Conference on Differential Equations and Control Problems (ICDECP23), organized by the Department of Mathematics & Statistics, IIT Mandi, June 15-17, 2023.

8. Jan Friedrich, Sudha, S., & **Rathan, S.** (2023). Finite-volume schemes for a class of non-local conservation laws. In International Conference on Differential Equations and Control Problems (ICDECP23), organized by the Department of Mathematics & Statistics, IIT Mandi, June 15-17, 2023.

## पेट्रोलियम इंजीनियरिंग और पृथ्वी विज्ञान विभाग

1. Saurabh Mishra, & **Chauhan, G.** (2024). Preserving ocean ecosystem: Innovative 3-D porous sponge for offshore oil spill clean-up. Presented at India Energy Week, Goa, February 6-9, 2024.

2. Durga Maheshwari, & **Chauhan, G.** (2024). Studies on an environment friendly deepwater HTHP drilling fluid. Presented at National Conference on Earth's Material for Energy: Mantle to Market (EE&MM-2024), February 1-2, 2024.

3. Saurabh Mishra, & **Chauhan, G.** (2023). Fabrication of composite sponge structure for mitigating oil spill over marine water. Presented at International Conference on Petroleum, Hydrogen and Decarbonization (ICPHD'23), IIT Guwahati, November 3-5, 2023.

## पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के समीक्षक/सदस्य के रूप में योगदान

### रसायन अभियांत्रिकी विभाग

1. **Dr. Ravi Kumar Sonwani:** Guest Editor in a Special Issue "Research on Bioremediation of Hazardous Wastes" of Toxic journal; Guest Editor in Innovative biorefinery solutions for products and energy - Status 2024, Biomass Conversion and Biorefinery

2. **Dr. Hemanth Kumar Tanneru:** Reviewer for Asia-Pacific journal of Chemical Engineering, Biomass conversion and Biorefinery, Indian chemical Engineer, Results in control and optimization; Guest Editor for Innovative biorefinery solutions for products and energy - Status 2024, Biomass Conversion and Biorefinery); Guest Editor for Chemical Product and Process Modeling

3. **Dr. Venkata Reddy Palleti:** Guest Editor for Chemical Product and Process Modeling; Reviewer for Transactions on Information Forensics and Security; TPC member of the 5th International Workshop on Artificial Intelligence and Industrial Internet-of-Things Security (AIoTS 2023), held in conjunction with ACNS 2023 conference in Kyoto, Japan.

4. **Dr. Raka Mondal:** Reviewer for results in Engineering, Journal of Cleaner Production, Journal of Energy Nexus, Chemical Engineering Journal, Chemical Engineering Science.

5. **Dr. Dipankar Pal:** Reviewer for Applied Physics Letters (AIP Publishing), Experimental and Computational Multiphase Flow (Springer), Surface and Coatings Technology (Elsevier) and Material Science and Engineering Technology (Wiley)

### पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान विभाग

1. **Prof. K. Vijaya Kumar:** Reviewer for Journal of Geological Society of India, Journal of Earth System Sciences; Ph.D. thesis reviewer from AcSIR, Osmania University and Funding agencies (DST); and Evaluator of Application for Senior Professor under CAS (Amaravati University)

2. **Dr. Geetanjali Chauhan:** Reviewer for the Chemosphere, Energy and Fuels, Journal of Molecular liquids.

3. **Dr. Nilanjan Pal :** Reviewer for Journal of Petroleum Science and Engineering; Arabian Journal of Geosciences; ACS Omega; Petroleum Science & Technology; Journal of Petroleum Exploration and Production Technology; Langmuir; Industrial & Engineering Chemistry Research; AIChE Journal; Chemical Engineering Science; New Journal of Chemistry; Petroleum Science; International Journal of Greenhouse Gas Control; IEEE.

Transactions on Computational Social Systems; ACS Food Science & Technology; Earth Science Reviews; Energy & Fuels; Chemosphere; International Journal of Oil, Gas and Coal Technology.

### यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

1. **Dr Sharon Hilary Doss,** Reviewer for Kerala State Council for Science, Technology and Environment, Trivandrum, Kerala and various journals.

2. **Dr. Santosh Kumar Senapati:** Reviewer for journal of Powder Technology

## आमंत्रित व्याख्यान/वार्ता

क्र.सं.	फैकल्टी का नाम	सम्मेलन, स्थान और तिथि	व्याख्यान/प्रस्तुति का शीर्षक
---------	----------------	------------------------	-------------------------------

### रसायन अभियान्त्रिकी विभाग

1.	डॉ. रवि कुमार सोनवानी	भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) सम्मेलन, होटल फेयरफील्ड बाय मैरियट, विशाखापत्तनम, 12 सितंबर 2023	औद्योगिक अपशिष्ट जल प्रबंधन जल में जैविक प्रणालियों का अवलोकन
2.	डॉ. रवि कुमार सोनवानी	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला, ओडिशा, 09 फरवरी 2024	वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की निगरानी और नियंत्रण पहलू
3.	डॉ. रवि कुमार सोनवानी	डॉ. अंबेडकर दिव्यांगजन प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तर प्रदेश (एआईटीएच), कानपुर, 14 दिसंबर 2023	अपशिष्ट जल उपचार में जैविक प्रणालियों का अनुप्रयोग
4.	डॉ. कुराडा वेंकट कृष्णाश्री	एनटीपीसी सिम्हाद्री में संस्कारण शमन पर कार्यशाला, 17 अप्रैल 2023	कठोर औद्योगिक वातावरण में संस्कारण और इसकी रोकथाम
5.	डॉ. तन्नरु हेमन्त कुमार	केमिकल इंजीनियरिंग में हालिया रुझानों पर राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग इन केमोस्फीयर -2024, 21-23 मार्च 2024	केमिकल इंजीनियरिंग में मशीन लर्निंग
6.	डॉ. तन्नरु हेमन्त कुमार	डिग्री और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए गायत्री विद्या परिषद कॉलेज के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में पांच दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का संकाय विकास कार्यक्रम (ए), 19-23 मार्च 2024	हीट ट्रांसफर सिस्टम के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

क्र.सं.	फैकल्टी का नाम	सम्मेलन, स्थान और तिथि	व्याख्यान/प्रस्तुति का शीर्षक
7.	डॉ. रवि किरण मंडपाका	कार्यशाला - "उन्नत सामग्री: प्रदूषकों की उत्प्रेरक कटौती के लिए सामग्री और ऊर्जा भंडारण के लिए सुपरकैपेसिटर के रूप में उनके अनुप्रयोग" पर 5 दिवसीय उच्च-अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 07 फ़रवरी 2024	प्रतिस्थापित और संसेचित महान धातु उत्प्रेरक पर सीओ कमी प्रतिक्रियाओं के लिए विस्तृत काइनेटिक मॉडल
8.	डॉ. रवि किरण मंडपाका	सर्कुलर इकोनॉमी के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी एकीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 18-19 जनवरी 2024	ओलेफ़िन का उत्पादन: मूल्य निर्धारण के भाग के रूप में कच्चे तेल के शोधन का विकल्प
9.	डॉ. राका मंडल	एनटीपीसी सिम्हाद्री में संक्षारण शमन पर कार्यशाला, 17 अप्रैल 2023	कठोर औद्योगिक वातावरण में संक्षारण और इसकी रोकथाम
10.	डॉ. दीपांकर पाल	एनटीपीसी सिम्हाद्री में संक्षारण शमन पर कार्यशाला, 17 अप्रैल 2023	उन्नत कोटिंग का उपयोग करके संक्षारण संरक्षण

### मानविकी और विज्ञान विभाग

1.	डॉ. सीएच. गुप्ता चंदलुरी	लोकप्रिय व्याख्याता श्रृंखला, सरकारी डिग्री कॉलेज, कामवरपुकोटा, एलुरु जिला, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित, 03 अप्रैल 2023	उन्नत अनुप्रयुक्त रसायन विज्ञान और इंजीनियरिंग सामग्री
2.	डॉ. सीएच. गुप्ता चंदलुरी	गीतम रसायन विज्ञान अनुसंधान सम्मेलन (जीसीआरसी 2023), गीतम स्कूल ऑफ साइंस, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित, 7-9 दिसंबर 2023	ऑप्टिकल आणविक नैनोमटेरियल्स की संरचनात्मक ट्यूनिंग
3.	डॉ. सीएच. गुप्ता चंदलुरी	भौतिक, रासायनिक और जैविक विज्ञान में नई सीमाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2024, सरकारी डॉ. वी. एस. कृष्णा डिग्री और पीजी कॉलेज (ए) विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित, 20-21 फ़रवरी 2024	अनुप्रयोगों के लिए मौलिक ऑप्टिकल आणविक नैनोमटेरियल्स की संरचनात्मक ट्यूनिंग
4.	डॉ. समला रतन	गणित विभाग, उन्नत विज्ञान स्कूल, वीआईटी एपी विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, भारत द्वारा आयोजित विभेदक समीकरणों और अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति, 27 अक्टूबर 2023	अदिश अतिपरवल्यिक संरक्षण नियम के संख्यात्मक तरीके
5.	डॉ. सोमनाथ घोष	गीतम रसायन विज्ञान अनुसंधान सम्मेलन (जीसीआरसी 2023), गीतम स्कूल ऑफ साइंस, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित, 7-9 दिसंबर 2023	एक्सफ़ोलीएटेड कोबाल्ट-डोपेड मैंगनीज ऑक्साइड (कॉक्सएमएन1-एक्सओ2) नैनोशीट: क्षारीय माध्यम में हाइड्रोजन इवोल्यूशन प्रतिक्रिया (एचईआर) के लिए कुशल और स्थिर इलेक्ट्रोकेटलिस्ट



## फैकल्टी द्वारा दौरा/संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/ में भाग लिया गया

क्र.सं.	फैकल्टी का नाम	शीर्षक	तिथि	स्थान
---------	----------------	--------	------	-------

### रसायन अभियान्त्रिकी विभाग

1.	डॉ. राका मंडल	गणितीय संस्थान के प्रोफेसर इयान ग्रिफिथ्स के साथ अनुसंधान यात्रा।	06 जून 10 जुलाई 2023	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके
2.	डॉ. शेषगिरी राव अंबाती	प्रोफेसर एबरहार्ड मोर्गनराथ, स्विस् फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ एक्वाटिक साइंस एंड टेक्नोलॉजी (ईवाग) के साथ अनुसंधान यात्रा।	01 - 30 जून, 2023	ईटीएच ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड
3.	डॉ. श्रीधर पल्ला	फैकल्टी मोबिलिटी प्रोग्राम के तहत जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) वर्नोवा बैंगलोर का दौरा किया	10-24 दिसंबर, 2023	बैंगलोर

### मानविकी और विज्ञान विभाग

1.	डॉ. सीएच. गुप्ता चंदलुरी	हाइड्रोजन ऊर्जा संसाधन और अवसर पर शिखर सम्मेलन में भाग लिया (HERO-2023)	24-26 जुलाई, 2023	आईआईपीई विशाखापत्तनम
----	--------------------------	---	-------------------	----------------------

### यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

1.	डॉ. शेरोन हिलेरीडॉस	मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा द्रव यांत्रिकी में अनुसंधान पद्धति पर 8वीं राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन भाग लिया	12-15 जुलाई, 2023	आईआईटी जोधपुर
2.	डॉ. शेरोन हिलेरीडॉस	IDEAS 2024 सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति	22 दिसंबर 2023 से 02 जनवरी 2024	अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात

### पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान विभाग

1.	डॉ. गीतांजलि चौहान	भारत ऊर्जा सप्ताह, गोवा में भाग लिया	06-09 फ़रवरी, 2024	गोवा
2.	डॉ. गीतांजलि चौहान	ओएनजीसी, काकीनाडा में फैकल्टी मोबिलिटी प्रोग्राम में भाग लिया	18-22 दिसंबर, 2023	काकीनाडा
3.	डॉ. नीलांजन पाल	भारत ऊर्जा सप्ताह, गोवा में भाग लिया	06-09 फ़रवरी, 2024	गोवा
4.	डॉ. शिव शंकर पी	भारत ऊर्जा सप्ताह, गोवा में भाग लिया	06-09 फ़रवरी, 2024	गोवा

## सेमिनार/प्रशिक्षण/सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

क्र.सं.	शीर्षक	आयोजन	तिथि
---------	--------	-------	------

### रसायन अभियान्त्रिकी विभाग

1.	वेस्टवाटर कैरेक्टराइजेशन, ट्रीटमेंट, एंड रियूज (WCTR)	ट्रेनिंग	10-11 अप्रैल 2023.
2.	ट्रेंड्स इनकेमिकल, एनर्जी एंड एन्वायरनमेंटल इंजीनियरिंग (ChemEEE-2024)	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	19-21 फ़रवरी, 2024

### पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान विभाग

1.	अर्थस मैटीरियल्स फॉर एनर्जी: मैटल टू मार्केट (EEMM - 2024)	राष्ट्रीय सम्मेलन	01-02 फ़रवरी 2024
2.	अनकन्वेंशनल हाइड्रोकार्बन रिसोर्सेज: अपॉर्च्युनिटीज एंड चैलेंज.	वेबिनार	28-29 मार्च, 2024

### यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

1.	रिन्यूवेबल एनर्जी यूटिलाइजेशन फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ	कार्यशाला	25-26 अगस्त, 2023
----	---	-----------	-------------------

### मानविकी और विज्ञान विभाग

1.	इंटरनेशनल एनर्जी समिट: हाइड्रोजन एनर्जी रिसोर्स एंड अपरच्युनिटी (HERO-2023)	कार्यशाला	24-26 जुलाई 2023
2.	एप्लिकेशंस ऑफ़ स्केलर हाइपरबोलिक कंज़रवेशन लॉज़	लघु कोर्स	01-05 मार्च 2024

### पुस्तकालय

1.	एविडेंस बेस्ड लाइब्रेरी ट्रांसफॉर्मेशन: क्वालिटी सर्विसेज फॉर नेक्स्टजेन यूजर्स "EBLT-2024	राष्ट्रीय सम्मेलन	24 -25 जनवरी 2024
----	--	-------------------	-------------------

## संकाय/पुरस्कार/सम्मान/विशिष्टता/अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति/सदस्यता

क्र.सं	फैकल्टी का नाम	पुरस्कार/सम्मान/फ़ेलोशिप/सदस्यता का विवरण	टिप्पणी
--------	----------------	---	---------

### रसायन अभियान्त्रिकी विभाग

1.	डॉ. रवि कुमार सोनवानी	विशाखापत्तनम क्षेत्र में सहमति प्रबंधन और निगरानी समितियों के लिए विशेषज्ञ, आंध्र प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (APPCB)	सदस्य
----	-----------------------	---	-------



क्र.सं	फैकल्टी का नाम	पुरस्कार/सम्मान/फ़ेलोशिप/सदस्यता का विवरण	टिप्पणी
2.	डॉ. रवि कुमार सोनवानी	केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, जीआईटी विश्वविद्यालय, गुनुपुर के अध्ययन बोर्ड में सदस्य	सदस्य
3.	डॉ. रवि कुमार सोनवानी	बायोटेक रिसर्च सोसायटी, भारत की आजीवन सदस्यता	आजीवन सदस्य
4.	डॉ. कुराडा वेंकट कृष्णश्री	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स, कोलकाता के आजीवन सदस्य (IICHE).	आजीवन सदस्य

### यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

1.	डॉ. शेरोन हिलेरीडॉस	इंटरनेशनल डिसेलिनेशन एसोसिएशन, यूएसए	व्यक्तिगत सदस्य
----	---------------------	--------------------------------------	-----------------

### पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान विभाग

1.	डॉ. हिमांशु ककाती	पेट्रोलियम इंजीनियर्स सोसायटी के प्रोफेशनल मेंबर	प्रोफेशनल मेंबर
2.	डॉ रजत जैन	पेट्रोलियम इंजीनियर्स सोसायटी के प्रोफेशनल मेंबर	प्रोफेशनल मेंबर
3.	डॉ नीलांजन पाल	पेट्रोलियम इंजीनियर्स सोसायटी के प्रोफेशनल मेंबर.	प्रोफेशनल मेंबर
4.	डॉ नीलांजन पाल	नियूरोपियन एसोसिएशन ऑफ जियोसाइंटिस्ट्स एंड इंजीनियर्स	नियमित सदस्य
5.	डॉ. गीतांजलि चौहान	पेट्रोलियम इंजीनियर्स सोसायटी के प्रोफेशनल मेंबर	प्रोफेशनल मेंबर

### Library

1.	डॉ जितेंद्र कुमार	इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन (ILA) और सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (SALIS)	आजीवन सदस्य
2.	डॉ जितेंद्र कुमार	आंध्र विश्वविद्यालय के अध्ययन बोर्ड, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (पीजी) के सदस्य	सदस्य

## अनुसंधान, विकास और सहयोग

डीन (आरएंडडी) कार्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और संस्थान के फैकल्टी और युवा शोधकर्ताओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रेरित करना है। कार्यालय मानक नीतियों और दिशानिर्देशों के माध्यम से फैकल्टी को अनुसंधान गतिविधियों और प्रतिबद्धताओं को सुचारू रूप से और समयबद्ध तरीके से निष्पादित और सम्मानित करने में मदद करता है।

चालू वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल 2023 - 31 मार्च 2024) के दौरान, भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान को चौदह अनुसंधान परियोजनाएँ के लिए डीएसटी-एसईआरबी, एएनआरएफ, एआर एंड डीबी, एनबीएचएम, एनटीपीसी, डीजीएच और आईसीएमआर सहित बाह्य एजेंसियों और उद्योगों रुपये 40,23,31,510.00. प्राप्त हुआ। जिनमें से दो परियोजनाएँ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से हैं।

संस्थान ने नए शामिल नए शामिल हुए दस फैकल्टी सदस्यों को 2,70,26,330.00 के परिव्यय के साथ इनोवेटिव रिसर्च ग्रांट कार्यक्रम के माध्यम से अनुसंधान निधि भी प्रदान की है। संस्थान ने 2023-2024 वित्तीय वर्ष के दौरान तीन पेटेंट दायर किए हैं, और संकाय ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 45 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। इस अवधि के दौरान उद्धरणों की कुल संख्या ~ 500 है। संस्थान ने संकाय गतिशीलता, छात्र प्रशिक्षण इंटरनशिप और वैज्ञानिक सहयोग के लिए उद्योगों और संस्थानों के साथ 3 राष्ट्रीय और 1 अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

आईआईपीई ने दो अंतरराष्ट्रीय और छह राष्ट्रीय कार्यशालाएं/सेमिनार/संगोष्ठियां आयोजित की हैं, जिनमें हाइड्रोजन ऊर्जा, अपशिष्ट जल लक्षण वर्णन, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति, सतत विकास के लिए नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग, मशीन लर्निंग, पर्यावरण इंजीनियरिंग, ऊर्जा के लिए पृथ्वी की सामग्री और पुस्तकालय परिवर्तन शामिल हैं। डिजिटल युग. विभिन्न संस्थानों के कई छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप कार्यक्रम के माध्यम से आईआईपीई में प्रशिक्षित किया गया। आईआईपीई ने कुल रु. 19,98,67,132.00 के परिव्यय के साथ जीसी-एमएस, माइक्रो-सीटी, एचपीएलसी, एएसएस, प्रतिरोधकता इमेजिंग सिस्टम और अन्य परिष्कृत उपकरणों की खरीद और कमीशनिंग करके अनुसंधान सुविधाओं को बढ़ाया है।

### प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ

• वर्ष 31.3.2024 तक पूर्ण की गई प्रायोजित परियोजनाओं की संख्या	=	07
• वर्ष 31.3.2024 तक चल रही प्रायोजित परियोजनाओं की संख्या	=	22
• वर्ष 2023-24 के दौरान स्वीकृत प्रायोजित परियोजनाओं की संख्या	=	17

### 2023-24 के लिए परामर्श परियोजनाएँ

- डॉ. तन्नरु हेमंत कुमार डेटा साइंस से संबंधित समस्याओं के लिए GITAA प्राइवेट लिमिटेड के सलाहकार हैं।
- डॉ. श्रीधर पल्ला डेटा साइंस से संबंधित समस्याओं के लिए GITAA प्राइवेट लिमिटेड के सलाहकार हैं।
- डॉ. पी. वेंकट रेड्डी डेटा साइंस से संबंधित समस्याओं के लिए GITAA प्राइवेट लिमिटेड के सलाहकार हैं।

## Sponsored Research Projects

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	फंडिंग एजेंसी का नाम	फैकल्टी का नाम (प्रधान अन्वेषक)
---------	--------------------	----------------------	---------------------------------

### रसायन अभियांत्रिकी विभाग

1.	मशीन लर्निंग मेथड्स फॉर वाटर क्वालिटी एस्टीमेशन एंड कंट्रोल इन वाटर रिसोर्स रिकवरी फेसिलिटीज टुवर्ड्स सर्कुलर इकोनॉमी एंड सस्टेनेबिलिटी	डीएसटी	PI: डॉ. ए. शेषगिरि राव Co-PI: डॉ. वेंकट रेड्डी पैलेटी
2.	डैवलपमेंट ऑफ़ सस्टेनेबल एंड कॉस्ट-इफेक्टिव स्ट्रेटेजी फॉर कोरोसन मिटिगेशन इन एनटीपीसी सिम्हाद्री - फेज-1	एनटीपीसी	PI: डॉ. राका मंडल Co-PI: डॉ. कुराडा वेंकट कृष्णाश्री
3.	Development of sustainable and cost-effective strategy for corrosion mitigation in NTPC Simhadri	एनटीपीसी	PI: डॉ. दीपांकर पाल Co-PI: डॉ. चंचय्या गुप्ता चंदलुरी, डॉ. रवि कुमार सोनवानी
4.	सी3-सी4 ओलेफिन सिंथेसिस फ्रॉम इथेनॉल	डीएसटी- सर्व	डॉ. रविकिरण मंडपका
5.	एडवांस्ड कंट्रोल ऑफ़ कॉम्प्लेक्स फार्मास्युटिकल प्रोसेसेस	स्पार्क (SPARC)	डॉ. ए. शेषगिरि राव
6.	एसबीआईएफ-एक्सआरडी एनालिटिकल लैब	एसबीआई	PI: डॉ. कृष्णाश्री CO-PI: डॉ. नीलांजन पाल

### मानविकी और विज्ञान विभाग

1.	मॉलिक्यूलर मॉडेलिंग एंड सिमुलेशन स्टडीज टू गेट इनसाइट इनटू द इनहिबिटर बाइंडिंग साइट इन आइसोसिट्रेट डीहाइड्रोजेनेज -1 म्यूटेन्ट्स: इन सिलिको एंड एक्सपीमेंटल स्टडीज टू डेवलप नोवेल एंटी-कैंसर थेराप्यूटिक्स	आईसीएमआर	PI: डॉ. पी. अपारॉय, Co-PI: डॉ. चंचय्या गुप्ता चंदलुरी
2.	मॉडल्स-बेस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मेथड्स फॉर स्पार्स सिग्नल रिकवरी: थियरी एंड एप्लिकेशन्स इन इमेजिंग	एनबीएचएम	PI: डॉ. आर. रामुनायडू
3.	एच2 जेनरेशन फ्रॉम सी वाटर थ्रू फ्लू गैस डिसैलिनेशन (जी एच2- एफजीएसडब्ल्यू देसल प्लांट)- डेवलपमेंट, डिजाइन एंड सेटअप ओएफ 1 टीपीडी प्लांट एट सिम्हाद्री एनटीपीसी	एनटीपीसी	PI: डॉ. सोमनाथ घोष CoPI: डॉ. चंचय्या गुप्ता चंदलुरी
4.	डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ़ न्यूमेरिकल स्कीम्स फोर हाइपरबोलिक सिस्टम्स ऑफ़ कंज़रवेशन लॉज़	एनबीएचएम, डीईई	PI: डॉ. एस. रतन

### पेट्रोलियम अभियांत्रिकी और पृथ्वी विज्ञान विभाग

1.	डेवलपमेंट ऑफ़ ए मशीन लर्निंग मॉडल बेस्ड ऑन एक्सपेरिमेंटल इनवेस्टिगेशन्स टू क्वांटिफाई फॉर्मेशन डैमेज कास्ड बाई ड्रिलिंग एंड कम्प्लीशन फ्लूइड्स आईएन इंडियन ओइलफील्ड्स	डीएसटी- सर्व	PI: डॉ. रजत जैन Co-PI: डॉ. रंजन प्रमाणिक
2.	ए स्टडी ऑन जीओ-मैकेनिकल स्टेबिलिटी ऑफ़ गैस हाइड्रेट बीयरिंग सेडिमेंट्स फॉर प्रोडक्शन फ्रॉम इंडियन ऑफ़शोर रीजन	डीएसटी- सर्व	PI: डॉ. हिमांशु ककाती CoPI: डॉ. दीपक अंबन मिश्र



क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	फंडिंग एजेंसी का नाम	फैकल्टी का नाम (प्रधान अन्वेषक)
3.	पेट्रोग्राफिक कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ किम्बरलाइट क्लैन ऑफ़ रॉक्स (केसीआर) फ्रॉम सेंट्रल इंडियन डायमंड प्रोवेन्स	एनएमडीसी	PI: प्रो. के. विजय कुमार; Co-PI: डॉ. अभिजीत मुखर्जी, श्री चन्द्र भूषण वर्मा, श्री निखिल सरवटे (एनएमडीसी)
4.	रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन जियोसाइंटिफिक डेटा एनालिसिस ऑफ़ केरला-कोंकन बेसिन	डीजीएच	PI: डॉ रोशन कुमार सिंह
5.	जॉइंट इंटरप्रिटेशन ऑफ़ जियोफिजिकल डेटासेट्स ओवर मीडियम एंथाल्पी बकरेश्वर जियोथर्मल प्रोविंस, ईस्टर्न इंडियन शील्ड: एक्सप्लोरिंग द एनर्जी ट्रांजिशन पोटेंशियल इन इंडिया	डीएसटी-सर्व	PI: डॉ रोशन कुमार सिंह

### यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

1.	टू प्रेडिक्ट फिल्म इफेक्टिवनेस ओएफ कूल्ड एचपीएनजीवी एक्सटरनल सरफेस अंडर कैसकेड प्लो कंडीशंस	एरोनॉटिक्स आर&डी बोर्ड (AR&DB)	PI: डॉ अरुण के पुजारी Co-PI: डॉ एस संतोष कुमार
2.	डिजाइन, डेवलपमेंट, एंड डेमोन्स्ट्रेशन ऑफ़ कम्पाउंड पैराबोलिक कंसन्ट्रेटर (सीपीसी) असिस्टेड फोटोवोल्टाइक मोड्यूल-बेस्ड नोवेल को -जेनरेशन सिस्टम फॉर पॉवर एंड पोटेंशल वाटर प्रोडक्शन	डीएसटी- सर्व	PI: डॉ. एच. शैरोन

### पेटेंट दाखिल

क्र.सं.	शीर्षक	फैकल्टी	आवेदन संख्या
1.	ए प्रोसेस फॉर द प्रिपेरेशन ऑफ़ 2डी-3डी हाइब्रिड एरोजेल्स, इन पार्टिकुलर, 2डी मॉलीब्डेनम डिसल्फाइड-3डी ग्राफीन एरोजेल्स	डॉ. कुमुद मलिका त्रिपाठी	202341068689
2.	ए फ्लेक्सिबल एंड वियरेबल सेल्फ-रिचार्ज पॉवर यूनिट एंड ए प्रोसेस फॉर द मैनुफैक्चर थे थेरोफ़	डॉ. कुमुद मलिका त्रिपाठी	202341069311
3.	ए प्रोसेस फॉर द बायोरिमिडिएशन ऑफ़ वेस्टवाटर एंड बायोप्प्यूल प्रोडक्शन	डॉ. कुमुद मलिका त्रिपाठी	202341086543

# आईआईपीई में गतिविधियाँ

## तीसरा दीक्षांत समारोह

संस्थान का तीसरा दीक्षांत समारोह 5 अगस्त 2023 को आयोजित किया गया था, जहां 2023 में सफलतापूर्वक स्नातक करने वाले 102 बी.टेक छात्रों को उनकी डिग्री प्रदान की गई, साथ ही राष्ट्रपति के स्वर्ण पदक और संस्थान के स्वर्ण और रजत पदक भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में, 62 छात्रों ने व्यक्तिगत रूप से अपनी डिग्री प्राप्त की, जबकि शेष 40 छात्रों को उनकी अनुपस्थिति में डिग्री प्रदान की गई। भारतीय भू-चुंबकत्व संस्थान (आईआईजी) में आईएनएसए की वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रोफेसर अर्चना भट्टाचार्य इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।



## पदक विजेताओं की सूची



सुश्री सुभद्रा जामकर मुख्य अतिथि से राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक प्राप्त करती हुई

**एसबीआई सिल्वर मेडल:** पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में सीजीपीए (द्वितीय उच्चतम)  
श्री हर्षिल पथी, 19PE10008

**राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक:** सीजीपीए और पाठ्येतर गतिविधियों के आधार पर  
सुश्री सुभद्रा जामकर, 19CH10006

**इंस्टीट्यूट गोल्ड मेडल:** पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में उच्चतम सीजीपीए के आधार पर  
श्री दीपित अजित शाह, 19PE10009

**इंस्टीट्यूट गोल्ड मेडल:** केमिकल इंजीनियरिंग में उच्चतम सीजीपीए के आधार पर  
श्री जेफिन जोस, 19CH10025

**एसबीआई सिल्वर मेडल:** केमिकल इंजीनियरिंग में सीजीपीए (दूसरा उच्चतम)  
श्री सूरज कुमार, 19CH10012

## वैश्विक ऊर्जा पर्यावरण शिखर सम्मेलन: हाइड्रोजन ऊर्जा संसाधन और अवसर (HERO) -2023

3-दिवसीय ऊर्जा पर्यावरण शिखर सम्मेलन, जिसका शीर्षक "हाइड्रोजन ऊर्जा संसाधन और अवसर (HERO-2023)" है, 24-26 जुलाई, 2023 को भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान (आईआईपीई) द्वारा होटल नोवोटेल, विशाखापत्तनम में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम हाइड्रोजन ऊर्जा और वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में इसकी भूमिका पर केंद्रित था, जिसमें नीतिगत दृष्टिकोण से भारत की हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था और ऊर्जा परिवर्तन पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्य वक्ताओं में भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव श्री पंकज जैन, प्रो. जी.के. सूर्य प्रकाश, दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में हाइड्रोकार्बन रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार विजेता अध्यक्ष; आंध्र प्रदेश सौर ऊर्जा निगम के एमडी और सीईओ डॉ. एम. कमलाकर बाबू।



श्री प्रदीप किलेटी (नेशनल ग्रिड, यूएसए); श्री यू.के. भट्टाचार्य, के निदेशक परियोजना एनटीपीसी; और श्री अमर नाथ, अतिरिक्त सचिव, भारत सरकार शामिल थे। डॉ. कमलाकर बाबू ने राज्य की नई हरित हाइड्रोजन नीति और आईआईपीई के नेतृत्व में विशाखापत्तनम को हाइड्रोजन सिटी में बदलने के लक्ष्य पर प्रकाश डाला।

प्रतिष्ठित वक्ता, जैसे प्रो. स्वाति नियोगी (आईआईटी खड़गपुर), प्रो. देविंदर महाजन (स्टोनी ब्रुक विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क), प्रो. आलोक श्रीवास्तव (पंजाब विश्वविद्यालय), और डॉ. पी.के. बनर्जी (सीएसआईआर-सीआईएमएफआर) ने हाइड्रोजन भंडारण, कोयला गैसीकरण और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों पर अंतर्दृष्टि साझा की। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के शिक्षाविदों, तेल और ऊर्जा क्षेत्रों के उद्योग कर्मियों और सरकारी अधिकारियों ने भी भाग लिया। चर्चाएँ हाइड्रोजन उपयोगिता, हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था और संबंधित कोड पर केंद्रित थीं। हाइड्रोजन के सुरक्षित परिवहन, वितरण और उपयोग के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे के महत्व पर जोर दिया गया। यह कार्यक्रम एनटीपीसी के सिम्हाद्री डिसेलिनेशन प्लांट के क्षेत्र दौरे के साथ संपन्न हुआ।

## "सतत विकास के लिए नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग - REUSG 2023" पर दो दिवसीय कार्यशाला

आईआईपीई के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने 25-26 अगस्त 2023 को "सतत विकास के लिए नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग" नामक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और उपयोग में महत्वपूर्ण चुनौतियों को संबोधित किया गया, जिसमें दक्षता बढ़ाने, उत्सर्जन को कम करने और ऊर्जा क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।



कार्यशाला में विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में प्रगति पर चर्चा करने के लिए शिक्षा जगत, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के विशेषज्ञों को एक साथ लाया गया। कवर किए गए विषयों में सौर ऊर्जा उपयोग, सौर तापीय बिजली संयंत्रों के लिए उन्नत बिजली चक्र, कुशल आंतरिक दहन इंजन, वैकल्पिक ईंधन, हाइड्रोजन टर्बाइन, पवन टरबाइन प्रगति, ग्रिड एकीकरण विधियां और ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियां शामिल प्रतिभागियों में संकाय सदस्य, छात्र, शोधकर्ता और उद्योग पेशेवर शामिल थे, जिससे ज्ञान के आदान-प्रदान और नेटवर्किंग के लिए एक उत्कृष्ट मंच तैयार हुआ।

इस आयोजन को उद्योग भागीदारों से पर्याप्त समर्थन और प्रायोजन प्राप्त हुआ। REUSG 2023 एक शानदार सफलता थी, जिसने टिकाऊ ऊर्जा के लिए अत्याधुनिक तकनीकों और नवीन समाधानों पर चर्चा को बढ़ावा दिया, ऊर्जा शिक्षा और अनुसंधान में अग्रणी होने के लिए IPE की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।



## राष्ट्रीय सम्मेलन "एविडेंस बेस्ड लाइब्रेरी ट्रांसफॉर्मेशन्स: क्वालिटी सर्विसेज फॉर नेक्स्टजेन यूजर्स -EBLT-2024"

संस्थान की डॉ. एस. आर. रंगनाथन लाइब्रेरी ने 24 से 25 जनवरी 2024 तक "संस्थान की डॉ. एस. आर. रंगनाथन लाइब्रेरी ने 24 से 25 जनवरी 2024 तक "एविडेंस बेस्ड लाइब्रेरी ट्रांसफॉर्मेशन्स: क्वालिटी सर्विसेज फॉर नेक्स्टजेन यूजर्स (ईबीएलटी-2024) पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। भारत के विभिन्न हिस्सों से 70 से अधिक प्रतिभागियों ने सम्मेलन में भाग लिया और अपने मूल शोध पत्र प्रस्तुत किए। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. महेंद्र जाधव, लाइब्रेरियन, आईआईटी मद्रास थे; सम्मानित अतिथि डॉ. वी.के. जगजीवन, लाइब्रेरियन, इग्नू नई दिल्ली; सम्मेलन अध्यक्ष और एलएसी अध्यक्ष प्रो. के. विजय कुमार, आईआईपीई।



सम्मेलन में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में प्रतिष्ठित हस्तियों की भागीदारी देखी गई है, और उन्होंने आमंत्रित व्याख्यान दिए। सम्मेलन को आईसीएसएसआर, एल्सेवियर, आरएससी और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रायोजित किया गया था। विभिन्न प्रमुख संस्थानों के वक्ताओं जैसे आईआईटी दिल्ली से डॉ. नबी हसन, आईआईटी मद्रास से डॉ. महेंद्र एन. जाधव, दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. राजेश सिंह, आईआईएससी बैंगलोर से डॉ. सुरेश बालुतागी, इग्नू नई दिल्ली से डॉ. वी.के. जगजीवन ने अपनी विशेषज्ञ वार्ता दी। डॉ. किशोर चंद्र सत्पथी, मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष आईएसआई कोलकाता ने सम्मेलन निदेशक के रूप में कार्य किया और सम्मेलन के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन किया। पेपर योगदानकर्ताओं को सर्वश्रेष्ठ पेपर और सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार दिए गए। सम्मेलन का एक अकादमिक परिणाम डॉ. जितेंद्र कुमार, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष के संपादन में सम्मेलन की कार्यवाही के रूप में प्रकाशित किया गया था।

## अर्थस मैटीरियल्स फॉर एनर्जी: मेंटल टू मार्केट (EEMM - 2024)

"पृथ्वी की ऊर्जा के लिए सामग्री: बाजार तक की सामग्री" विषय पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 1 से 2 फरवरी 2024 को आईआईपीई, विशाखापत्तनम में आयोजित किया गया था। सम्मेलन का उद्देश्य मेंटल और क्रस्टल प्रक्रियाओं, दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (आरईई) और लिथियम की खोज, परमाणु ईंधन, हाइड्रोजन ईंधन, सफेद हाइड्रोजन, भू-तापीय ऊर्जा और भू-अर्थशास्त्र से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए विशेषज्ञों और युवा वैज्ञानिकों को एकजुट करना था। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. सैबल गुप्ता (आईआईटी खड़गपुर) और डॉ. कौस्तव नाग (डीजीएच) उपस्थित थे।

आईआईटी खड़गपुर, जादवपुर विश्वविद्यालय और आंध्र विश्वविद्यालय सहित कई राष्ट्रीय संस्थानों के आमंत्रित वक्ताओं और युवा प्रतिभागियों के साथ-साथ भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और हाइड्रोजन महानिदेशालय के पेशेवरों द्वारा लगभग 50 एब्सट्रैक्ट प्रस्तुत किए गए। प्रस्तुतियों में रासायनिक और माइक्रोबियल संवर्धित तेल पुनर्प्राप्ति (mEOR) जैसे उन्नत तरीकों का भी पता लगाया गया।



सम्मेलन का समापन मुख्य अतिथि डॉ. कलाचंद सेन (वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी) और डॉ. सुकांत रॉय (बोरहोल जियोफिजिक्स रिसर्च लेबोरेटरी) द्वारा संबोधित एक समापन सत्र के साथ हुआ, जिन्होंने भारत के ऊर्जा भविष्य को सुरक्षित करने में पृथ्वी की सामग्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में कुल 150 लोग उपस्थित थे और इसे व्यापक रूप से एक सामयिक और मूल्यवान सीखने का अनुभव माना गया।

## प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "ट्रेंड्स इन केमिकल, एनर्जी एंड एन्वायरनमेंटल इंजीनियरिंग - (ChemEEE-2024)"

आईआईपीई के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग ने 19-21 फरवरी, 2024 तक पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ChemEEE की मेजबानी सम्मेलन ने सभी नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के लिए पर्यावरण की दृष्टि से सौम्य प्रगति के महत्व पर प्रकाश डाला और यह जिम्मेदारी शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और उद्योग के पेशेवरों पर डाली। मुख्य भाषण प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा दिए गए, जिनमें प्रो. सुधास्वत बसु (आईआईटी दिल्ली), प्रो. नागेश्वर राव पीला (आईआईटी गुवाहाटी), प्रो. शिव मोहन रेड्डी (आईआईटी रूड़की), प्रो. रमेश गोयल (यूटा विश्वविद्यालय),

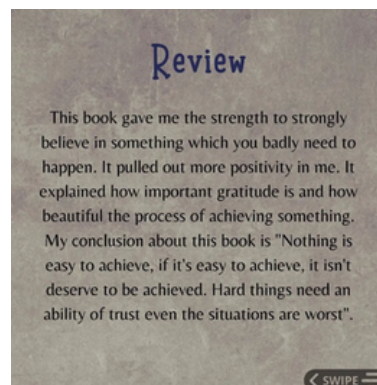


प्रो. तन्मय बसाक (आईआईटी मद्रास), और प्रो. वेंकट वेंकट सुब्रमण्यन (कोलंबिया विश्वविद्यालय, यूएसए)। सम्मेलन में डॉ. रेस्मी सुरेश (शेल इंडिया) और डॉ. संदीप कुलकर्णी (आईआईटी खड़गपुर) जैसे उद्योग विशेषज्ञों के मुख्य भाषण भी शामिल थे। कई प्रस्तुतियाँ विभिन्न आईआईटी के प्रतिष्ठित प्रोफेसरों और पीएचडी विद्वानों की ओर से आई, जिन्होंने केमिकल इंजीनियरिंग, ऊर्जा और पर्यावरण इंजीनियरिंग रुझानों पर चर्चा को समृद्ध किया।

## साहित्य एवं संचार क्लब (LITCOM): स्पर्धाएँ

### पुस्तक समीक्षा (19 जून 2023)

छात्रों की सहभागिता को प्रोत्साहित करने और साहित्यिक चर्चाओं को बढ़ावा देने के लिए, LITCOM ने छात्रों द्वारा भेजी गई पुस्तक समीक्षाओं को अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपलोड करके एक गतिशील अभियान शुरू किया। यह पहल न केवल विविध साहित्यिक दृष्टिकोणों को प्रदर्शित करती है बल्कि छात्रों को अपने साथियों के साथ अपनी अंतर्दृष्टि और सिफारिशें साझा करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। सोशल मीडिया का लाभ उठाकर, LITCOM का लक्ष्य पाठकों के एक जीवंत समुदाय को बढ़ावा देना और छात्रों के बीच साहित्यिक अन्वेषण की संस्कृति को बढ़ावा देना है।



### स्वतंत्रता दिवस पर प्रश्नोत्तरीप्रतियोगिता (15 अगस्त 2023)



स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित क्विज़ प्रतियोगिता LITCOM द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम था। यह प्रतियोगिता भारत के इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों के बारे में प्रतिभागियों के ज्ञान का परीक्षण करने पर केंद्रित थी। स्वतंत्रता की भावना का जश्न मनाते हुए, प्रश्नोत्तरी ने छात्रों को एक उत्साही और शैक्षिक प्रतियोगिता में भाग लेते हुए देश की विरासत के बारे में अपनी समझ को गहरा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

### समूह चर्चा (7 सितंबर 2023)

लिटकॉम द्वारा आईआईपीई एसपीई स्टूडेंट चैप्टर के सहयोग से छात्रों के बीच संवाद को बढ़ावा देने और विचारों के आदान-प्रदान पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया। इस सत्र ने प्रतिभागियों को रुचि के विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा में शामिल होने के लिए एक मंच प्रदान किया। इसने आलोचनात्मक सोच, संचार कौशल और साथियों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया, जिससे समग्र सीखने के अनुभव और सामुदायिक जुड़ाव में वृद्धि हुई।

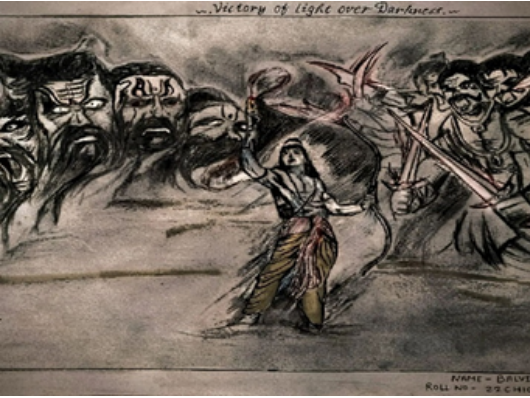


## शास्वत पर फ़िल्मी उत्साह (13 अक्टूबर 2024)

लिटकॉम के फ़िल्मी फ़्रेंज़ी, जो "शास्वत" का हिस्सा है, में सिनेमा और वेब श्रृंखला पर केंद्रित रोमांचक प्रतियोगिताएँ प्रदर्शित की गईं। इस कार्यक्रम में लोकप्रिय फिल्म दृश्यों और बीजीएम आदि पर आधारित फिल्म ट्रिविया क्विज़ जैसी प्रतियोगिताएँ शामिल थीं। इन गतिविधियों के माध्यम से, LITCOM का उद्देश्य छात्रों को रचनात्मक रूप से संलग्न करना और फिल्म निर्माण की कला का जश्न मनाना है, साथ ही विभिन्न क्लबों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में एक सिनेमाई स्वभाव जोड़ना है।



## दिवाली पर ड्राइंग इवेंट (13 नवंबर 2023)



लिटकॉम द्वारा दिवाली की थीम पर आयोजित ड्राइंग इवेंट ने प्रतिभागियों के बीच रचनात्मकता को जगाया। रोशनी के त्योहार की भावना को अपनाते हुए, छात्रों को दिवाली परंपराओं, उत्सवों और सांस्कृतिक तत्वों को दर्शाने वाले जीवंत दृश्यों को चित्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रतिभागियों की कलाकृतियाँ LITCOM के इंस्टा पेज पर अपलोड की गईं जिससे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म दिवाली से प्रेरित कलात्मक अभिव्यक्तियों की एक आभासी गैलरी में बदल गया। इस कार्यक्रम ने न केवल कलात्मक प्रतिभा को बढ़ावा दिया बल्कि डिजिटल माध्यमों से सांस्कृतिक विविधता और सामुदायिक जुड़ाव का भी जश्न मनाया।

## गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2024) पर आयोजित इंप्रोमेप्ट स्पीकिंग इवेंट

गणतंत्र दिवस पर LITCOM द्वारा आयोजित इंप्रोमेप्ट स्पीकिंग इवेंट में प्रतिभागियों के सहज वक्तृत्व कौशल का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम ने छात्रों को गणतंत्र दिवस के महत्व, देशभक्ति और राष्ट्रीय मूल्यों से संबंधित विषयों पर त्वरित भाषण देने की चुनौती दी। इसने छात्रों को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर अपनी त्वरित सोच, वाक्पटुता और ज्ञान की गहराई का प्रदर्शन करने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान किया। यह आयोजन गणतंत्र दिवस की भावना के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि थी।



## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर फिल्म पोस्टर निर्माण (8 मार्च 2024)



LITCOM ने 8 मार्च 2024 को एक फिल्म पोस्टर निर्माण कार्यक्रम के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। प्रतिभागियों ने फिल्मों के लिए पोस्टर डिज़ाइन किए जिनमें महिलाओं की उपलब्धियों, संघर्षों और कहानियों पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम ने दुनिया भर की महिलाओं की शक्तिशाली कहानियों का सम्मान करते हुए कलात्मक कौशल प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया। यह अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का एक रचनात्मक और सशक्त उत्सव था, जो हमारे प्रतिभागियों की प्रतिभा और समर्पण को दर्शाता है।

# खेल और क्रीड़ा



आईआईपीई की खेल और खेल समिति एक छात्र-नेतृत्व वाला संगठन है जो कॉलेज परिसर के भीतर विभिन्न खेलों और मनोरंजक गतिविधियों को बढ़ावा देने और आयोजित करने के लिए जिम्मेदार है। समिति का मुख्य उद्देश्य कॉलेज के छात्रों के बीच शारीरिक फिटनेस, टीम वर्क और समग्र कल्याण को प्रोत्साहित करना है। खेल और खेल समिति छात्रों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने, नेतृत्व कौशल विकसित करने और छात्र समुदाय के बीच खेल कौशल और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है। यह समग्र परिसर जीवन अनुभव में भी योगदान देता है और छात्रों को शिक्षा और शारीरिक फिटनेस के बीच एक स्वस्थ संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

## 9वीं सीनियर ए.पी. (राज्य-स्तरीय) टेनिस बॉल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2023-24 (9-10 मई, 2023)

5 अगस्त से 5 सितंबर, 2023 तक, IIPE ने 9वीं सीनियर ए.पी. (राज्य-स्तरीय) टेनिस बॉल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2023-24 में गर्व से भाग लिया। राज्य भर से शीर्ष स्तरीय प्रतिभागियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रसिद्ध इस कार्यक्रम में आईआईपीई के नौ समर्पित सदस्यों ने असाधारण कौशल और दृढ़ संकल्प के साथ प्रतिस्पर्धा की। उल्लेखनीय टीम वर्क और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए, आईआईपीई टूर्नामेंट में आगे बढ़ा और अंततः उपविजेता स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि आईआईपीई टीम की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो उनकी खेल यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

## अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2023)



21 जून, 2023 को, आईआईपीई ने सक्रिय भागीदारी के साथ उत्साहपूर्वक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत एक स्वागत भाषण के साथ हुई जिसमें मानसिक और शारीरिक कल्याण के लिए योग के महत्व पर जोर दिया गया। अनुभवी योग प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को आसन और प्राणायाम अभ्यासों की एक श्रृंखला के माध्यम से मार्गदर्शन किया, जिससे विश्राम और दिमागीपन को बढ़ावा मिला। सत्र ने उपस्थित लोगों के बीच एकता और कायाकल्प की भावना को बढ़ावा दिया, जिससे समग्र स्वास्थ्य के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

## राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त, 2023) के अवसर पर 2K मैराथन

भारत के महानतम फील्ड हॉकी खिलाड़ियों में से एक मेजर ध्यानचंद की जयंती के सम्मान में हर साल 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर 29 अगस्त को आरके बीच रोड विशाखापत्तनम में 2 किमी की दौड़ रखी गयी।





## आईआईपीई इंद्रा स्पोर्ट्स मीट 2023 (28 सितंबर - 1 अक्टूबर 2023)

छात्रों के बीच शारीरिक फिटनेस, टीम भावना और खेल कौशल को बढ़ावा देने के लिए, आईआईपीई की खेल और खेल समिति ने 28 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2023 तक ए.यू. के खेल मैदान में 4 दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस आयोजन में छात्रों के लिए कुल 10 कार्यक्रम और कर्मचारियों के लिए 5 कार्यक्रम शामिल थे, जिनमें क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल और बैडमिंटन जैसे खेल शामिल थे। 2020-2024 का यूजी बैच मीट का समग्र विजेता बनकर उभरा। इस पहल ने छात्रों और कर्मचारियों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में शामिल होने के लिए एक मंच प्रदान किया और आईआईपीई समुदाय के भीतर सौहार्द की भावना को बढ़ावा दिया।



## आईआईएम-विशाखापत्तनम क्रिकेट और फुटबॉल फ्रेंडली मैच (28 अक्टूबर 2023)

आईआईपीई को मैत्रीपूर्ण क्रिकेट और फुटबॉल मैचों की श्रृंखला के लिए आईआईएम-विशाखापत्तनम में आमंत्रित किए जाने पर खुशी हुई। इस आयोजन से दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच सौहार्द और खेल भावना को बढ़ावा मिला। क्रिकेट और फुटबॉल दोनों मैचों में कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें प्रतिभागियों की एथलेटिक क्षमता और टीम भावना का प्रदर्शन हुआ।



मैत्रीपूर्ण मुलाकातों ने छात्रों को शैक्षणिक क्षेत्र से परे अनुभवों को साझा करने और साझा करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। इस पहल ने न केवल आईआईपीई और आईआईएम-विशाखापत्तनम के बीच संबंधों को मजबूत किया, बल्कि टीम वर्क और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने में खेल के महत्व पर भी प्रकाश डाला।



## अखिल भारतीय विश्वविद्यालय (एआईयू) स्पोर्ट्स मीट में भागीदारी

### एआईयू कबड्डी (पुरुष) (9वीं - 12 नवंबर 2023)

संस्थान के छात्रों ने वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर में 09-12 नवंबर, 2023 तक आयोजित एआईयू कबड्डी टूर्नामेंट, साउथ जोन में भाग लिया। इस प्रतिष्ठित एआईयू स्पोर्ट्स मीट में 12 छात्रों ने आईआईपीई का प्रतिनिधित्व किया। प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया, अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।



### एआईयू बैडमिंटन (पुरुष) (19 - 24 दिसंबर 2023)

संस्थान के छह छात्रों ने वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर में 19-24 दिसंबर, 2023 तक आयोजित एआईयू टूर्नामेंट, साउथ जोन में भी भाग लिया।

### GITAM प्रीमियर लीग भागीदारी (5 से 9 जनवरी 2024)



जीआईटीएम विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम द्वारा आयोजित जीआईटीएम प्रीमियर लीग 2024, 5 से 9 जनवरी, 2024 तक आयोजित किया गया, जिसमें संस्थान के छात्रों की सक्रिय भागीदारी दे रही। बास्केटबॉल, क्रिकेट और बैडमिंटन में प्रतिस्पर्धा करते हुए, छात्रों ने अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। बैडमिंटन पुरुष एकल प्रतिनिधि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस कार्यक्रम ने लीग में सफल भागीदारी को चिह्नित करते हुए आईआईपीई छात्रों की खेल प्रतिभा और टीम भावना पर प्रकाश डाला।

### आईआईपीई-प्रीमियर लीग सीज़न 2 (दूसरा - 3 मार्च 2024)

आईआईपीई प्रीमियर लीग, संस्थान में एक वार्षिक क्रिकेट कार्यक्रम, में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। इस वर्ष लीग 2 और 3 मार्च, 2024 को आयोजित की गई थी, जिसमें 114 छात्र खिलाड़ी और 11 छात्र कमेंटेटर शामिल थे, जिससे परिसर में आईपीएल-शैली क्रिकेट का उत्साह आया। यह आयोजन बेहद सफल रहा, जिसका सभी उपस्थित लोगों ने आनंद उठाया।





## अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियाँ (ईएए)

### आईआईपीई स्थायी परिसर में 2019 बैच के छात्रों द्वारा वृक्षारोपण

8 मई 2023 को स्थायी परिसर में एक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया जहाँ 2019-2023 बैच के छात्रों द्वारा पौधे लगाए गए।

### डेस्पेडिडा: द फेयरवेल फिएस्टा

सांस्कृतिक समिति ने 30 अप्रैल 2023 को बैच 2019-2023 के निवर्तमान छात्रों के लिए विदाई कार्यक्रम, डेस्पेडिडा 2K23 का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान पासिंग आउट बैच द्वारा और उसके लिए गायन, नृत्य, भाषण और ओपन माइक जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

### 77वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त 2023 को आईआईपीई के अस्थायी परिसर में 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। माननीय निदेशक ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और छात्रों, कर्मचारियों और संकाय को संबोधित किया। कार्यक्रम के बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जहाँ छात्रों ने देशभक्ति गीत, भाषण और कविता पाठ प्रस्तुत किया, जिससे छात्रों में राष्ट्रवाद की भावना पैदा हुई।



### क्रोएसो: द फ्रेशर्स फिएस्टा



आईआईपीई की सांस्कृतिक समिति ने बी.टेक और एमएससी के नए प्रवेशित बैचों के लिए फ्रेशर्स पार्टी के छठे संस्करण क्रोएसो 6.0 का आयोजन किया। 9 सितंबर 2023 को छात्र। इस कार्यक्रम में गायन और नृत्य से लेकर फैशन वॉक और टैलेंट हंट जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे।

### हिंदी पखवाड़ा - 2023

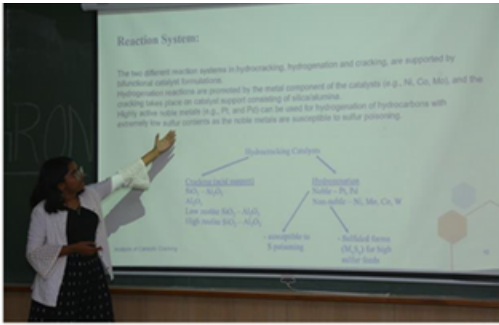
संस्थान के राजभाषा (राजभाषा) विभाग ने 16 से 30 सितंबर, 2023 तक उत्साहपूर्वक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जिसमें संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के लिए विभिन्न कार्यक्रम शामिल थे। सभी प्रतिभागियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए इन कार्यक्रमों को हिंदी और गैर-हिंदी श्रेणियों में विभाजित किया गया था। प्रतियोगिताओं में हिंदी शब्दावली, हिंदी पत्र लेखन, चंद्रयान -3 पर सामान्य ज्ञान, हिंदी गीत गायन, वाद-विवाद और स्वरचित कविताओं का पाठ शामिल था। सभी श्रेणियों के प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्रदान किए गए। निदेशक, आईआईपीई ने 26 अक्टूबर 2023 को विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए।





## शास्वत: आईआईपीई का वार्षिक राष्ट्रीय स्तर का तकनीकी-सांस्कृतिक उत्सव

संस्थान ने 13 से 15 अक्टूबर, 2023 तक अपने राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी-सांस्कृतिक उत्सव, शास्वत 2k23 की मेजबानी की। सांस्कृतिक और तकनीकी गतिविधियों का एक उल्लेखनीय मिश्रण, इस कार्यक्रम में उत्साही भागीदारी और उच्च उत्साह देखा गया। शास्वत 2k23 ने तकनीकी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला को सफलतापूर्वक एक साथ लाया, जिससे छात्रों को अपने कौशल और रचनात्मकता का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। हाइब्रिड मोड में आयोजित, शास्वत 2k23 ने 1500 से अधिक प्रतिभागियों को रिकॉर्ड किया, जिसमें भौतिक उपस्थिति और आभासी जुड़ाव दोनों शामिल थे, जिससे यह एक यादगार और प्रभावशाली उत्सव बन गया। उत्सव में प्रतिभागियों की रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला की मेजबानी की गई। इसने इसे सभी उत्साही लोगों, कलाकारों, छात्रों और प्रौद्योगिकी और संस्कृति के प्रतिच्छेदन से जुड़े लोगों के लिए एक अनूठा, फिर भी आकर्षक आयोजन बना दिया। आयोजनों में शामिल हैं: बीट ब्रॉल, टोन्स ऑफ़ टाइटन्स, शटर शोडाउन, हेडशॉट हीरोज, ईएमओ स्प्लैश, फ़िल्मी फ़्रेंज़ी, बैंड वॉर्स और फ़ैशन फ़िएस्टा।



तकनीकी कार्यक्रम एक प्रमुख आकर्षण थे, जिसमें विविध प्रकार की प्रतियोगिताएं शामिल थीं। "पिच बैटल", एक व्यावसायिक विचार पिचिंग प्रतियोगिता, ने अपने उद्यमशीलता कौशल का प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक नवोन्मेषी दिमागों को आकर्षित किया। "रोबो रंबल", एक मैकेनिकल रोबोटिक्स फाइटिंग प्रतियोगिता, ने गहन और रणनीतिक रोबोट लड़ाइयों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। "हाएल-ए-मौसम", एक जलवायु परिवर्तन मामले का अध्ययन प्रतियोगिता, जिसमें प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दों को संबोधित करने में शामिल किया गया।

"सेरेब्रल फ्लेक्स" क्विज़ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के व्यवसाय और प्रौद्योगिकी और बहुत कुछ के ज्ञान का परीक्षण किया गया। तीन दिनों तक परिसर उत्साह और बौद्धिक उत्साह से गुलजार रहा। तकनीकी कौशल और सांस्कृतिक जीवंतता के सहज मिश्रण ने शास्वत 2k23 को एक यादगार कार्यक्रम बना दिया, जिसने भविष्य के संस्करणों के लिए एक उच्च मानक स्थापित किया।

## संस्थान का 8वाँ स्थापना दिवस समारोह

आईआईपीई ने 20 अक्टूबर 2023 को अपना 8वां स्थापना दिवस मनाया, जिसमें थर्मैक्स लिमिटेड के हेड-टेक्नोलॉजी डॉ. वी. कल्याणरमन सम्मानित अतिथि थे। डॉ. वी. कल्याणरमन ने "सतत जल समाधान और अपशिष्ट से धन का उत्पादन" विषय पर व्याख्यान दिया। सर्वश्रेष्ठ संकाय 2023 के लिए डॉ. वेंकट रेड्डी और सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी 2023 के लिए श्री के. नागेश को पुरस्कार प्रदान किए गए। मेधावी छात्रों को भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रदर्शन, अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार, खेल प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण और शास्वत 2K23 विजेताओं की मान्यता शामिल थी। आईआईपीई समिति के सदस्यों को भी प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।



## राष्ट्रीय एकता दिवस - 2023

महान स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल की याद में, जिन्होंने अपने राजनेता कौशल से देश को एकजुट किया, आईआईपीई ने राष्ट्रीय एकता दिवस या राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया और महान नेता को श्रद्धांजलि दी और शपथ ग्रहण समारोह 31 अक्टूबर 2023 को आयोजित किया गया।



## 75वां गणतंत्र दिवस समारोह



संस्थान ने 26 जनवरी 2024 को IIPE में 75वां गणतंत्र दिवस मनाया। माननीय निदेशक ने झंडा फहराया और आईआईपीई बिरादरी को संबोधित किया।

इस कार्यक्रम में छात्रों के मार्च पास्ट और देशभक्तिपूर्ण हस्ताक्षर और भाषण शामिल थे।

## "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग" पर सेमिनार

01 मार्च 2024 को टेक्निकल सोसाइटी ने छात्रों के लिए एक ज्ञानवर्धक सेमिनार का आयोजन किया। "एआई का भविष्य: रुझान, नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियां" शीर्षक वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के गतिशील परिदृश्य को उजागर करना है। सेमिनार में एक प्रमुख भारतीय एआई स्टार्टअप, "every-ai.com" के सीईओ उपस्थित थे।



250 से अधिक उत्साही प्रतिभागी एक इंटरैक्टिव प्रस्तुति में शामिल हुए जिसके बाद एक प्रेरक प्रश्नोत्तर सत्र हुआ। इस कार्यक्रम ने एआई में अत्याधुनिक प्रगति और विभिन्न उद्योगों में उनके परिवर्तनकारी प्रभावों का पता लगाने के लिए एक असाधारण मंच प्रदान किया।

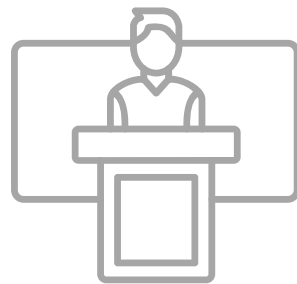
## आईआईपीई ने क्रिप्टोवर्सिटी प्रतियोगिता में जीत हासिल की



आईआईपीई के छात्रों ने 3 जून से 10 जून तक आयोजित क्रिप्टोवर्सिटी - प्रीमियर इंडियन यूनिवर्सिटी छात्र प्रतियोगिता में अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया। रुस्तू ऐप का उपयोग करके आईआईपीई छात्रों ने भारत भर के शीर्ष विश्वविद्यालय के दिमागों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की। इस आयोजन में 500 यूएसडीटी ट्रेडर पुरस्कार पूल और एक अतिरिक्त 300 यूएसडीटी कॉलेज क्लब पुरस्कार पूल शामिल था। आईआईपीई के मजबूत प्रतिनिधित्व के परिणामस्वरूप 6 छात्रों ने प्रथम और तृतीय स्थान सहित शीर्ष स्थान हासिल किया, जिससे संस्थान को मान्यता और गौरव मिला।

इस प्रतियोगिता ने न केवल क्रिप्टोकॉरेसी ट्रेडिंग में मूल्यवान अनुभव प्रदान किया, बल्कि आईआईपीई के छात्रों के कौशल और समर्पण को भी उजागर किया, जो तकनीकी समाज और विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।





**प्रोफेसर शालिवाहन  
निदेशक**  
**पेट्रोलियम इंजीनियरिंग और पृथ्वी विज्ञान विभाग**



**प्रोफेसर विजय कुमार कोप्पारापु**  
प्रोफेसर



**डॉ. दीपक अंबन मिश्र**  
एसोसिएट प्रोफेसर



**डॉ. हिमांशु ककाती**  
एसोसिएट प्रोफेसर



**डॉ. रजत जैन**  
एसोसिएट प्रोफेसर



**डॉ. रंजन प्रमाणिक**  
एसोसिएट प्रोफेसर



**डॉ. शिवशंकर पी.**  
असिस्टेंट प्रोफेसर



**डॉ. गीतांजलि चौहान**  
असिस्टेंट प्रोफेसर



**डॉ. रोशन कुमार सिंह**  
असिस्टेंट प्रोफेसर



**डॉ. नीलांजन पाल**  
असिस्टेंट प्रोफेसर

## रसायन अभियांत्रिकी विभाग



**डॉ. शेषगिरी राव अंबाती**  
प्रोफेसर



**डॉ. वेंकट रेड्डी पी**  
एसोसिएट प्रोफेसर



**डॉ. हेमन्त कुमार तन्नरु**  
एसोसिएट प्रोफेसर

## फैकल्टी



डॉ. राका मंडल  
असिस्टेंट प्रोफेसर



डॉ. दीपांकर पाल  
असिस्टेंट प्रोफेसर



डॉ. मंडपका रवि किरण  
असिस्टेंट प्रोफेसर



डॉ. बल्ला मौनिका  
असिस्टेंट प्रोफेसर



डॉ. कुराडा वेंकट कृष्णाश्री  
असिस्टेंट प्रोफेसर



डॉ. रवि कुमार सोनवानी  
असिस्टेंट प्रोफेसर



डॉ. श्रीधर पल्ला  
असिस्टेंट प्रोफेसर

## यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग



डॉ. अरुण कुमार पुजारी  
एसोसिएट प्रोफेसर



डॉ. सी. वीरभद्र राव  
एसोसिएट प्रोफेसर



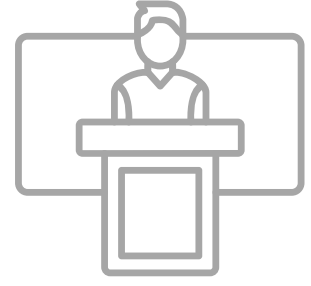
डॉ. गेद्दादा नागेश  
असिस्टेंट प्रोफेसर



डॉ. शेरोन एच.  
असिस्टेंट प्रोफेसर



डॉ. संतोष कुमार सेनापति  
असिस्टेंट प्रोफेसर



## मानविकी और विज्ञान विभाग



डॉ. सोमनाथ घोष  
एसोसिएट प्रोफेसर



डॉ. पोलामारसेट्टी अपारॉय  
एसोसिएट प्रोफेसर



डॉ. रामुनायडू रंधी  
एसोसिएट प्रोफेसर



डॉ. सीएच. गुप्ता चंदलुरी  
असिस्टेंट प्रोफेसर

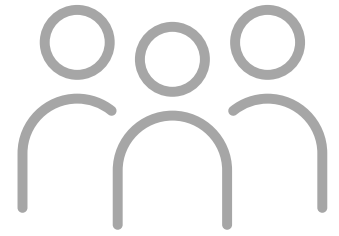


डॉ. समला रथन  
असिस्टेंट प्रोफेसर





## गैर-शिक्षण अधिकारी एवं कर्मचारी



श्री रामफल द्विवेदी  
कुलसचिव



डॉ. बी. मुरलीकृष्ण  
उप-कुलसचिव



डॉ. जितेंद्र कुमार  
उप-पुस्तकालयाध्यक्ष



श्री जीनियस संजोग  
तकनीकी अधिकारी (आईटी सिस्टम)  
(14.12.2023 को कार्यमुक्त किया गया)



श्री वेंकट रवि कृष्णा टी.  
तकनीकी अधिकारी (आईटी सॉफ्टवेयर)  
(02.02.2024 को कार्यमुक्त किया गया)



श्री सन्यासिनायदु पैला  
कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी  
(आईटी सॉफ्टवेयर)



श्री के. रामकृष्ण  
कार्यालय अधीक्षक



श्रीमती एस.एन.वी. सरिता  
अधीक्षक (निदेशक के सचिव)  
(02.06.2023 को कार्यमुक्त किया गया)



श्रीमती सी.एच. कालिकादेवी  
अधीक्षक (लेखा)

## गैर-शिक्षण अधिकारी एवं कर्मचारी



श्री जी शिव कुमार  
सहायक इंजीनियर (सिविल)



श्री के. नागेश  
सहायक इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल)



श्री वाई. रामाराव  
अकाउंटेंट



श्री एन मिथुन बाबू  
कनिष्ठ सहायक  
(23.06.2023 को कार्यमुक्त)



श्री बिद्यधोरो माझी  
कनिष्ठ सहायक



श्री सुरेंद्र रत्नाला  
कनिष्ठ सहायक



श्री यू. रामबाबू  
कनिष्ठ सहायक



श्री एन अप्पला मूर्ति  
कनिष्ठ सहायक



श्री सत्यप्रसाद येर्रा  
लैब असिस्टेंट (रसायन अभियांत्रिकी)



श्री सोमेश कट्टा  
प्रयोगशाला सहायक.  
(सीएसई)



श्री गोरू लक्ष्मी पापा राव  
प्रयोगशाला सहायक  
(पेट्रोलियम इंजीनियरिंग)



श्री एन प्रवीण कुमार  
प्रयोगशाला सहायक.  
(पेट्रोलियम इंजीनियरिंग)



श्री ई. निखिल कुमार  
प्रयोगशाला सहायक  
(यांत्रिकी अभियांत्रिकी)  
(30.01.2024 को कार्यमुक्त)



श्री सतनजी पांडे  
कुलसचिव के सचिव  
(30.08.2023 को कार्यमुक्त)





## खातों का वार्षिक विवरण वित्तीय वर्ष - 2023-24








भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान विशाखापत्तनम

31 मार्च 2024 तक तुलन पत्र			
(राशि ₹ में)			
निधियों का स्रोत	अनुसूची	वर्तमान वर्ष (वित्तीय वर्ष 2023-2024)	विगत वर्ष (वित्तीय वर्ष 2022-2023)
कॉर्पस/पूंजी निधि	1	249,02,35,646	274,15,17,215
नामित/एंडोमेंट निधि	2	430,07,54,880	400,00,00,000
वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान	3	93,62,02,497	5,22,91,972
कुल		<b>772,71,93,023</b>	<b>679,38,09,187</b>
निधियों का अनुप्रयोग			
अचल संपत्तियाँ	4	94,27,19,080	76,18,52,589
मूर्त संपत्ति		32,69,67,454	22,05,54,403
अमूर्त संपत्ति		1,53,82,262	53,12,170
पूंजीगत चालू कार्य		60,03,69,364	53,59,86,016
निर्धारित/एंडोवमेंट निधि से निवेश	5	428,25,54,796	421,95,69,734
अन्य निवेश	6	120,62,96,611	141,48,49,520
वर्तमान संपत्ति	7	7,21,57,323	39,11,40,893
ऋण, अग्रिम और जमा	8	122,34,65,213	63,96,451
कुल		<b>772,71,93,023</b>	<b>679,38,09,187</b>
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
खातों पर नोट्स	24		

  
(च. कालिका देवी)  
अधीक्षक (लेखा)

  
(श्री राम फल द्विवेदी)  
कुल सचिव

  
(प्रोफेसर शालिवाहन)  
निदेशक

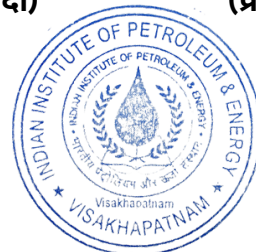


भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान विशाखापत्तनम

31-03-2024 को समाप्त वर्ष का आय एवं व्यय खाता			
(राशि ₹ में)			
निधियों का स्रोत	अनुसूची	वर्तमान वर्ष (वित्तीय वर्ष 2023-2024)	विगत वर्ष (वित्तीय वर्ष 2022-2023)
<b>अ. आय</b>			
अकादमिक प्राप्तियाँ	9	4,85,99,969	6,27,42,445
अनुदान/सब्सिडी	10	-	-
निवेश से आय	11	35,66,48,764	22,67,75,517
अर्जित ब्याज	12	1,13,516	78,850
अन्य आय	13	43,90,541	76,85,358
पूर्व अवधि की वस्तुएँ	14	-	-
<b>कुल (अ)</b>		<b>40,97,52,790</b>	<b>29,72,82,170</b>
<b>ब. व्यय</b>			
कर्मचारी भुगतान तथा लाभ (स्थापना व्यय)	15	11,97,27,812	10,86,94,020
अकादमिक व्यय	16	3,15,72,705	5,54,54,461
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	6,64,87,913	5,19,15,401
परिवहन खर्च	18	52,49,520	64,08,271
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	20,80,714	27,45,800
वित्त लागत	20	14,784	11,896
मूल्यहास	4	6,64,80,688	6,97,489
अन्य व्यय	21	-	-
पूर्व अवधि व्यय	22	9,53,842	-
<b>कुल (ब)</b>		<b>29,25,67,978</b>	<b>22,59,27,338</b>
<b>व्यय से आय की अधिकता (अ-ब)</b>		<b>11,71,84,812</b>	<b>7,13,54,832</b>
जोड़: पूंजीगत निधि पर लगाया गया मूल्यहास		6,64,80,688	-
<b>कुल</b>		<b>18,36,65,500</b>	
स्थानांतरण किया गया :			
एंडोवमेंट कोष		7,00,10,569	-
आंतरिक कॉर्पस फंड		11,36,54,931	3,38,58,172
शेष राशि का अतिरिक्त/घाटा पूंजी निधि में ले जाया गया।		-	3,74,96,660
<b>कुल</b>		<b>18,36,65,500</b>	<b>7,13,54,832</b>

*Kalika Devi*  
(च. कालिका देवी)  
अधीक्षक (लेखा)

*Ram Lal Divedi*  
(श्री राम फल द्विवेदी)  
कुल सचिव



*Shalivahan*  
(प्रोफेसर शालिवाहन)  
निदेशक



# पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (एस.ए.आर.) वित्तीय वर्ष - 2023-24





**भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग**  
**महानिदेशक वाणीज्यक लेखापरीक्षा का कार्यालय, हैदराबाद**

संख्या: पीसीडीए/ए/सी.डेस्क/आईआईपीई/2023-24/1.77

दिनांक: 22 नवंबर 2024

सेवा में,

सचिव,  
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार  
शास्त्री भवन  
नई दिल्ली-110001

**विषय:** - वर्ष 2023-24 के लिए भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, विशाखापत्तनम के खातों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

मैं, गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी के बाद संसद के समक्ष रखने के लिए वर्ष 2023-24 के लिए पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (एस.ए.आर) की एक प्रति अग्रेषित करता हूं और उपरोक्त दस्तावेजों को अपनाने के लिए इस सम्बन्ध में एक प्रस्ताव पारित किया गया है। संस्थान द्वारा प्रस्तुत उत्तरों पर विचार करने के बाद पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को अंतिम रूप दिया गया है। इसकी एक प्रति सूचना और आवश्यक कार्रवाई के लिए निदेशक, भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, विशाखापत्तनम को भी भेजी गई है।

कृपया इस कार्यालय को मुद्रित वार्षिक प्रतिवेदन की दो प्रतियां, जिनमें संसद में प्रस्तुत किए जाने की तारीखों के साथ संसद में रखे गए उपरोक्त दस्तावेज हों उपलब्ध कराई जाएं।

आपका विश्वासी,

एसडी/-

(वी.एम.वी. नवल किशोर)  
प्रधान निदेशक



पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की एक प्रति भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, द्वितीय तल, मुख्य बिल्डिंग, एयूसीई, एयू उत्तरी परिसर विशाखापत्तनम के निदेशक को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु इस जानकारी के साथ अग्रेषित किया गया है कि दस्तावेजों को बोर्ड द्वारा अपनाया जा सकता है और संसद में रखे जाने के लिए सरकार को भेजने से पहले प्रस्ताव पारित किया जा सकता है। उपरोक्त दस्तावेजों के साथ मुद्रित वार्षिक प्रतिवेदन की दो प्रतियां और इस संबंध में पारित प्रस्ताव की एक प्रति कृपया इस कार्यालय को प्रस्तुत की जाए।

हस्ताक्षरित

(वी.एम.वी. नवल किशोर)  
प्रधान निदेशक

## 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, विशाखापत्तनम के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1. हमने 31 मार्च 2024 तक भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान (आई.आई.पी.ई.), विशाखापत्तनम की संलग्न बैलेंस शीट और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए संबंधित आय और व्यय खाते नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) एवं भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 27 के साथ पढ़ा जाए के तहत ऑडिट किया है। ये वित्तीय विवरण आई.आई.पी.ई. के प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना है।

2. इस पृथक ऑडिट रिपोर्ट में केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं के अनुरूप, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन उपचार पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ शामिल हैं। कानून, नियमों और विनियमों (औचित्य और नियमितता) और दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर ऑडिट टिप्पणियाँ यदि, कोई हों, तो निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट के माध्यम से अलग से रिपोर्ट की जाती हैं।

3. हमने अपना ऑडिट भारत में आम तौर पर स्वीकृत ऑडिटिंग मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए ऑडिट की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि वित्तीय विवरण वस्तु के गलत विवरण से मुक्त हैं या नहीं। एक ऑडिट में परीक्षण के आधार पर वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले साक्ष्य की जांच करना शामिल है। ऑडिट में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा मानना है कि हमारा ऑडिट हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करता है।

### 4. हमारे ऑडिट के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:

- (i) हमने वे सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारे ऑडिट के उद्देश्य के लिए आवश्यक थे।
- (ii) इस रिपोर्ट से संबंधित बैलेंस शीट एवं आय और व्यय खाता शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार तैयार किया गया है।
- (iii) हमारी राय में, और नीचे दी गई हमारी टिप्पणियों के अधीन आईआईपीई अधिनियम, 2017 की धारा 27 के तहत आवश्यक खातों के लेखा विवरण और जहां तक ऐसे लेखों की हमारी जांच से ऐसा प्रतीत होता है कि अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, विशाखापत्तनम द्वारा बनाए रखा गया है।
- (iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

## खातों पर टिप्पणियाँ

### अ.1 बैलेंस शीट

#### अ.1.1 वर्तमान देनदारियां और प्रावधान (अनुसूची-3): ₹93.62 करोड़

31 मार्च 2024 तक, भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, विशाखापत्तनम के पास ₹76.26 करोड़ की अप्रयुक्त पूंजी अनुदान उपलब्ध थी। हालाँकि यह राशि फिक्स्ड डिपॉजिट के तहत रखी गई थी और संस्थान इस पर लगभग 7 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज कमा रहा था।, भारत सरकार को देय ब्याज की गणना संस्थान द्वारा बचत बैंक खाते के लिए लागू 3 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से की गई थी। भारत सरकार को देय ब्याज की कम गणना लगभग 4 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ₹3.05 करोड़ की गणना की गई। इसके परिणामस्वरूप वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों और व्यय को ₹3.05 करोड़ से कम बताया गया जिसके परिणामस्वरूप व्यय पर आय की अधिकता को उसी राशि से अधिक बताया गया।

#### अ.1.2 अचल संपत्ति (अनुसूची-4): ₹94.27 करोड़

##### कंप्यूटर सॉफ्टवेयर: ₹0.45 करोड़

संस्थान को लैंडमार्क टेक्नोलॉजी होल्डिंग्स, आईएनसी. (हॉलिबर्टन) से \$2.89 मिलियन अमेरिकी डॉलर (यानी 14 जून 2023 को ₹82.39 प्रति \$ विनिमय दर पर ₹238.00 करोड़) मूल्य का सॉफ्टवेयर लाइसेंस दान में मिला। सॉफ्टवेयर 14 जून 2023 को इंस्टॉल किया गया और इसका लाइसेंस 3 साल के लिए यानी 13 जून 2026 तक वैध है।

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के पैरा 3.3 के अनुसार, 'उपहार में दी गई/दान की गई संपत्ति का मूल्य जहां उपलब्ध हो वहां घोषित मूल्य पर किया जाता है; यदि उपलब्ध नहीं है तो संपत्ति की भौतिक स्थिति के संदर्भ में समायोजित वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर मूल्य का अनुमान लगाया जाता है। इन्हें कैपिटल फंड में क्रेडिट द्वारा स्थापित किया जाता है और संस्थान की अचल संपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है। मूल्यहास संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर लगाया जाता है। "

हालाँकि, सॉफ्टवेयर को एकाउंट्स की पुस्तकों में मान्यता नहीं दी गई थी। इसके परिणामस्वरूप अमूर्त संपत्ति (कंप्यूटर सॉफ्टवेयर) को ₹142.80 करोड़ कम बताया गया। कॉर्पस फंड को ₹238.00 करोड़ से कम बताया गया और मूल्यहास को ₹95.20 करोड़ कम बताया गया, जिसके परिणामस्वरूप 'व्यय पर आय की अधिकता को ₹95.20 करोड़<sup>1</sup> से अधिक बताया गया। कॉर्पस फंड को ₹238.00 करोड़ से कम बताया गया और मूल्यहास को ₹95.20 करोड़ कम बताया गया, जिसके परिणामस्वरूप 'व्यय पर आय की अधिकता' को ₹95.20 करोड़ से अधिक बताया गया।

#### अ.1.3 अचल संपत्तियां (अनुसूची-4): ₹94.27 करोड़

##### मूर्त संपत्ति: ₹32.70 करोड़

(अ) वर्ष 2022-23 के लिए अलग ऑडिट रिपोर्ट की टिप्पणी संख्या ए.2 का संदर्भ आमंत्रित किया गया है जिसमें कहा गया था कि संस्थान की लेखांकन नीति विशेष रूप से सरकारी अनुदान से बनाई गई संपत्तियों के संबंध में अपनाए गए 'दृष्टिकोण' को नहीं दर्शाता है जो है कि संस्थान द्वारा अपनाया गया

---

<sup>1</sup> 40% की दर से ₹238.00 करोड़ पर मूल्यहास की गणना की गई

लेखांकन मानक एएस-12 के तहत निर्दिष्ट किसी भी दृष्टिकोण के अनुरूप नहीं था।

वर्ष 2023-24 के दौरान संस्थान ने सरकारी अनुदान से निर्मित संपत्तियों के लेखांकन के लिए अपनाए जा रहे दृष्टिकोण का खुलासा नहीं किया था। इसके अलावा, संस्थान ने अनुसूची 23 का 3.7 (ii)- के अनुसार अपनी लेखांकन नीति पैरा में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, 'पिछले वर्ष तक, पूंजीगत अनुदान से खरीदी गयी परिसंपत्तियों पर मूल्यहास को आय में जमा किया गया था। इस प्रैक्टिस को बदल दिया गया है और इसे किसी परिसंपत्ति या आय पर प्रभावी नहीं किया गया था। "

हालाँकि, संस्थान ने पूंजीगत अनुदान से अर्जित संपत्ति पर मूल्यहास के लिए ₹6.65 करोड़ की राशि ली और उसी राशि को 'व्यय से अधिक आय' में जोड़ दिया। यह उपरोक्त लेखांकन नीति के विरोधाभासी है क्योंकि 'व्यय पर आय की अधिकता' में मूल्यहास की राशि को वापस जोड़ने का मतलब इसे केवल आय में जमा करना है। इसके अलावा, मूल्यहास का ऐसा व्यवहार उचित नहीं है क्योंकि आय में मूल्यहास के क्रेडिट पर विचार करने के बाद 'व्यय पर आय की अधिकता' पर पहुंच जाना चाहिए।

इसलिए, संस्थान ने न तो एएस-12 के अनुसार सरकारी अनुदान से निर्मित परिसंपत्तियों के लेखांकन के लिए अपनाए जा रहे दृष्टिकोण का खुलासा किया है और न ही ऐसी परिसंपत्तियों पर मूल्यहास का लेखांकन उपरोक्त किसी भी दृष्टिकोण के अनुरूप है।

**(ब)** एएस-5 का पैरा 32, अन्य बातों के साथ-साथ यह प्रावधान करता है कि लेखांकन नीति में किसी भी बदलाव के लिए, ऐसे बदलाव के परिणामस्वरूप होने वाले प्रभाव और ऐसे परिवर्तन के प्रभाव को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजन यदि महत्वपूर्ण हो उसको उस अवधि के वित्तीय विवरणों में दिखाया जाना चाहिए जिसमें ऐसा बदलाव किया गया है। हालाँकि, अनुसूची 23 के पैरा 3.7 (ii) के तहत बताए गए अनुसार सरकारी अनुदान से बनाई गई परिसंपत्तियों पर मूल्यहास प्रदान करने के लिए लेखांकन नीति में बदलाव के प्रभाव का संस्थान द्वारा खुलासा नहीं किया गया है।

#### **अ.1.4 अचल संपत्तियां (अनुसूची -4): ₹94.27 करोड़**

##### **पूंजी कार्य प्रगति पर: ₹60.04 करोड़**

निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद संस्थान ने 'कैपिटल वर्क्स इन प्रोग्रेस (सीडब्ल्यूआईपी)' के तहत संस्थान के नए परिसर में 4.2 किमी की चारदीवारी का निर्माण दिखाना जारी रखा। इसके परिणामस्वरूप सीडब्ल्यूआईपी (CWIP) को ₹600.30 लाख से अधिक बताया गया, मूर्त संपत्ति-निर्माण को ₹588.30 लाख से कम बताया गया और मूल्यहास को ₹12.00 लाख<sup>2</sup> से कम बताया गया जिसके परिणामस्वरूप 'व्यय पर आय की अधिकता' को ₹1 2.00 लाख से अधिक बताया गया।

---

<sup>2</sup>2 प्रतिशत की दर से ₹600.30 लाख पर मूल्यहास की गणना की गई।

## **ब. प्राप्ति एवं भुगतान खाता**

### **ब.1 प्राप्ति एवं भुगतान खाता जमा न करना**

संस्थान को शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित केंद्रीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए वित्तीय विवरण के प्रारूप के अनुसार एक प्राप्ति एवं और भुगतान खाता तैयार करना आवश्यक था। संस्थान द्वारा ऑडिट के लिए प्रस्तुत किए गए वार्षिक खातों में प्राप्ति एवं भुगतान खाता शामिल नहीं था जो बाद में ऑडिट समाप्त होने के बाद संस्थान द्वारा प्रदान किया गया था। चूंकि प्राप्ति एवं भुगतान खाता वार्षिक खातों के साथ लेखापरीक्षा को प्रस्तुत नहीं किया गया था इसलिए लेखापरीक्षा नकद लेनदेन को संचय आधारित लेनदेन के साथ समेटने में सक्षम नहीं थी।

## **स. लेखांकन नीतियां और प्रकटीकरण**

**स.1** अनुसूची 23 (महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां) के पैरा 3.7 के अनुसार अनुदान पर लेखांकन नीति में किए गए परिवर्तन और और अनुसूची 24 के पैरा 8 के तहत बताए गए अनुसार आय और व्यय के वर्गीकरण में परिवर्तन सीएजी की लेखा परीक्षा टिप्पणियों के आग्रह पर किए गए थे। हालांकि, यह देखा गया कि केवल आंध्र प्रदेश सरकार से मुफ्त में प्राप्त भूमि के संबंध में किया गया समायोजन CAG के ऑडिट अवलोकन के अनुसार किया गया था। लेखापरीक्षा द्वारा अन्य परिवर्तनों का सुझाव नहीं दिया गया।

**स.2** अनुसूची 3ए-प्रायोजित परियोजनाओं का संदर्भ आमंत्रित किया जाता है, जिसमें प्रत्येक कॉलम की कुल राशि को सही ढंग से दर्शाया नहीं गया है और 31 मार्च 2024 को समापन शेष की कुल राशि ₹2,07,00,202 को भी कॉलम के सामने नहीं दिखाया गया है।

**स.3** अनुसूची-4 (अचल संपत्तियां) का संदर्भ आमंत्रित किया गया जिसमें पूंजीगत कार्य प्रगति पर (साइट विकास) और पूंजीगत कार्य प्रगति (संपत्ति) को गलती से 'अमूर्त संपत्ति' शीर्षक के तहत जोड़ दिया गया था।

## **द. सहायता अनुदान**

वर्ष के दौरान, संस्थान ने अपने उपयोगिता प्रमाणपत्रों को संशोधित किया, जिससे पिछले वर्षों में किए गए पूंजीगत व्यय की राशि को पुनर्स्थापन किया गया, और पिछले वर्षों से अप्रयुक्त अनुदान की अग्रेषित शेष राशि को ₹136.54 करोड़ के रूप में पुनर्स्थापन किया गया। वर्ष 2023-24 के दौरान सहायता अनुदान के रूप में प्राप्त ₹90.00 करोड़ और पिछले वर्ष के ₹136.54 करोड़ के अग्रेषित शेष में से संस्थान ने वर्ष के दौरान ₹28.40 करोड़ खर्च किए और ₹121.88 करोड़ की राशि सीपीडब्ल्यूडी को स्थायी परिसर के निर्माण के लिए जमा की और वर्ष के अंत में ₹76.26 करोड़ का अप्रयुक्त अनुदान रह गया।

## **य. प्रबंधन पत्र**

जिन कमियों को ऑडिट रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी किये गए प्रबंधन पत्र के माध्यम से निदेशक, भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, विशाखापत्तनम के ध्यान में लाया गया है।



- (v) पिछले पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के आधार पर , हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा दिखाए गए बैलेंस शीट और आय और व्यय खाते, खातों की पुस्तकों के अनुरूप हैं।
- (vi) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों और खातों पर नोट्स के साथ पढ़े जाते हैं, और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और इस पृथक ऑडिट रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन हैं भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं:

(अ) जहां तक यह 31 मार्च 2024 तक भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, विशाखापत्तनम के मामलों की बैलेंस शीट से संबंधित है; और

(ब) जहां तक यह आय और व्यय खाते से संबंधित है वर्ष का बचत उस तारीख को समाप्त हुआ।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के  
लिए और उनकी ओर से

स्थान: हैदराबाद  
दिनांक: 22 नवंबर 2024

हस्ताक्षरित  
(वी.एम.वी. नवल किशोर)  
वाणिज्यिक लेखापरीक्षा के प्रधान निदेशक  
हैदराबाद

## अनुलग्नक

### 1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

आईआईपीई में कोई विशिष्ट आंतरिक लेखापरीक्षा विंग नहीं है। कार्यालय अधीक्षक को अपने स्वयं के कार्यों के अलावा आंतरिक लेखा परीक्षा के कार्य सौंपे गए हैं। आंतरिक ऑडिट केवल प्राप्तियों, भुगतानों आदि के प्री-ऑडिट तक ही सीमित है। एक ही व्यक्ति को दोनों जिम्मेदारियां सौंपे जाने से हितों का टकराव है यानी कार्यालय अधीक्षक और आंतरिक लेखा परीक्षा। इसलिए, आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली अपर्याप्त है।

### 2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता

बकाया भुगतानों के लेखांकन में चूक के कारण आंतरिक नियंत्रण तंत्र में कमी पाई गई, निवेश रजिस्ट्रों का अद्यतन न होना, अचल संपत्ति रजिस्टर के रखरखाव में कमियाँ, अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की अपर्याप्त प्रणाली और आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की अपर्याप्तता।

### 3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वर्ष के दौरान आईआईपीई द्वारा अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया। अचल संपत्ति रजिस्टर अद्यतन नहीं था और न ही सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित था। संस्था के आकार एवं व्यवसाय की प्रकृति के संबंध में अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली अपर्याप्त पाई गई।

### 4. इन्वेंटरी के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

संस्थान के पास कोई इन्वेंटरी नहीं है।

### 5. वैधानिक बकाया के भुगतान में नियमितता

संस्थान ने नियमित रूप से निर्धारित अवधि के भीतर सभी वैधानिक बकाया राशि का भुगतान कर दिया है।

हस्ताक्षरित

(वी.एम.वी. नवल किशोर)  
प्रधान निदेशक





VISAKHAPATNAM

विद्या प्रशस्यते लोके:

**भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान**  
**INDIAN INSTITUTE OF PETROLEUM AND ENERGY**

दूसरी मंजिल, मुख्य भवन  
एयू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विशाखापत्तनम - 530 003  
आंध्र प्रदेश, भारत







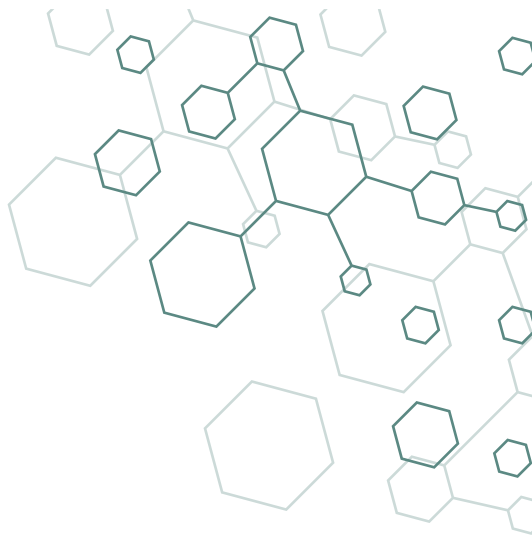
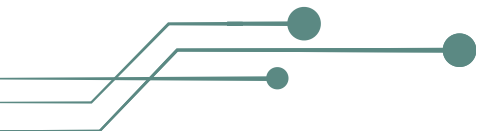


# वार्षिक प्रतिवेदन ANNUAL REPORT 2023-24

भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान  
विशाखापत्तनम

INDIAN INSTITUTE OF PETROLEUM AND ENERGY  
VISAKHAPATNAM





# Table of Contents



<b>Director's Desk</b>	<b>1 - 3</b>
<b>General Council</b>	<b>4</b>
<b>Board of Governors</b>	<b>5</b>
<b>Finance Committee</b>	<b>6</b>
<b>Building &amp; Works Committee</b>	<b>7</b>
<b>Senate</b>	<b>8</b>
<b>Administration</b>	<b>9</b>
<b>About IIPE</b>	<b>10 - 16</b>
<b>Academic Programmes</b>	<b>17 - 20</b>
<b>Departments</b>	<b>21 - 25</b>
<b>Library</b>	<b>26 - 31</b>
<b>Computer Centre</b>	<b>32 - 33</b>
<b>Students' Placement</b>	<b>34 - 37</b>
<b>Memorandum of Understanding</b>	<b>38</b>
<b>Research &amp; Development</b>	<b>39 - 53</b>
<b>Activities at IIPE</b>	<b>54 - 58</b>
<b>Sports &amp; Games</b>	<b>59 - 61</b>
<b>Extra Academic Activities (EAA)</b>	<b>62 - 64</b>
<b>Faculty</b>	<b>65 - 67</b>
<b>Non-Teaching Officers &amp; Staff</b>	<b>68 - 69</b>
<b>Annual Statement of Accounts</b>	<b>70 - 71</b>
<b>Separate Audit Report (SAR)</b>	<b>72 - 79</b>





## Director's Desk



I have a great pleasure to submit the Annual Report of the Indian Institute of Petroleum and Energy (IIPE) Visakhapatnam for the year 2023-24.

### Introduction

The Indian Institute of Petroleum and Energy (IIPE) was established by the Government of India under the aegis of Ministry of Petroleum and Natural Gas (MoP&NG) in 2016 in Visakhapatnam. This establishment, facilitated by provisions in the Andhra Pradesh Reorganization Act, 2014, was further solidified with the Indian Institute of Petroleum and Energy Act, 2017 (No. 3 of 2018), which declared IIPE an 'Institution of National Importance.' As the only government energy-centric institute, IIPE emphasizes research and education in energy.

### Vision

IIPE aligns with the vision of Atmanirbhar Bharat to achieve energy self-sufficiency in both renewable and non-renewable resources. By embracing the "PANCHAMRIT" solutions proposed by the Hon'ble Prime Minister of India, IIPE aims to transform India into a Global Energy Hub. The Institute also values the IKIGAI philosophy, which seeks to address global energy and climate challenges, thereby fostering prosperity.

### Campus Development

Currently, the Institute is operating from a transit campus at Andhra University, Visakhapatnam. IIPE has been allocated 201.80 acres land at Vangali Village, Sabbavaram Mandal. This permanent campus will feature advanced energy research facilities, including the Centre for Net Zero, Centre for Green Hydrogen, and a Hydrogen Testing and Validation Technology Centre, among others. The campus is expected to open for the academic year 2025-26, providing state-of-the-art infrastructure and research labs.

### Academic Programs and Student Strength

IIPE's academic offerings include B.Tech. programs in Chemical, Petroleum, and Mechanical Engineering, an M.Sc. in Applied Geology, and Ph.D. programs. The B.Tech. programs currently enroll 265 students, while 71 are pursuing Ph.D. programs, including 21 industry scholars. The M.Sc. in Applied Geology program has 16 students, during AY 2023-24.

### Graduating Class and Honors

The 2024 graduating class includes 58 B.Tech. students, with 32 from Chemical Engineering and 26 from Petroleum Engineering. The Institute confers Gold and Silver Medals to academic toppers in each branch, and the President's Gold Medal is awarded to Ms. Subhadar Jhamkar for outstanding all-around performance.



## Placement

IIPE achieved a remarkable ~ 98% placement rate for its graduates.

## R&D, Patents & Publications

The faculty strength is currently 30 members, with an impressive output of 51 publications. IIPE has filed three significant patents, including innovations in 2D-3D hybrid aerogels, a flexible power unit, and wastewater bioremediation. Additionally, the Institute oversees 22 ongoing projects, with a total budget of approximately Rs. 45 crores. Sponsored research projects include collaborations with NTPC on green hydrogen generation from seawater, AR&DB on heat film effectiveness, DGH on geoscientific analysis, and ONGC on enhanced oil recovery.

## Collaborations and International Projects

IIPE collaborates internationally with universities and research institutions such as Purdue University, University of Laval, CNRS France, and Oxford University. MoUs signed with institutions like University of Stony Brook, University of Houston, and Ufa State Petroleum Technological University to foster research exchange and knowledge transfer. Notably, joint programs include a B.Tech.+ MS with the University of Houston and an MBA with IIM Visakhapatnam.

## Corporate Social Responsibility (CSR)

The SBI Foundation funded a state-of-the-art XRD facility with a ~Rs. 4 crore contribution, while Halliburton provided LANDMARK Software worth Rs. 230 crores.

## Seminars, Workshops, and Conferences

The Institute organized various workshops, seminars & conferences during the year.

- A Global Energy Environment Summit : 'Hydrogen Energy Resource and Opportunity (HERO)' 2023 was conducted during July 24-26, 2023 with main focus on hydrogen energy and its role in the global energy transition, with participation of key speakers.
- A two-day workshop on 'Renewable Energy Utilization for Sustainable Growth (REUSG)' Workshop was organised during 25-26 August, 2023 with focus on renewable energy challenges.
- An 'Evidence-Based Library Transformation: Quality Services for NextGen Users (EBLT)' - 2024 was conducted during January 24-25, 2024.
- A conference on 'Earth's Materials for Energy: Mantle to Market (EEMM)' - 2024 during 01-02 February, 2024 was organised.
- 1st International Conference on Trends in 'Chemical, Energy and Environmental Engineering (ChemEEE)'-2024 was organised during 19-21 February, 2024 and highlighted the energy transition's role in job creation.
- A Webinar on Unconventional Hydrocarbon Resources was held during 28-29 March, 2024 with participation of Khazar University students.

## Organized Events

- The Bhoomi Poojan (Ground Breaking Ceremony) for the construction of the Permanent Campus of the Institute was performed by the Hon'ble Prime Minister of India Shri Narendra Modi on 02.03.2024 in virtual mode .
- The Institute's 8th Foundation Day was celebrated on October 20, 2023 with a lecture by Dr. V. Kalyanraman, Head-Technology. Thermax Limited.
- Techno-Cultural Fest SHASWAT-2K23 was organised from October 13-15, 2023.

## Research and Student Exchanges

IIPE students and faculty participated in international exchange programs, such as research visits to ETH Zurich, Oxford University, and Friedrich Schiller University, and students participating in exchange programs in the University of Norway and Friedrich Schiller University Germany.

## International Visitors

Renowned academics and professionals from institutions like Purdue University, Aachen University, University of Houston and the University of Stony Brook visited IIPE to further foster academic collaboration.

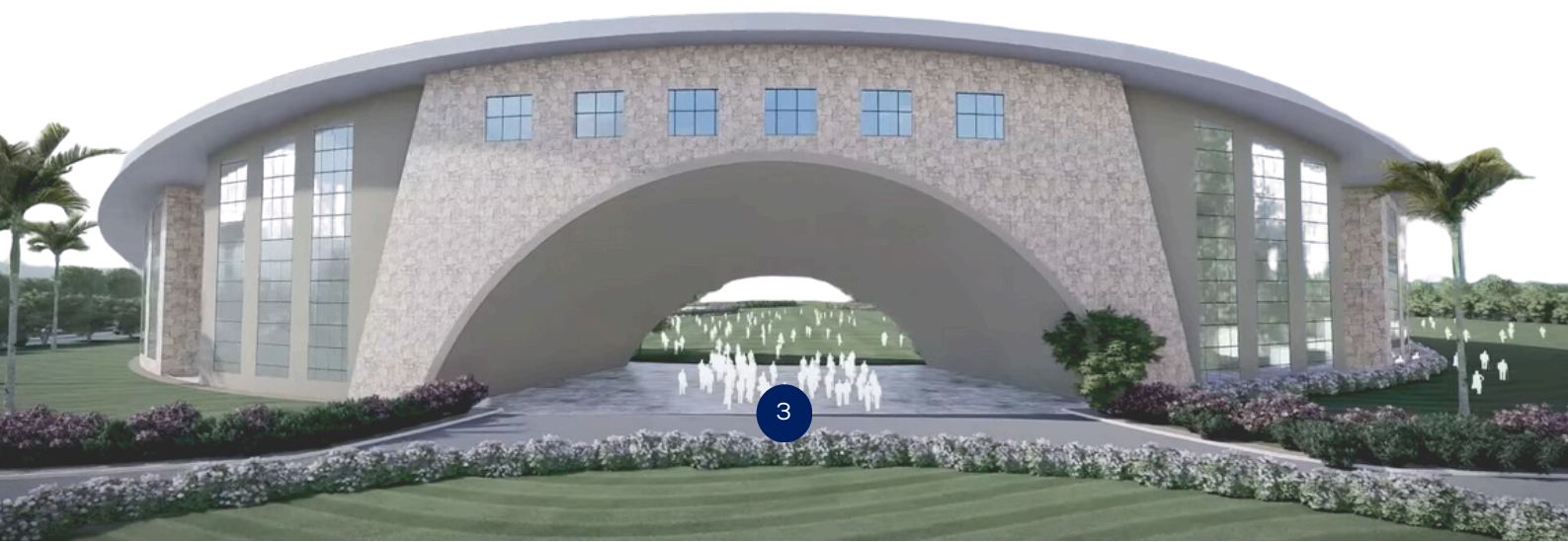
## Acknowledgment

IIPE acknowledges the ongoing support from the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Government of India, the General Council, Board of Governors, Finance Committee, Senate, and industry partners like HPCL, ONGC, GAIL, OIL, and IOCL, whose contributions to governance and academics have been instrumental in the Institute's progress.

Thanking you all very much.

**Jai Hind!**

**(Prof. Shalivahan)**



# GENERAL COUNCIL



## Chairperson

**Secretary, Ministry of Petroleum and Natural Gas**  
Government of India

## Members

### Chairman

Indian Oil Corporation Limited

### Principal Advisor (Energy)

NITI Ayog

### Director

CSIR-IICT  
Hyderabad

### Chairman & Managing Director

Hindustan Petroleum Corporation  
Limited

### Executive Director

Oil Industry Safety  
Organisation

### Director

Indian Institute of  
Science, Bengaluru

### Chairman & Managing Director

Oil & Natural Gas Corporation

### Secretary

Oil Industry Development  
Board

### President, BoG

Indian Institute of  
Petroleum & Energy

### Chairman & Managing Director

GAIL (India) Limited

### Chief Executive Officer

Cairn Energy India  
Limited

### Director

Indian Institute of  
Petroleum & Energy

### Director General

Director General of Hydrocarbons

### Chief Executive Officer

Shell India Limited

## Secretary

### Registrar

Indian Institute of Petroleum and Energy

# BOARD OF GOVERNORS



## President (Officiating)



**Prof. Shalivahan**

Director, IIPE & Ex. Officio Member

## Members



**Shri. P.K. Joshi**

CMD, HPCL



**Prof. Saibal Gupta**

IIT Kharagpur



**Prof. T.N. Singh**

IIT Patna



**Prof. Indrajit Mukhopadhyay**

PDEU, Gandhinagar



**Prof. K.K. Pant**

Director, IIT Roorkee



**Shri. M.V. Iyer**

Director (BD), GAIL  
(Till 31.10.2023)



**Prof. K. Ganapathy Ayappa**

IISc Bengaluru



**Shri P.K. Goswami**

Director (Ops), OIL

## Secretary



**Shri Ramphal Dwivedi**

Registrar, IIPE

# FINANCE COMMITTEE



## Chairperson

**Prof. Shalivahan**

Director, IPE

President BoG (Offg.) & Ex-officio Member

---

## Members

**Shri Anand Kumar Jha**

Deputy Secretary (GP)

MoP&NG, GoI

**Shri SRKGKS Raja Bahadur**

CGM (Finance), HPCL, Visakha Refinery

**Prof. Saibal Gupta**

IIT Kharagpur

**Shri P.K. Goswami**

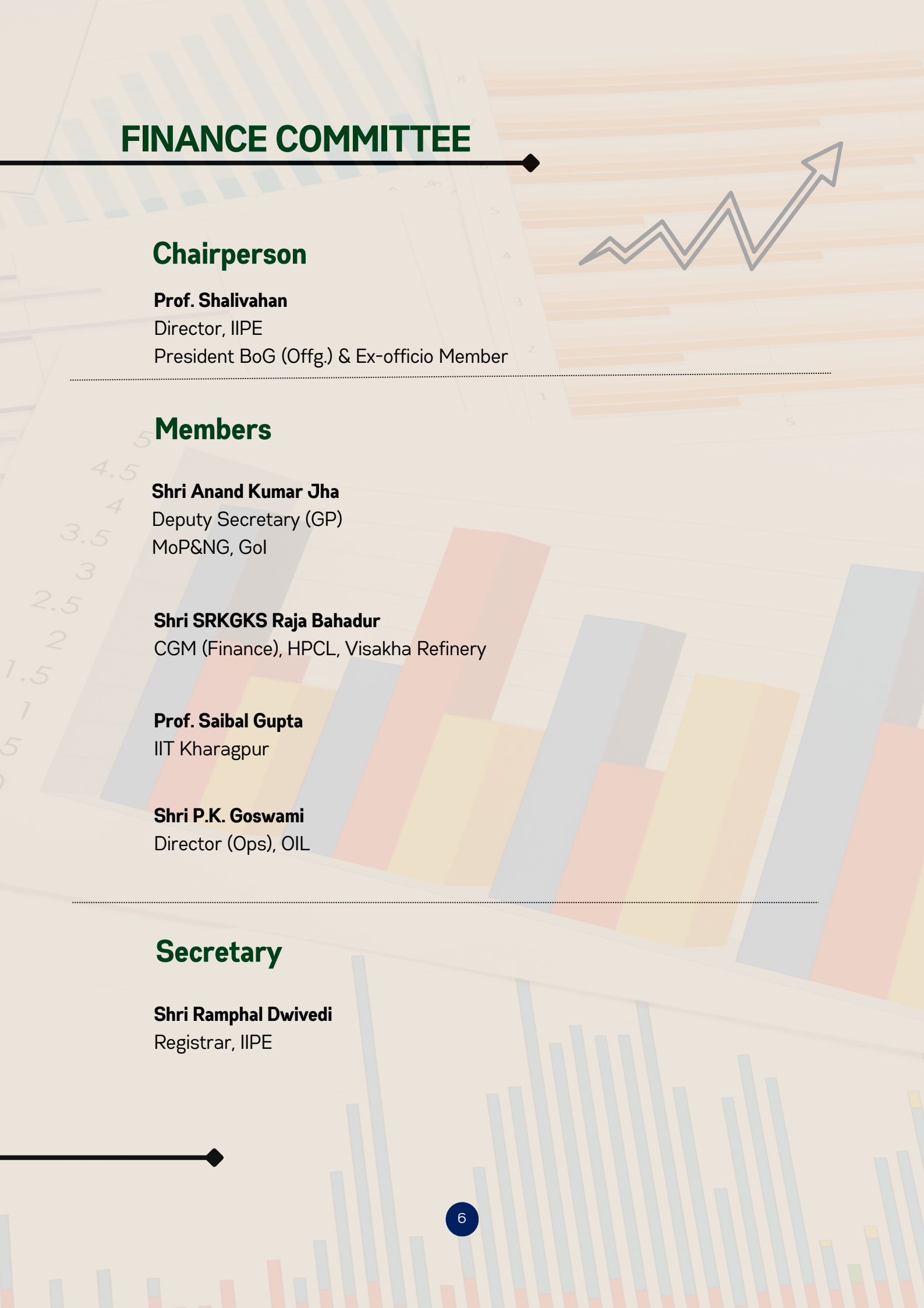
Director (Ops), OIL

---

## Secretary

**Shri Ramphal Dwivedi**

Registrar, IPE





# BUILDING AND WORKS COMMITTEE

## Chairperson

**Prof. Shalivahan**  
Director, IIPE

---

## Members

**Shri Vivek P. Shrivastava**  
Chief Engineer  
IIT Kharagpur

**Shri Raghvendra Singh**  
Executive Engineer (Retd.)  
IIT Kanpur

**Dr. Sivasankar P.**  
Assistant Professor  
Associate Dean (Planning), IIPE

**Dr. K.V. Krishnasri**  
Assistant Professor, IIPE

**Dr. H. Sharon**  
Assistant Professor, IIPE

**Dr. Somnath Ghosh**  
Associate Professor, IIPE

**Dr. Nilanjan Pal,**  
Assistant Professor, IIPE

**Shri G. Shiva Kumar**  
Assistant Engineer (Civil), IIPE

**Shri K. Nagesh**  
Assistant Engineer (Electrical), IIPE

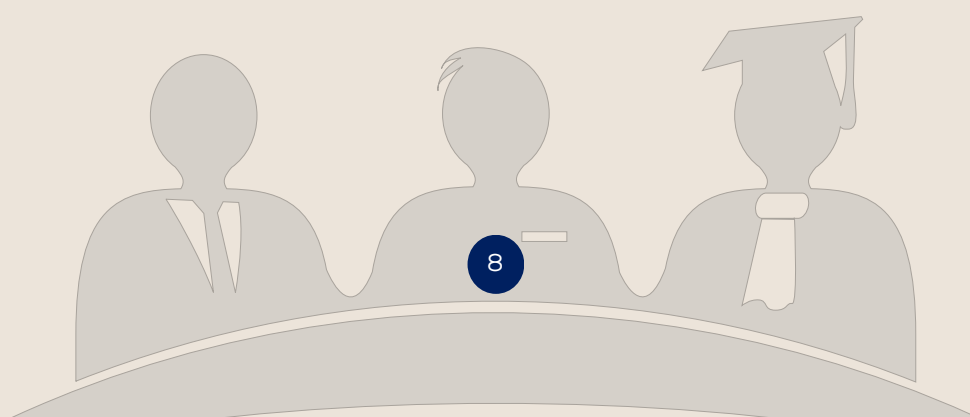
---

## Secretary

**Shri Ramphal Dwivedi**  
Registrar, IIPE

# SENATE

S. No.	Name	Designation	Member
1	<b>Prof. Shalivahan</b>	<b>Director, IIPE</b>	<b>Chairperson (Ex-Officio)</b>
2	<b>Prof. Arvind Kumar Mishra</b>	Director, CSIR-CIMFR Dhanbad	Member
3	<b>Prof. K. Srinivas Reddy</b>	Department Mech. Engineering. IIT Madras	Member
4	<b>Prof. K. Vijaya Kumar</b>	Dean (Research & Development)	Ex-officio Member
5	<b>Prof. A. Seshagiri Rao</b>	Associate Dean (Faculty Affairs), IIPE	Ex-officio Member
6	<b>Prof. Deepak Amban Mishra</b>	Associate Dean (Academic Affairs & Admin)	Ex-officio Member
7	<b>Prof. C.V. Rao</b>	Associate Dean (Student's Affairs)	Ex-officio Member
8	<b>Prof. P. Aparoy</b>	Associate Dean (Research & Development)	Member
9	<b>Prof. Sivasankar P</b>	Associate Dean (Planning Resources)	Ex-officio Member
10	<b>Prof. Rajat Jain</b>	Associate Dean (International Relations and Alumni Affairs)	Ex-officio Member
11	<b>Prof. Ranjan Pramanik</b>	Associate Dean (Innovation, Incubation and Entrepreneurship)	Ex-officio Member
12	<b>Prof. Himangshu Kakati</b>	HoD, Petroleum Engineering & Earth Sciences	Ex-officio Member
13	<b>Prof. P. Venkata Reddy</b>	HoD, Chemical Engineering	Ex-officio Member
14	<b>Prof. Arun Kumar Pujari</b>	HoD, Mechanical Engineering	Ex-officio Member
15	<b>Prof. Somnath Ghosh</b>	HoD, Humanities & Sciences	Ex-officio Member
16	<b>Prof. R. Ramunaidu</b>	Mathematics, Dept. of Humanities & Sciences	Member
17	<b>Prof. T. Hemanth Kumar</b>	Department of Chemical Engineering	Member
18	<b>Prof. Raka Mondal</b>	Department of Chemical Engineering	Member
19	<b>Prof. Dipankar Pal</b>	Department of Chemical Engineering	Member
20	<b>Shri. Ramphal Dwivedi</b>	<b>Registrar, IIPE</b>	<b>Secretary</b>



# ADMINISTRATION

## Director

**Prof. Shalivahan**

---

## Registrar

**Shri Ramphal Dwivedi**

---

## Deans/ Associate Deans

**Prof. Vijay Kumar Kopparapu**

Dean (Research & Development)

**Prof. Seshagiri Rao Ambati**

Associate Dean (Faculty Affairs)

**Dr. Deepak Amban Mishra**

Associate Professor

Associate Dean (Academic Affairs)

**Dr. Aparoy Polamarasetty**

Associate Professor

Associate Dean (Research & Development)

**Dr. Sivasankar P.**

Assistant Professor

Associate Dean (Planning)

**Dr. Veerabhadra Rao Chandakanna**

Associate Professor

Associate Dean (Students Affairs)

**Dr. Rajat Jain**

Associate Professor

Associate Dean (International  
Relations & Alumni Affairs)

**Dr. Ranjan Pramanik**

Associate Professor

Associate Dean (Innovation,  
Incubation and Entrepreneurship)

---

## Heads of Departments

**Dr. Himangshu Kakati**

Associate Professor

Department of Petroleum Engineering &  
Earth Sciences

**Dr. Somnath Ghosh**

Associate Professor

Department of Humanities & Sciences

**Dr. Arun Kumar Pujari**

Associate Professor

Department of Mechanical Engineering

**Dr. P. Venkata Reddy**

Associate Professor

Department of Chemical Engineering



# About IIPE Visakhapatnam



Indian Institute of Petroleum & Energy (IIPE) is established by the Government of India under aegis of the Ministry of Petroleum & Natural Gas, in the year 2016 at Visakhapatnam in accordance with the provisions made in the Andhra Pradesh Reorganization Act, 2014. Initially, the Institute was registered under the Andhra Pradesh Societies Registration Act, 2001 and subsequently, the Indian Institute of Petroleum and Energy (IIPE) bill 2017 was enacted by the Parliament. A Gazette Notification to this effect was published on 08th January, 2018. The Indian Institute of Petroleum and Energy Act, 2017 (No. 3 of 2018) declares IIPE as an “Institute of National Importance”.

IIPE is presently operating its academic and administrative activities from its transit campus situated in the premises of Andhra University, Visakhapatnam. The institute is co-promoted as an energy domain specific institute by the leading Public Oil PSUs namely HPCL, ONGC, OIL, GAIL & IOCL. IIPE also collaborates with the leading International Universities and other National Institutions specialized in the Energy domain.

IIPE has been allotted the land to an extent of 201.80 acres by the Government of Andhra Pradesh, free of cost, at Vangali Village, Sabbavaram Mandal, Anakapalli for construction of its permanent campus. The Foundation Stone for the permanent campus had been laid by the then Hon'ble Chief Minister of Andhra Pradesh Shri Nara Chandra Babu Naidu on 20th October, 2016 in the presence of the then Hon'ble Minister for Petroleum & Natural Gas, Shri Dharmendra Pradhan, the then Minister for Urban Development and Parliamentary Affairs Shri. M Venkaiah Naidu and other dignitaries.

Bhumi Poojan (Ground Breaking) ceremony of permanent campus was performed by Hon'ble Prime Minister of India, Shri. Narendra Modi on 2nd March 2024 .

## Authorities of IIPE

The IIPE Act provides that the Hon'ble President of India will be the Visitor of the Institute, and the authorities of the Institute shall vest with:

- The General Council
- The Board of Governors
- Finance Committee
- The Academic Senate
- Such authorities as declared by Statutes of the Institute



## Vision

To create and disseminate Knowledge that facilitates progress and excellence in the field of Energy Sector.

## Mission

To be Energy University that is ranked among top 200 Universities of the world within 20 years of setup.



## Values

- Meritocracy
- Unparallel quality and excellence
- Appreciation and celebration of creativity
- Honesty, Integrity, Sincerity and Devotion
- Diversity, Co-operation, Collaboration and Teamwork

## Goals

- Committed to research towards realizing the 'Panchamrita' concoction for the climate conundrum, the climate solution offered by the Hon'ble PM at the COP26 convention in Glasgow.
- Firm believer in the stakeholders' IKIGAI or a sense of purpose.
- Strive to help foster Blue Zones, enabling a prosperous world to rise like a phoenix from the ashes of today's challenges.
- Join hands for focusing on removing India's impediments in achieving the goal of an Atmanirbhar Bharat in the energy sector and progress towards 'future ready India @2047'.



## Objectives

- To meet the quantitative and qualitative gap and to supply skilled manpower for Petroleum & Energy Sectors.
- Envisioned to become a globally reputed and nationally recognized institute of energy hub, to be nodal point for imparting state-of-the-art inter-disciplinary education, carrying out cutting-edge research, providing technical solutions to industries in both renewable and non-renewable energy sectors and advising policy-makers in the country in the domain of energy security of the nation.
- Contribute toward achieving the United Nations Sustainable Development Goals (UN SDGs) in ensuring access to affordable, reliable, and sustainable modern-day energy for all.



## Key objectives of the IIPE Act

- Nurture and promote quality and excellence in education and research in the area of petroleum and hydrocarbon and energy;
- Provide for programs and courses of instruction and research leading to the award of the Bachelors, Masters and Doctoral degrees in engineering and technology, management, sciences and arts in the area of petroleum and hydrocarbons and energy;
- Grant degrees, diplomas, certificates or other academic distinctions or titles and honorary degrees or other distinctions and to institute and award fellowships, scholarships, exhibitions, prizes and medals;
- Promote research and development for the benefit of oil, gas and petrochemical industry and the energy sector through the integration of teaching and research;
- Foster close educational and research interaction through networking with national, regional and international players in the oil, gas and petrochemical industry and the energy sector;
- Organize national and international symposia, seminars and conferences in the area of petroleum and hydrocarbons and energy;
- Promote research and development for the benefit of the oil and gas industry;
- Integrate new technology in the classroom to encourage student-centric learning strategies;
- Develop and maintain an information resource center of print and non-print knowledge resources in the field of petroleum sector covering the entire hydrocarbon value chain as well as other related areas of energy, science and technology; develop deeper interactions and a research environment in the industry;
- Fostering the creation of new basic knowledge and applied technology and its active transmission to companies for the benefit of the nation and for this purpose establishing an Intellectual Property Rights cell to patent the new developments made at the Institute and to license them nationally and internationally;
- Provide for further education to the working professionals and other employees of the Institute in the advanced areas of technology related to oil, gas, complete hydrocarbon value chain and energy;
- Offering customized programs that serve the current and ongoing needs of working professionals for continuing education at the cutting-edge of petroleum and energy sector at the campus of the Institute or at company site;
- Encouraging industry to sponsor their staff to join the Institute for higher degrees and work on problems that of interest of the sponsoring industry thus helping to develop deeper interactions and a research environment in the industry;
- Being proactive in supporting the skill development programs of the Government of India by training people in various related areas by way of certificate and diploma courses; at the campus of the Institute or at other locations and involving industry in design and conduct of curricula;
- Giving broad focus to the functioning of the Institute in the area of petroleum and petroleum related technologies under the wide umbrella of energy.



## Bhoomi Poojan (Ground Breaking Ceremony)

The Bhoomi Poojan (Ground-Breaking Ceremony) of the permanent campus of the Indian Institute of Petroleum and Energy (IIPE) was ceremonially conducted by the Hon'ble Prime Minister of India, Shri Narendra Modi, on 02nd of March 2024. This significant event was carried out via video conference, with the Prime Minister presiding over the ceremony from a remote location. The Hon'ble Union Minister for Petroleum and Natural Gas & Housing and Urban Affairs, Shri Hardeep S. Puri, attended the event in person from Ulaao, Begusarai, Bihar, adding to the gravitas of the occasion



The ceremony was further graced by the presence of Shri Pankaj Jain, Secretary, Ministry of Petroleum and Natural Gas (MoP&NG), Government of India, and Prof. Shalivahan, Director of IIPE. Their presence underscored the importance of this development in the realm of energy education and research in India

The Bhoomi Poojan was not just a physical act but a symbolic gesture marking the beginning of a new chapter for IIPE. Over 500 individuals, including public representatives, distinguished guests, government officials, the IIPE fraternity, representatives from the press and media,

and various other stakeholders, witnessed the ceremony virtually at the Permanent Campus. This diverse gathering of attendees reflected the broad support and high expectations for the institute's future. The event was telecasted at the Permanent Campus and on Youtube.



The event symbolized the formal commencement of construction for the IIPE's permanent campus, a crucial step in realizing the vision of establishing a world-class institution dedicated to advancing knowledge and innovation in the field of petroleum and energy. The ground-breaking ceremony is not merely the start of construction but a significant milestone in the institution's journey towards becoming a premier center of learning, research, and industry collaboration.

The Institute is planning to conduct its academic programmes from its permanent campus currently being constructed in Vangali village near Sabbavaram starting in the 2025-26 academic year. It is aimed to complete all necessary infrastructure, such as academic blocks, hostels, guesthouse, etc. and to launch classes from the next academic year at its permanent campus at Sabbavaram.



## Status of Permanent Campus



The Government of Andhra Pradesh has allocated the land admeasuring Ac.201.80 cents at Survey No.135 and 241 of Vangali village, Sabbavaram Mandal, of Anakapalli District (previously in Visakhapatnam District), on free of cost, for the construction of Indian Institute of Petroleum and Energy (IIPE).

The allocated land admeasuring 201.80 acers has also been mutated in the name of Indian Institute of Petroleum and Energy (IIPE) in March 2023.

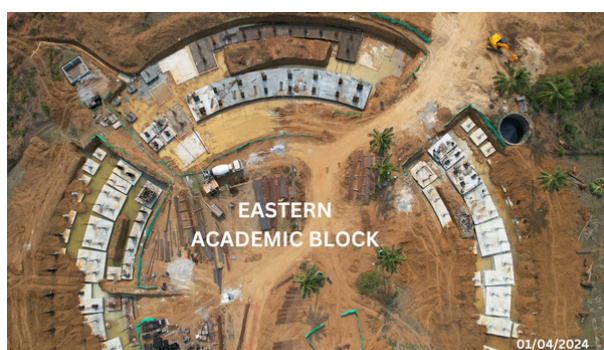


Compound wall has been constructed by Andhra Pradesh Industrial Infrastructure Corporation (APIIC) at the land alienated for permanent campus of IIPE. The same is completed in all aspects.

Total Compound Wall length is 4.20 Kms around the alienated site.

CPWD has been entrusted for the construction of IIPE Permanent Campus. CPWD has floated tender for the Construction of Permanent Campus buildings on 07th July, 2023. The technical bid was opened on 31st July 2023 and the financial bid was opened on 18th August, 2023. M/s KPC Projects Limited was awarded the contract for the Construction of the Permanent Campus of IIPE on 03rd October, 2023.

The duration of the completion of the Phase-1 is 21 months and the campus is likely to be handed over by July 2025.



**Eastern Academic Block**



**Type-V Quarters.**

As on 31.03.2024, the physical progress of the construction was 22% and the financial progress was 18%.



**The abstract of the Phase-I of the Campus is as follows:**

S.No.	Name of the Building	S.No.	Name of the Building
1	Central Administrative Block	7	Type III Quarter-32 No.
2	Eastern Academic Block	8	Sub Stations
3	Guest House	9	Pump House
4	Hostel Block & Mess Block	10	Work Shop and E&M Office
5	Type VIII Quarter-01 No.	11	AC Plant Room
6	Type V Quarter-32 No	12	Roads and other services

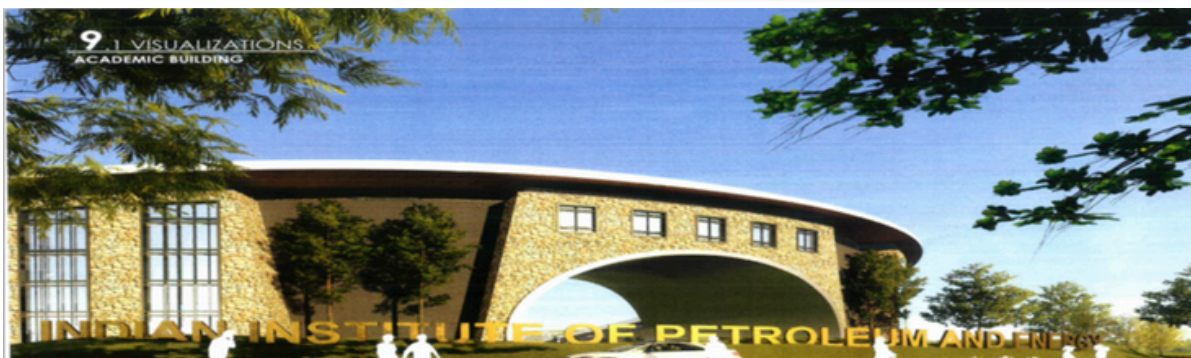


**Type -IIII Quarters**



**Boys' Hostel**

### **Conceptual Drawings of campus**



# Ragging Free Campus

The Institute firmly upholds the anti-ragging policy and puts it into practice with a sincere spirit of action. Institute monitors the system closely and takes other timely actions to make sure it is functioning. Additionally, the administration, concerned faculty, and staff hold numerous meetings with newly enrolled freshmen as well as senior students to inform them of the institute's policies and provide advice on how to interact with new students in a positive way and foster brotherhood in the process of developing personalities. In order to keep ragging at bay, the Associate Dean (Student Affairs) regularly oversees the activities sponsored by the wardens and faculty members on campus.

# NO RAGGING

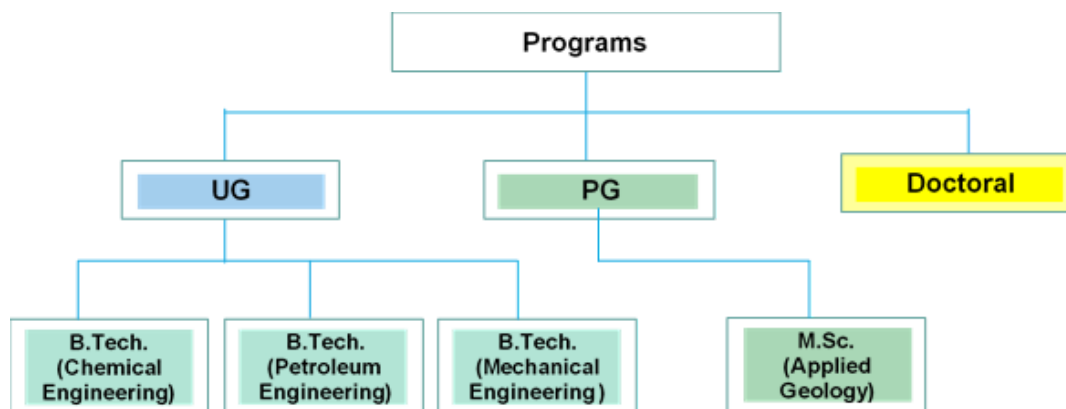


## IIPE is Ragging Free



# Academic Programs

The Institute has been offering undergraduate courses of B.Tech. Chemical Engineering (CE) and B.Tech. Petroleum Engineering (PE) since its establishment in 2016 and offering Ph.D. research programs starting from the Spring Semester of the academic year 2020-21. From the Academic Year 2023-24, the Institute introduced B. Tech. Mechanical Engineering (ME), and M.Sc. Applied Geology (AG). Institute follows Government of India norms while implementing reservation policy.



## Programs

**B.Tech. (Chemical Engineering):** The program aims to develop skilled Chemical Engineers with specific emphasis on industry-centric talent requirements. The program plans to expose the students to the fundamentals of Chemical Engineering and instill innovative thinking to solve the problems related to energy, environment, etc. This program intends to create professionals who can fit well in a dynamic sector where they come across various technological advancements. During the course, emphasis will be laid to foster student's ability to deal with complex problems in multidisciplinary situations.

**B.Tech. (Mechanical Engineering):** The key focus of the Mechanical Engineering department is to impart theoretical and practical knowledge to students in the area of oil, gas, and energy sector. The department aims to impart technical skills to the undergraduate students of IIPE, in the areas of conventional and non-conventional energy sources. The department offers various core mechanical and inter-disciplinary subjects to undergraduate students. The department offers B.Tech. and Ph. D program aimed at developing researchers who can innovate and succeed in globally competitive environment. The B.Tech. and Ph. D programs focuses on various interdisciplinary research such as solar energy, energy conversion devices, turbomachines, grid integrated systems, data analytics and AI for the energy sector.

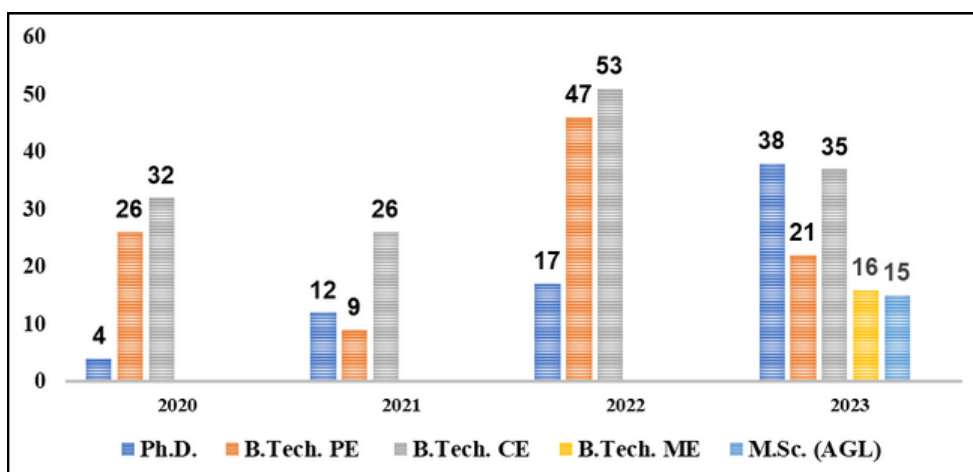
**B. Tech. (Petroleum Engineering) :** The program aims to prepare graduates for professional practice in industry in the field of Petroleum Engineering with emphasis on upstream activities that encompass exploration, reservoir and production. The program intends to create technical professionals capable of taking on engineering responsibilities across the entire value-chain in the Oil & Gas Industry. The program is designed to develop conceptual skills in the fundamental aspects of Petroleum Engineering and to apply the best techniques in the Oil & Gas sectors.

**M.Sc. (Applied Geology):** The M.Sc. Applied Geology program is designed to equip students with a comprehensive understanding of geological principles and their practical applications in various real-world scenarios. Through a combination of rigorous coursework and hands-on field experiences, students delve into diverse areas such as mineral, oil exploration, environmental assessment, geological mapping, and natural hazard mitigation. This specialization fosters the development of skills necessary for geological data analysis, interpretation, and effective communication, empowering graduates to contribute meaningfully to the fields of geoscience research, resource management, and environmental stewardship.

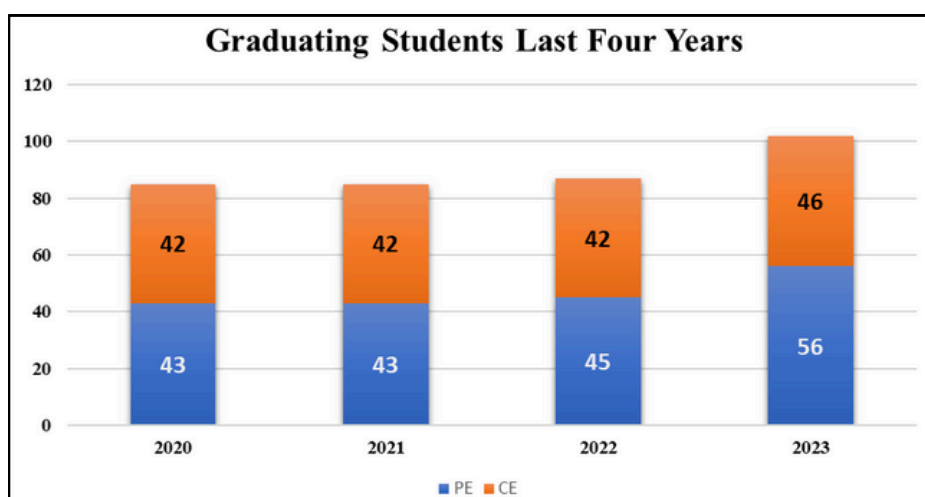
**Doctoral Programs:** Institute offers Ph.D. in following disciplines to promote research in the areas of energy, engineering and basic sciences:

Bioseicnce	Chemical Engineering	Mathematics
Chemistry	Computer Science & Engineering	Mechanical Engineering
Earth Sciences	Electrical Engineering	Petroleum Engineering

### Existing Student Strength Program wise



### Graduated Students Last Four Years



# Admission Data



## Academic Year 2020-21

Discipline	Admitted Students	Total		Total				
		Male	Female	Gen	EWS	OBC	SC	ST
B.Tech. Petroleum Engineering	26	24	2	7	8	9	2	-
B.Tech. Chemical Engineering	32	30	2	11	7	11	3	-
<b>Total</b>	<b>58</b>	<b>54</b>	<b>4</b>	<b>18</b>	<b>15</b>	<b>20</b>	<b>5</b>	<b>0</b>
Ph.D	4	4	0	4	0	0	0	0

## Academic Year 2021-22

Discipline	Admitted Students	Total		Total				
		Male	Female	Gen	EWS	OBC	SC	ST
B.Tech. Petroleum Engineering	9	9	-	2	1	5	1	-
B.Tech. Chemical Engineering	26	26	-	11	5	7	3	-
<b>Total</b>	<b>35</b>	<b>35</b>	<b>0</b>	<b>13</b>	<b>6</b>	<b>12</b>	<b>4</b>	<b>0</b>
Ph.D	12	9	3	3	2	5	2	0

## Academic Year 2022-23

Discipline	Admitted Students	Total		Total				
		Male	Female	Gen	EWS	OBC	SC	ST
B.Tech. Petroleum Engineering	47	44	3	14	6	18	7	2
B.Tech. Chemical Engineering	53	51	2	12	12	20	8	1
<b>Total</b>	<b>100</b>	<b>95</b>	<b>5</b>	<b>26</b>	<b>18</b>	<b>38</b>	<b>15</b>	<b>3</b>
Ph.D.	17	8	9	8	1	6	2	0

## Academic Year 2023-24

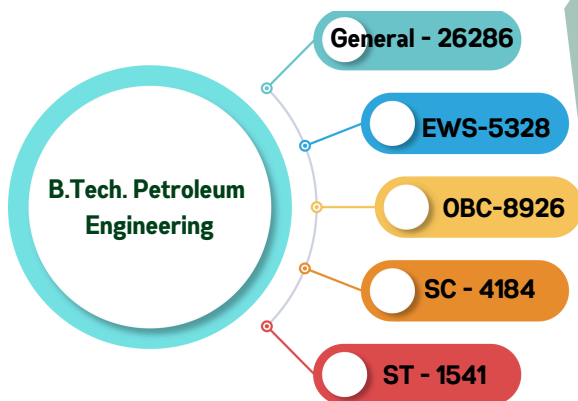
Discipline	Admitted Students	Total		Total				
		Male	Female	Gen	EWS	OBC	SC	ST
B.Tech. Petroleum Engineering	21	20	1	3	2	8	8	0
B.Tech. Chemical Engineering	35	31	4	9	8	8	8	2
B.Tech. Mechanical Engineering	16	15	1	2	7	3	4	0
<b>Total</b>	<b>72</b>	<b>66</b>	<b>6</b>	<b>14</b>	<b>17</b>	<b>19</b>	<b>20</b>	<b>2</b>
M.Sc.	15	10	5	6	2	4	2	1
Ph.D.	38	22	16	18	2	17	1	0

## The Open and Closing ranks of JEE (Advanced) of the selected candidates during Academic Year 2023-24

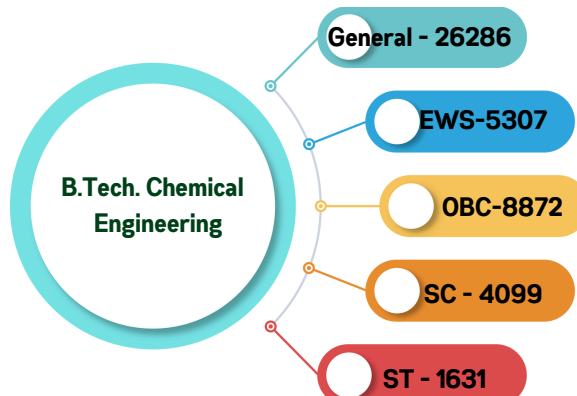
### Opening Ranks

- General - 12396
- EWS - 3946
- OBC - 6117
- SC - 920
- ST - 1541

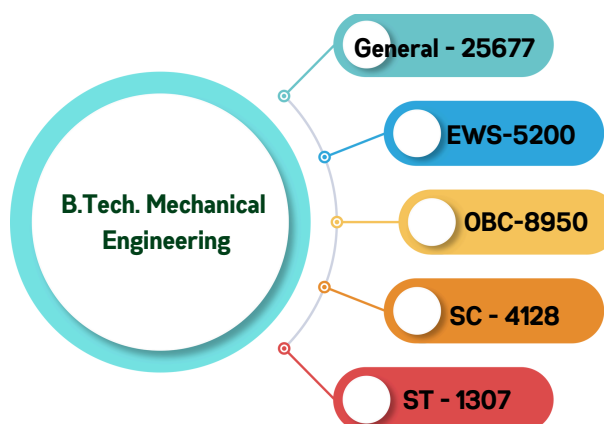
### Closing Ranks



- General - 11331
- EWS - 3615
- OBC - 5991
- SC - 2440
- ST - 1341



- General - 7613
- EWS - 3276
- OBC - 6193
- SC - 1454
- ST - 1258



# Departments

## Department of Chemical Engineering



The Department of Chemical Engineering was established in 2016 to achieve the objectives of IIPE, i.e., providing skilled personnel for the Oil and Natural Gas industry. The department started its operation with a B.Tech. Chemical Engineering Program and an intake of 50 students. Subsequently, Ph.D. degree program incorporated in the year 2020.

The Department of Chemical Engineering aims to provide students with the extensive knowledge they need to be a part of the Energy Sector in the Industrial space. The courses provided are a balanced mix of traditional areas-reaction engineering, thermodynamics, process control, etc. - and emerging areas - waste management, renewable energy, machine learning, nanoscience, etc. - of chemical engineering. Students are given hands-on experience with various simulation software (MATLAB, Aspen, Fluent), along with access to laboratories which have the latest equipment and machinery. The department faculty are involved in industrial consultancy and various sponsored involved in various research projects, particularly interdisciplinary ones, in collaboration with industry. The focus areas of research in the department include distribution networks, energy storage, surface and plasma engineering, water treatment, machine learning, and pollution abatement, to name a few.

With support from Indian PSUs in the Oil and Natural Gas Sectors (Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL), Indian Oil Corporation Limited (IOCL), Oil and Natural Gas Corporation (ONGC), Gas Authority of India Ltd. (GAIL), Oil India Limited (OIL)), the Department of Chemical Engineering continually strives to create an environment wherein students can not only learn, but also experience and implement; to become highly motivated individuals with the skill and knowledge required to make a difference in the Chemical Industry.

Process Modelling and Simulation, Energy Management, Transport Modelling, Pollution Abatement, Catalysis and Reaction Engineering, Multiphase modelling and molecular simulations, Adsorption Separation, and Polymers are the focus areas of research in the department, especially from the perspective of the oil and gas sector.

The faculty in the department are involved in industrial consultancy and sponsored research projects. The department is steadily building up the laboratory infrastructure necessary for UG, PG, and research activities. With the steady increase in faculty research consultancies and sponsored projects, the department is progressing in the right direction of success. The department has an active IChE student chapter. The department organizes webinars and tech talks to improve both the technical and behavioural skills of students.



## Research Thrust areas:

- Process Systems Engineering
- Catalysis and Reaction Engineering
- Transport Phenomena
- Wastewater treatment
- Energy Systems Engineering

## Laboratories

- Fluid Mechanics
- Mechanical Operations
- Reaction Engineering
- Heat Transfer
- Mass transfer
- Instrumentation and Process Control

## State-of-the-art Research facilities

Laminar Air Flow Chamber, Ozone generator, Autoclave, Plasma-enhanced chemical vapor deposition, Photocatalytic reactor, UV-spectrophotometer, conductivity meter, Membrane fabricator, Vacuum Oven, BOD incubator shaker, FTIR.

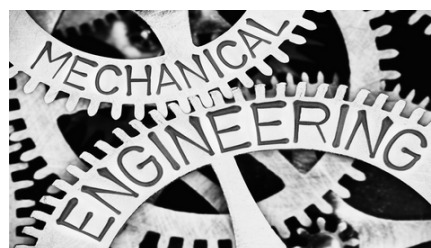
## Department of Mechanical Engineering

The key focus of the Mechanical Engineering department at IIPE is to impart theoretical and practical knowledge to students in the area of oil, gas, and energy sector. The department aims to impart technical skills to the undergraduate students of IIPE, in the areas of conventional and non-conventional energy sources. The department offers various core mechanical and inter-disciplinary subjects to undergraduate students. The department offers B.Tech. and Ph. D program aimed at developing researchers who can innovate and succeed in globally competitive environment. The B.Tech. and Ph. D programs focuses on various interdisciplinary research such as solar energy, energy conversion devices, turbomachines, grid integrated systems, data analytics and AI for energy sector.

The energy sector in India requires skilled Mechanical Engineers with significant expertise in conventional and renewable energy production technologies. The renewable energy industry has seen impressive, global growth over the last decade, and mechanical engineers have played a major role in enabling the world's transition to clean energy and more sustainable practices. Mechanical engineers significantly contribute to the design of solar, geothermal power, wind, hydro, steam, and gas turbines. Many of the key skills that mechanical engineers learn and develop in mechanical engineering graduate programs have a wide range of applications in the energy sector. Apart from this Mechanical Engineers have a huge role to play in the oil and gas industries' equipment and machinery design. IIPE with its unique vision and mission has started a 4-year Mechanical engineering program from the academic year 2023-24. In this program, students learn and demonstrate key mechanical engineering concepts along with specialized courses focusing on the energy, oil and gas sectors.

## Academic Programs

**B.Tech.:** The undergraduate program continues to produce well-rounded mechanical engineers equipped with the technical skills and holistic understanding required for a successful career. The curriculum evolves to meet industry demands and technological advancements.



## Laboratories

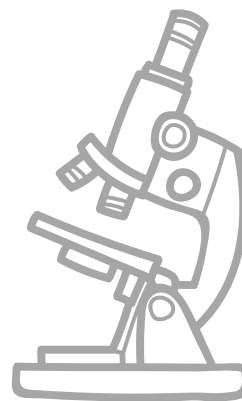
- Fluid System
- Fluid Mechanics
- Strength of Materials
- CAD
- Electrical and Electronics

## List of Software

- Ansys, SOLIDWORKS,
- Flownex, Origin,
- MATLAB, COMSOL,
- Aspen

## Research Thrust areas

- Heat Transfer and Fluid Flow Analysis in Mechanical Systems
- Aerodynamic Analysis of Turbomachinery Flows
- Gas Turbine Heat Transfer and Cooling Technology
- Computational Fluid Dynamics
- Thermal Energy Storage
- Renewable Energy
- Waste to Energy



## Department of Petroleum Engineering & Earth Sciences



Established in 2016, the mission of the Department of Petroleum Engineering is to provide students with the education they need to become highly qualified engineers in the field of Petroleum Engineering. The four-year undergraduate program offers a flexible course, combining theory-based classes and practical training classes. Students can choose from a variety of electives according to their interests and are provided with access to multiple laboratories - including the reservoir simulation, drilling engineering, reservoir engineering, and production engineering laboratories - fully equipped with the latest machinery and software.

Additionally, students have the unique opportunity to undergo summer internships in leading organizations in the field, such as the Oil and Natural Gas Corporation (ONGC), Oil India Limited (OIL), Reliance Petroleum, Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL), Indian Oil Corporation Limited (IOCL), etc. With a faculty combining industry experts, researchers, and professors from Indian Institutes of Technology (IITs) and interactive guest sessions by eminent persons from industry, the Department of Petroleum Engineering ensures that its students have the hands-on and theoretical knowledge they require to become excellent workers who can meet the growing demand in the petroleum and energy sectors, and skilled researchers who can contribute to the advancement of the sector.

## Research Thrust areas

- Experimental Rock Mechanics
- Engineering Properties of Rocks
- Rock Failure Mechanism
- Geothermal Resources
- Synthesis and study of Fracturing/EOR/Drilling fluids
- Reservoir Simulation and Modelling
- Digitization of Oil fields
- Oil Spill Clean Up
- Gas hydrate
- Enhance Oil Recovery (EOR)
- Hydraulic Fracturing Fluid Design
- Drilling fluid for Unconventional Resources
- Enhanced Oil Recovery
- Conformance Control
- Carbon Dioxide Capture and Storage (CSS)
- Hydrogen storage
- Structural and Residual gas Trapping models
- Product synthesis and design
- Reservoir simulation
- Porous Media flow
- Drilling fluid design and analysis
- Well stimulation techniques
- Hydraulic Fracturing and Computational Geomechanics
- Reservoir Simulation
- Fluid-rock-fracture interactions
- Large deformation and failure modelling of Geomaterials
- Smoothed Particle Hydrodynamics (SPH)
- Extended Finite Element Method (XFEM)
- Peridynamics (PD)
- Swarm Intelligence, Tectonics, Mineral Exploration, and Petrophysics
- Numerical Reservoir Simulation & Modelling
- Machine Learning & Data analytics in EOR
- Carbon dioxide sequestration in subsurface
- Bio-remediation of subsurface oil spills
- Geochemistry of Earth's material
- Geochemical Exploration of Uranium deposits
- Tectonics, Supercontinent cycles and Crustal Evolution

## Laboratories

- Engineering Geology
- Fuel
- Reservoir Engineering
- Drilling Engineering and Fracturing
- Production Engineering
- Reservoir Simulation

## State-of-the-art Research facilities

- Rheometer System
- Contact Angle Meter
- Liquid Permeameter
- Gas Permeameter
- Acid Core Flooding System
- Particle size and Zeta Potential Analyser
- Ultrasonic Velocity Tester
- 3000 KN servo hydraulic computer-controlled rock testing system
- Xradia context micro-CT system
- Resistivity Imaging system with 48 electrode switching
- Reflected and Transmitted light microscopy with Digital camera and imaging software
- Ground Penetrating Radar System

## Department of Humanities & Sciences

The Department of Humanities & Sciences (H&S) at IIPE has started a journey along with the Department of Petroleum and Chemical Engineering in 2016 aiming to form a bridge between fundamental and practical knowledge. The department plays a pivotal role in the academic curriculum offering both core and elective courses for the UG (B.Tech.) and Doctoral (Ph.D.) programme. The department has been actively involved in setting up an advanced research facility that houses various sophisticated equipment and characterization tools for carrying out cutting-edge research. The research focuses of H&S are Electrocatalyst, Alternative Energy Materials, Device & Sensor fabrication, Bioinformatics-Structural biology, Sparse Representation Theory, Numerical Analysis etc. The department provides a scientific platform to the young engineers and research students to fulfill their research endeavors. The faculty fraternity acts as students' mentor, guide and nurture them to understand the balance between Life-Technology-Society and Humanity.

### State-of-the-art facilities

- Electrochemical workstation
- Millipore water purification unit
- Spin Coater with syringe pump Unit
- High temperature tube furnace

### Research Thrust areas

- Structural Bioinformatics; Molecular Modeling and Simulations; Protein Engineering and Ligand Design.
- Functional Molecular Nanomaterials: Fabrication, Optical Properties and Applications
- Nanomaterial for energy application, Bio-compatible Nanomaterial for Antibacterial, Wound healing and Bio-film prevention activity.
- Sparse Representation Theory, Deep Learning and Model-based AI, Machine Learning, Finite Frame theory.
- Computational Methods for Partial Differential Equations, Numerical Analysis, Hyperbolic Conservation Laws.



# Library



Dr. S. R. Ranganathan Library is one of the central facilities of the Institute supports teaching, learning and research of the Institute. It is at it developing stage. The library is enriching its collection day by day and adding best suited print and online resources in its collection. It works as a bridge between the users and resources. The library is adopting new tools and technologies to provide better services to the users. The library aims to developing a good ambience with a remarkable reading room, stack area, comfortable furniture for readers, storage equipment, ICT enable services, state-of -the-art technologies to make it one of the best academic libraries in India. The library is fully air conditioned with Wi-Fi facility to all. It has dedicated systems for the users to access online resources. All the students, scholars, academic and non-academic staff are eligible for the library membership.

## Library Resources

The library is developing it collection day by day by procuring and subscribing best resources suits to the institute's teaching, learning and research. It provides seamless access to information resources by selecting, procuring, subscribing, organising and disseminates to the users using different delivery mediums. Presently library has categorised resources in two categories as below:

A. Print Resources		
Print resources cover print books, journals, periodicals, magazine, newspaper, etc.		
Collection Print	Category	Number of Volumes
Books	General Books	2804
	Gifted Books	157
	Text Books	149
	Reference Books	352
Total Print Book Collation		3462
Newspapers	The Hindu	01
	Eenadu (Telugu)	01
	Employment Newspaper	01
	Vizag Industrial Scan	02
Print Journal	DEW Journal	01



## B. Online Resources

Online resources cover online journals, databases and other resources. The library subscribes several e-resources for the academia. Subscribed resources are as below:

Publisher	Subscribed Resource	Description
American Society for Mechanical Engineering (ASME)	33 ASME Journals (eSS Package)	The American Society of Mechanical Engineers promotes the art, science and practice of multidisciplinary engineering and allied sciences around the globe.
American Chemical Society (ACS)	ACS All Publications	ACS is one of the leading publishers in chemical and allied subjects. Institute library subscribes all 49 publications covered under this package.
Elsevier (Science Direct)	1. Chemical Engineering 2. Engineering & Technology 3. Earth & Planetary Sciences 4. Energy	Accessibility of 579+ journals from 1995 onwards.
IEEE Xplore	ASPP and POP All	Access of IEEE journals and proceedings
Oxford University Press	Selected Journals	Selected IMA journals.
Royal Society of Chemistry (RSC)	RSC Journals	RSC is the professional body for chemists and the learned society for chemistry. It provides access to RSC Gold 2018 Excluding Archives with 51 full text
Society for Petroleum Engineering (SPE)	OnePetro - Academic Unlimited Access	OnePetro is an online library of technical literature for the oil and gas exploration and production (E&P) industry with contribution from 20 Publishing Partners
Society of Applied and Industrial Mathematics (SIAM)	17 SIAM e-Journals (e-SS Approved Package)	SIAM exists to ensure the strongest interactions between mathematics and other scientific and technological communities through membership activities, publication of journals and books, and conferences.
Wiley	16 Journals (Pick and Choose)	Pick and choose titles (2021&2022)
Medplan Conservatory Society	Heritage Amruth (Online)	Health and Wellness bimonthly journal

## C. Databases

Databases are source of, abstract, full text, citations with related links and information platform of peer reviewed literature.

Publisher	Subscribed Resource	Description
Elsevier	Scopus	A comprehensive, multidisciplinary, trusted abstract and citation database
AMS	MathSciNet	MathSciNet is a searchable online bibliographic database contains all of the contents of the journal Mathematical Reviews (MR) since 1940 along with an extensive author database, links etc.

Informatics	J-Gate	J-Gate Science and Technology with data type.
PressReader	PressReader (Newspapers and Magazines)	Platform for digital newspapers and magazines. It contains more than 7000 newspapers and magazines in more than 60 languages. It contains newspapers and magazines in different Indian languages also.

## D. Backfiles (Journal Archives)

Backfiles of the journals contain research articles published from Vol.1. Issue 1 to 1994.

Publisher	Subscribed Resource	Description
Elsevier	<ul style="list-style-type: none"> <li>Chemical Engineering</li> <li>Chemistry (Inorganic, Organic and Physical &amp; Analytical Chemistry).</li> <li>Engineering and Technology</li> <li>Earth &amp; Planetary Sciences</li> <li>Energy &amp; Power Environmental Science</li> </ul>	Accessibility of 547 journals from Vol.1 to Issue 1 up to 1994.

## E. e-Books

The Institute library is developing its e-book collection day by day as per the requirements of the users. Currently the Institute library has pick and choose basis e-books from Elsevier and Pearson.

- Taylor and Francis e-Books
- Elsevier e-Books

## F. Research Support Tools

• Turnitin Feedback Studio	Similarity Check Tool
• DrillBit	Plagiarism Detection Software
• Grammarly	Spell Check Tool (Dean Office)

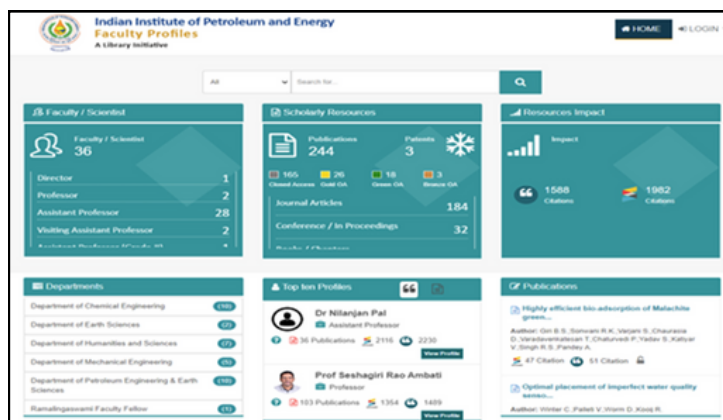
## Library Services and Facilities

The Institute library is extending its services to provide better services to the users. The following services are being provided by the library:

- Internet Browsing
- Wi-Fi Connectivity
- Online late fee collection
- Reference Services
- Current Awareness Service
- News Alerts
- Inter Library Loan (Document Delivery Service)
- Photocopying (paid service)
- Content Management Service
- Web Online Public Access Catalogue (Web-OPAC)

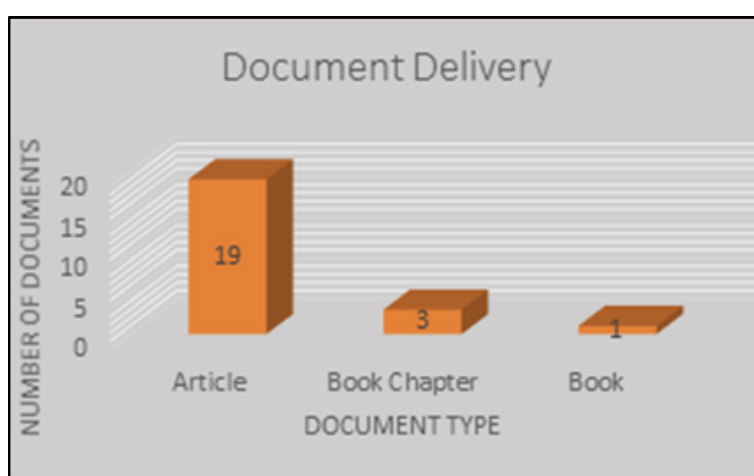
**Faculty Profiling System:** Indian Research Information Network – (IRINS) is a profiling system of the faculties. It contains faculty publication, their projects, PhD etc. profiles of all the faculty members is created at IRINS.

**Document Delivery Services(DDS):** Document Delivery Service is provided through the Inter Library Loan (ILL). The Institute library is the Institutional member of DELNET (Developing Library Network) and collaborates with other leading libraries for ILL. The library provides books, articles and other teaching and research documents through DDS if not available with it.



Picture: IRINS- Faculty Profiling

Document Type	Total Counts
Article	19
Book Chapter	3
Book	1
Total	23



**Remote Access to e-resources:** The Institute library in collaboration with INFLIBNET Centre, Gandhinagar Gujrat provides remote access to the subscribed resources using VPN and Shibboleth authentication-based access. Under this service user can access library resources 24\*7 from any device, anywhere. Link: <https://idp.iipe.ac.in/>



Picture: Remote Access (IdP) Page

## Koha ILMS

Koha is an OPEN Integrated Library Management Software being used in the library to maintain the library print resources' records along with user profile and transactions details. Library users can use OPAC to check the documents availability in the library. They can also check their respective accounts.



Picture: Library Web OPAC

## Library Outreach Activities

The Institute library conducts several outreach programmes on regular basis by its own and in collaboration with leading publishers. In the year 2023-2024 the library conducted several programmes for IIPE patrons.

**(a) Library Orientation:** The library organises user orientation on regular basis for faculties and students: the library conducted User Orientation on 28 August 2023 for newly inducted B. Tech. students of 2023-2024 batch.

**(b) User Awareness Programme:** The library has conducted online user awareness programme on Turnitin Feedback Studio on September 8, 2023 in collaboration with Turnitin.

**(c) Book Exhibition:** The second Annual Book Exhibition was organised on 4th – 5th March 2024. Library registered vendors have displayed books of different disciplines.

**(d) National Conference:** The Institute library has organized National Conference on “Evidence Based Library Transformation: Quality Services for NextGen Users (EBLT-2024” during 24th -25th January 2024. More than 70 participants from different parts of India participated in the conference and presented their original research papers.



National Conference - "EBLT-2024"

The conference has witnessed the participation of eminent personalities in the field of library and information science and they have delivered Invited talks. The conference was sponsored by ICSSR, Elsevier, RSC and Cambridge University Press.

Resource persons from IISc Bengaluru, IIT Madras, IIT Delhi, NIT Warangal, ISI Kolkata, University of Delhi, Indira Gandhi National Open University (IGNOU), New Delhi etc. delivered expert lecture in the conference.

An academic outcome of the conference was published as conference proceedings under the Editorship of Dr. Jitendra Kumar, Deputy Librarian.



## Library Transactions

The Institute Library has implemented automation for all its library in-house activities using the open-source integrated library management software "Koha." The library team takes responsibility for regular maintenance and annual updates to the software, ensuring it stays current with the latest stable version. The system includes a web-based version of the online public access catalogue (Web OPAC) accessible at <https://opac.iipe.ac.in>. Through this interface, users can conduct searches for books, review their borrowed items, extend loan periods, and make reservations. Additionally, the software autonomously generates transaction notifications for users, encompassing overdue reminders and upcoming book due dates. The Library Catalogue or Web OPAC can also be accessed at <http://opac.iipe.ac.in>. Presented below are the transaction statistics of the library spanning from April 1, 2023, to March 31, 2024, sourced from Koha.

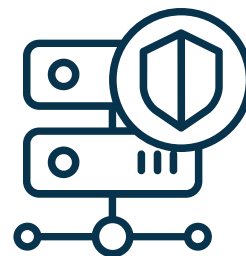
Transaction Type	Total Counts	Percentage
Checkouts (Issue)	1631	49.37%
Checkins (Return)	1609	48.70%
Renew	17	0.51%
Reading Room	47	1.42%
Total	3304	100%



Library Reading Room and Book Stack Area



## Computer Centre



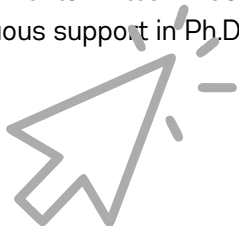
The Institute boasts state-of-the-art servers connected via a high-speed Gigabit Optical Fiber/UTP network in a distributed setup and provides a Robust Network Firewall setup to keep IIPE network from external cyber threats. Over the past year, the IT Division has marked several significant achievements. These include the development and upkeep of the IIPE website and various web portals which increased the visibility of IIPE and its activities in the web-space.

A 24/7 High-Performance Computing (HPC) facility is being maintained, providing resources for students, faculty, and research scholars both on-campus and remotely. Through collaboration with the National Knowledge Network (NKN), IIPE has secured a 100 Mbps internet connection, further supported by an additional 100 Mbps BSNL Internet Leased Line to ensure seamless connectivity of IT resources to all the students and staff of IIPE.

The IT team has successfully extended Wi-Fi and LAN access across the campus for faculty, students, and staff by setting up more Wi-Fi access points with centrally controlled servers, and is also maintaining two cutting-edge E-classrooms for accessing various academic video content. IIPE offers video conferencing capabilities via 'Cisco WebEx,' facilitating online meetings and virtual classes. The institute is also equipped with digital classrooms featuring digital projectors and audio setups to enhance interactive learning experiences. The computer lab, accommodating 60 students and to conduct LAB sessions for student and to conduct workshops or seminars which require computing facilities, is equipped with essential academic software, accessible round-the-clock through VPN.

To ensure safety, comprehensive security measures, including CCTV surveillance and biometric systems, have been maintained in the institute's premises and student hostels. Every member of the IIPE community, including students, faculty, staff, and officers, is provided with a dedicated email ID for seamless communication both within and outside the campus. To bolster network security to accommodate the increased IT infrastructure, IT division has purchased new anti-virus software with more licenses due to which every IT infrastructure and IT device is now being secured from virus, malware or ransom attacks. IT division safeguards the institute's digital assets, protecting sensitive data and ensuring a secure environment for academic and research activities. Public websites of IIPE are secured with industry-standard security protocols. The IT team provides year-round network and hardware support to all members of the institute, with VPN access available for remote utilization of institutional resources.

Laboratories, library, classrooms, faculty offices, and staff offices are equipped with wired / wireless internet and intranet connectivity. All faculty members and students have access to the Institute ERP, which manages various aspects of student life, including grading, academics, admissions, and semester fee payments. IT team has been very successful in providing IT services by managing ERP application and continuous support in Ph.D., M.Sc. and B.Tech. admissions of IIPE.



A new in-house ERP is being designed and developed by IT Software team with the latest technologies to manage administrative activities online. Online Leave Management System has been successfully developed which reduced the dependency of man-power and time for managing leaves of IIPE staff & faculty by automating the leave applications, leave approvals and leave balance management completely through online software system. And IT Software team is actively working on developing three more modules to bring the offline activities such as Telephone/ Broadband bill claims' process, Children Education Allowance process and Approval of Minutes of Meetings process to online which reduces the dependency on man-power and time of staff members.

Admin-ERP

HOME

Login

Enter Details To Login

Username

Password

Login

Forgot Password?

Please use Chrome Browser for browsing this portal.

Leave Information

- 1 A half-day leave is classified as a half-day under Casual Leaves and as a full-day leave under other leave types.
- 2 If a Commuted leave is taken, twice the number of days availed shall be debited from the Half pay leave count.
- 3 While applying a Commuted leave, attaching required documents is mandatory. Please download [Medical & Fitness Certificate](#).

☒ Apply Leave
 ☐ LeaveHistory

☒ Approval for Leaves
 ☐ Approvals for LeaveJoining Form

☒ Delegations
 ☐ Holidays
 ☐ Leave Balance History

Leave Type \*

Casual Leave

Are you going for an Official Tour? \*

☐ Yes
 ☒ No

## Academic / Research Software

A wide range of software, from academic to research-focused, including MATLAB, CMG, AspenTech, ANSYS, SOLIDWORKS, COMSOL, Origin Pro, and relevant open-source software, are available 24/7 to the IIPE community.

By continually upgrading and expanding its digital capabilities, IIPE demonstrates its forward-thinking approach, preparing students for the technologically advanced industries of tomorrow. This multifaceted approach to digital excellence not only enhances the current academic experience but also positions IIPE at the forefront of technology-driven education in the petroleum and energy sector. Through these initiatives, the institute creates a dynamic, secure, and innovative digital ecosystem that empowers its community to excel in an increasingly interconnected world.

# Students' Placements

Career Development Cell (CDC) acts as a facilitator and interaction channel between students and potential recruiters. It provides a platform for managing both placements and internship activities. The placement procedure commences with the CDC engaging in formal discussions with diverse industries and research institutions to invite them to the campus for recruiting students during the designated placement season. The industries and research organizations share details of their requirements, compensation, job postings, specific branches of specialization, and more. This information is then disseminated among the student body.

## The major functions of the cell are to:

- Facilitate all aspects of internships and campus recruitments for the graduating students of all departments.
- Provide the best possible assistance to the recruiters.
- Monitor the hospitality and local transportation of recruiters.
- Arrange career counselling and preparation tests for students.

## Key Highlights

The key highlights of 2024 batch placements and 2025 batch internships include::

- Company Influx: 35 Leading Companies.
- Offer Extravaganza: Unveiled 60 placement offers.
- Triumphant Placement: Soaring 97.87% Graduation Batch Placement.
- Top-tier Triumph: 20.71 LPA Highest CTC.
- Public Sector Units: 09
- Core Excellence: Impressive 89% of students secured positions in core companies.
- Analytical Triumph: Noteworthy 11% found success in analytics and consulting firms.
- Future Pursuits: 18.9% graduates opted for higher education pathways.
- Industrial Immersions: Secured 100% industrial internship rate by attracting new PSUs and MNCs and provided students with essential training.

## List of companies visited IPE Visakhapatnam for Full time hiring for 2024 Batch:

- |                   |                         |                       |                               |
|-------------------|-------------------------|-----------------------|-------------------------------|
| • HPCL            | • Technip Energies      | • Green Fuels         | • IRM Energy                  |
| • IOCL            | • Survira Energy        | • Jaro                | • L&T Hydrocarbon             |
| • HMEL            | • Reliance BP           | • Wipro Oil & Gas     | • HPCL Rajasthan Refinery Ltd |
| • Halliburton     | • Deccan Fine Chemicals | • QuantiPhi Analytics | • Algo Ai                     |
| • TCS             | • HLS Asia              | • Total Energies      | • Caliche                     |
| • Hincol          | • India Cements         | • Indian Oil          | • Quest Global                |
| • Jay Chemicals   | • Mordor Intelligence   | • Adani Gas Pvt Ltd   | • Linde                       |
| • Jindal Drilling | • Argus Media           | • Worley              | • TATA Advanced Systems       |
| • Flipkart        | • Consulting            | • Petrofac            | • Telesto                     |
|                   |                         | • L&T                 |                               |

No of Students Placed	No of Offers	Highest CTC
97.87%	60	20.71 LPA



## 2023-24 Recruiters



HINDUSTAN PETROLEUM CORP. LTD.



IndianOil



Energising a Brighter Tomorrow



HRRL, Rajasthan Refinery Limited



A New Partnership. A New Proposition

HALLIBURTON



Worley  
energy | chemicals | resources

**HLS**  
ASIA LIMITED



**TotalEnergies**

**tcs** TATA  
CONSULTANCY  
SERVICES

**TATA**  
ADVANCED SYSTEMS



IndianOil-Adani Gas Pvt. Ltd.

**Flipkart**



**Quest**  
global

## Program-wise Placement Statistics for 2024 Batch

Program	Number of Students Registered for Placements	No. of Students Placed	Percentage of students placed
B.Tech. Chemical Engineering	26	26	100
B.Tech. Petroleum Engineering	21	20	95.23
<b>Total</b>	<b>47</b>	<b>46</b>	<b>97.87</b>

Name of the PSUs visited	Number of students selected Branch-wise	
HPCL	2	B.Tech. Chemical Engineering
IOCL	3	B.Tech. Chemical Engineering
HRRL	4	B.Tech. Chemical Engineering
<b>Total PSU Selections</b>	<b>09</b>	

## UG Internships

S. No	Name of the Company	Location	Number of Students
<b>B.Tech. Petroleum Engineering</b>			
1.	ONGC IRS	Ahmedabad	4
2.	DGH	Bhubaneswar	4
3.	HLS Asia	Gandhi Nagar	1
<b>B.Tech. Chemical Engineering</b>			
4.	Reliance	Jamnagar	1
5.	Grasim Chemicals	Renukoot	1
6.	HPCL	Visakhapatnam	10
7.	Andhra Sugars	Tanuku	1
8.	IFFCO	Phulpar, UP	1
9.	GAIL	Guna	4
10.	IOCL	Vadodora	5
11.	GAIL	Visakhapatnam	3
<b>Total Students</b>			<b>35</b>



## PG Internships (M.Sc. in Applied Geology)

S. No.	Name of the Company	Location	Number of Students
1.	Halliburton	Bangalore	1
2.	India Cements	Hyderabad	4
3.	Oil India	Assam	3
4.	ONGC IRS	Ahmedabad	2
5.	ONGC	Ahmedabad	5
6.	GMDC	Gadhsina	5*
<b>Total Students</b>			15

\*2nd internship: 15 days during summer 2024

## Placement Efforts for Graduating Batch

### Training

As part of the placement and training program provided by CDC, the students were provided with soft skills training programs on resume building, group activity building, group discussions, and mock interviews. Training on arithmetic logical reasoning and other aptitude-based training was provided to all registered students.



Two domain experts in petroleum and refineries were roped in to conduct mock interviews for all registered students and their valuable feedback was provided to the students. A question bank providing the interview questionnaire for all branches and companies was also prepared and distributed to all the students. Students were constantly motivated and counselled based on their performance and the progress of each student was monitored for their growth and development.

# Memorandum of Understanding (MoU)

The institute has signed MoUs with the following foreign universities:

## University of Houston

An academic MoU has been signed between the University of Houston and the Institute on 15th Jan 2024. The Houston delegation, led by Dr. Renu Khator, Chancellor and President, along with Prof. Ramanan Krishnamoorti, Vice President (Energy & Innovation), and Dr. Suresh Khator, Associate Dean (Graduate and International Programs), visited IIPE for the signing ceremony.



The event was graced by the presence of Shri. Pankaj Jain, Secretary MoPNG, Government of India and Shri. S. Bharathan, Director (Refineries), HPCL. The objective of this MoU is to enhance scientific and technical knowledge through joint research initiatives and to equip students from both institutions with the skills and expertise needed to compete in the dynamic energy industry. Both institutes agree to contribute to regional understanding and foster mutual cooperation in academic programs, aiming to enrich the international experience for both faculty and students.



## Sharif University of Technology (SUT)



IIPE signed a MoU with Sharif University of Technology (SUT) Tehran for academic and research purposes. The MoU will assist in exploring student exchange, faculty exchange, research collaboration, workshops and conferences, etc.





## Books

1. **H. Sharon** and K S Reddy. Solar thermal desalination technologies for potable water (Exploring viable options for reliable and sustainable water production). ANE Books Pvt. Ltd., 2023, Delhi, India (South Asian Version)
2. **H. Sharon** and K S Reddy. Solar thermal desalination technologies for potable water (Exploring viable options for reliable and sustainable water production). Springer International Publishing AG, 2024, USA. (International Version).
3. **Kumar, J.**, Shettar, I.M. and Sharma, A.K.(Ed.) (2024). Evidence-based library transformations: quality services for nextgen users. Creative Books. ISBN : 9788195409570 (Print) and 980196840679 (e-Book).

## Book Chapters

1. Sarma, S., Pandey, G., Borah, U. B., Molokitina, N., & **Chauhan, G.** (2024). Emerging technologies for sustainable energy applications. In Clean and renewable energy production. <https://doi.org/10.1002/9781394174805>
2. Sarma, S., Pandey, G., Borah, U. B., Molokitina, N., & **Chauhan, G.** (2024). Affordable and clean energy: Natural gas hydrates and hydrogen storage. In Clean and renewable energy production. <https://doi.org/10.1002/9781394174805>

## Journal Articles

### Department of Chemical Engineering

1. Jaiswal, V. K., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2024). Simultaneous removal of p-cresol and methylene blue dye through upward-flow packed bed biofilm reactor (UFPBBR): Kinetics, phytotoxicity and bacterial toxicity assessment. Journal of Water Process Engineering, 58, 104868.
2. Tripathi, P., Tiwari, S., Tiwari, H., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2023). Techno-economic assessment of coupling ozonation and biodegradation process for the dye wastewater treatment. Journal of Water Process Engineering, 56, 104286.

3. Tiwari, H., Tripathi, P., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2023). A synergistic approach combining adsorption and biodegradation for effective treatment of Acid Blue 113 dye by *Klebsiella grimontii* entrapped in graphene oxide-calcium alginate hydrogel beads. *Bioresource Technology*, 387, 129614.
4. **Sonwani, R. K.**, Patel, D., Singh, A., Singh, R. S., & Rai, B. N. (2023). Intensified biodegradation of Congo red dye by mixed culture in a sequential bioreactor: Kinetics and phytotoxicity studies. *Indian Journal of Experimental Biology*, 61(10), 739–745.
5. Jaiswal, V. K., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2023). Assessment of enhanced p-cresol biodegradation by encapsulating pre-immobilised *Serratia marcescens* strain HL 1 on tea waste biochar into polyvinyl alcohol/sodium alginate matrix. *Biochemical Engineering Journal*, 199, 109046.
6. Jaiswal, V. K., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2023). Construction and performance assessment of recirculating packed bed biofilm reactor (RPBBR) for effective biodegradation of p-cresol from wastewater. *Bioresource Technology*, 384, 129372.
7. Tripathi, P., Tiwari, S., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2023). Assessment of biodegradation kinetics and mass transfer aspects in attached growth bioreactor for effective treatment of brilliant green dye from wastewater. *Bioresource Technology*, 381, 129111.
8. **Sonwani, R. K.** (2023). Current perspectives of Anammox-denitrification technology and its application in industrial wastewater treatment. In *Anammox Technology in Industrial Wastewater Treatment* (pp. 91-100).
9. Jaiswal, V. K., Maurya, K. L., **Sonwani, R. K.**, & Singh, R. S. (2023). Biodegradation of p-cresol by *Serratia marcescens* strain HL 1 in batch system: Process optimization, growth kinetic study, phytotoxicity and chlorophyll assessment. *Bioresource Technology Reports*, 22, 101426.
10. Sridevi, V., Surya, D. V., Reddy, B. R., Shah, M., Gautam, R., **Kumar, T. H.**, Puppala, H., Pritam, K. S., & Basak, T. (2024). Challenges and opportunities in the production of sustainable hydrogen from lignocellulosic biomass using microwave-assisted pyrolysis: A review. *International Journal of Hydrogen Energy*, 52, 507–531.
11. Kuruvinashetti, K., **Tanneru, H. K.**, Pakkiriswami, S., & Packirisamy, M. (2023). Optical interactions in bio-electricity generation from photosynthesis in microfluidic micro-photosynthetic power cells. *Energies*, 16(21), 7353.
12. Dadi, V. S., Veluru, S., **Tanneru, H. K.**, Reddy, B. R., Potnuri, R., Kulkarni, A., Mishra, G., & Basak, T. (2023). Recent advancements of CFD and heat transfer studies in pyrolysis: A review. *Journal of Analytical and Applied Pyrolysis*, 175, 106163.
13. Kachhadiya, K., Patel, D., Vijaybhai, G. J., Raghuvanshi, P., Surya, D. V., Dharaskar, S., Kumar, G. P., Reddy, B. R., Remya, N., **Tanneru, H. K.**, & Basak, T. (2023). Conversion of waste polystyrene into valuable aromatic hydrocarbons via microwave-assisted pyrolysis. *Environmental Science and Pollution Research*, 1–4.
14. Kulkarni, A., Mishra, G., **Palla, S.**, Potnuri, R., Dadi Venkata Surya, D., & Basak, T. (2023). Advances in computational fluid dynamics modeling for biomass pyrolysis: A review. *Energies*, 16(23), 7839.



15. Pritam, K., Kocherlakota, **S., Palla, S.**, Puppala, H., Srinivas, B. A., Luhaniwal, J., & Surya, D. V. (2023). Bibliometric analysis of research progress in microwave-assisted pyrolysis of biomass during 1979-2023. *Journal of Analytical and Applied Pyrolysis*, 106331.
16. Jha, N., Tanneru, H. K., **Palla, S.**, & Mafat, I. H. (2024). Multivariate analysis and forecasting of the crude oil prices: Part I-Classical machine learning approaches. *Energy*, 131185.
17. **Mandapaka, R. K.** (2024). R dot approach for kinetic modelling of WGS over noble metals. *International Journal of Chemical Reactor Engineering*, 22(6), 651-660.
18. Asati, H., **Mondal, R.**, & Tripathi, K. M. (2024). Ultra-fast microwave catalytic degradation of multiple dyes by waste-derived carbon nano onions. *Materials Today Sustainability*, 100724.
19. Asati, H., **Mondal, R.**, & Tripathi, K. M. (2024). Green synthesis of disordered N-doped carbonaceous aerogel from waste for the removal of over-the-counter drugs and environmental assessment. *RSC Applied Interfaces*, 14:6585.
20. Asati, H., **Mondal, R.**, & Tripathi, K. M. (2024). Economically viable N-doped graphene aerogel for the photodegradation of structurally different dyes and a plant-model based environmental assessment. *Environmental Science: Nano*. 11, 969.
21. **Mondal, R.** (2023). Fundamental insights into structure-performance relationship for proton conductivity enhancement through polymer electrolyte membrane in proton exchange membrane fuel cell. *Chemical Engineering and Processing: Process Intensification*, 109589.
22. Jose, J., Kundu, A., **Pal, D.**, Dutta, S., Rawal, A., Pramanik, R., & Kumar, G. (2023). Rising of asymmetric bubble through milli-tubes: Experimental, theoretical and numerical analysis. *Physics of Fluids*, 35(12), 123331.
23. Hazarika, T., Kakati, B., **Pal, D.**, Saikia, R., Rawal, A., Mahanta, M., & Biswas, S. (2024). Role of plasma process gas on permeate flux augmentation of cellulose nitrate membrane for mud water treatment. *Scientific Reports*, 14, 6585.
24. Guhathakurat, S., **Pal, D.**, Reddy, S. B., Manik, N., & Manlik, S. (2024). Fabrication of highly transparent substrate from waste materials for electronic devices applications. *ACS Applied Electronics Materials*, 6, 4080-4089.
25. Jamkar, S., Tripathy, A., Mallik, S., & **Pal, D.** (2023). Methodologies of removal of heavy metals from contaminated water using various waste materials: A comprehensive review. *ChemBioEng Reviews*, 10, 959-992.
26. Hazarika, T., Das, P., Jose, J., Kakati, B., **Pal, D.**, Saikia, R., & Mahanta, M. K. (2023). Flux enhancement of cellulose nitrate membrane through plasma-assisted route for waste and mud water treatment. *Polymers for Advanced Technologies*, 34, 2862-2878.

## Department of Humanities and Sciences

1. Chandaluri, M. M., **Chandaluri, Ch. G.**, Abe, H., & Ramesh, G. V. (2023). Nano-architectonics of cathode electrocatalyst based on CoMn2O4 and graphene nanocomposite for fuel cell applications. *Applied Nanoscience*, 13, 6489-6502.
2. Das, G. S., Panigrahi, R., **Ghosh, S.**, & Tripathi, K. M. (2024). Waste frying oil-derived carbon nano-onions as a cost-effective cathode material for high-voltage zinc-ion hybrid supercapacitors. *Materials Today Sustainability*, 25, 100656-100663.
3. Shaik, B. S., Pradhan, P., Pu, W., **Naidu, R. R.**, Rodrigues, M. R. D., & Eldar, Y. C. (2024). Optimization guarantees of unfolded ISTA and ADMM networks with smooth soft thresholding. *IEEE Transactions on Signal Processing*, 72, 3272-3286.



4. Pradhan, P., Shaik, B. S., **Naidu, R. R.**, & Eldar, Y. C. (2024). Recursive tail-FISTA for sparse signal recovery. In Proceedings of IEEE ICASSP.

5. Sen, A., Pradhan, P., **Naidu, R. R.**, & Sastry, C. S. (2024). Unrolled Proximal Gradient Descent Method for Non-negative Least Squares. In Proceedings of IEEE ICASSP.

6. Friedrich, J., Sudha, S., & **Rathan, S.** (2023). Numerical schemes for a class of nonlocal conservation laws: A general approach. Networks and Heterogeneous Media, 18(3), 1335-1354.

7. **Rathan, S.**, & Gu, J. (2023). A sixth-order central WENO scheme for nonlinear degenerate parabolic equations. Computational and Applied Mathematics, 42, Article No. 182.

8. Salian, L. V., & **Rathan, S.** (2024). Exponential approximation space reconstruction weighted essentially non-oscillatory scheme for dispersive partial differential equations. Mathematical Methods in the Applied Sciences, 47(4), 1823-1851.

9. Rathan, S., Shah, D., **Kumar, T. H.**, & Charan, K. S. (2024). Adaptive IQ and IMQ-RBFs for solving initial value problems: Adam-Bashforth and Adam-Moulton methods. International Journal of Computational Methods, 21(3), 2350032.

## Department of Mechanical Engineering

1. Reddy, L. K., Biswal, P., & **Pujari, A. K.** (2023). Latent heat thermal energy storage solution for CSPs: Integration of PCM heat exchangers. Journal of Energy Storage, 73, 109150.

2. Panda, R. K., **Pujari, A. K.**, & Gudla, B. (2023). Experimental investigations for effectiveness of combined impingement film cooling. Journal of Enhanced Heat Transfer, 30(6).

3. Panda, R. K., **Pujari, A. K.**, & Gudla, B. (2023). Effect of jet to plate spacing on film cooling performance in a combined impingement and film cooling arrangement. Heat Transfer Research, 54(16).

4. Panda, R. K., **Pujari, A. K.**, & Gudla, B. (2023). A comparative study of film cooling with combined impingement and film cooling. Journal of Applied Fluid Mechanics, 16(7), 1386-1401.

5. Panda, R. K., **Pujari, A. K.**, & Gudla, B. (2023). Flow structure comparison of film cooling versus hybrid cooling: A CFD study. International Journal of Turbo & Jet-Engines, (O).

6. **Hilarydoss, S.** (2023). A detailed review on various aspects of inverted solar still desalination systems proposed for clean water production. Environmental Science and Pollution Research, 30, 119671-119710.

7. Vivar, M., **Hilarydoss, S.**, & Fuentes, M. (2024). Photovoltaic system adoption in water-related technologies: A review. Renewable and Sustainable Energy Reviews, 189, 114004.

8. **Hilarydoss, S.**, Nishant, K., & Nahak, S. K. (2024). Economics, environmental footprint, and sustainability of community-scale solar desalination plant in water-scarce Somalia coastal regions. Clean Technologies and Environmental Policy, 26, 2819-2847.

9. Mohanty, A., **Senapati, S. K.**, Ganguly, V. R., & Dash, M. K. (2024). Computation of natural convection heat transfer from an infrared suppression device (IRS) with multiple louvered cylindrical funnels. Numerical Heat Transfer, Part-A: Applications, 1-17.

## Department of Petroleum Engineering & Earth Sciences

1. Janeček, I., **Mishra, D. A.**, Vishnu, C. S., Ščučka, J., Vaculíková, L., & Martinec, P. (2024). Experimental study of compact sandstone deformation under axisymmetric triaxial loading along specific paths in stress space. Rock Mechanics and Rock Engineering, 57(1), 97-113.

2. Maddirala, R., **Kakati, H.**, Shukla, R., Jain, R., Ghosh, S., Mishra, D. A., Pramanik, R., Dhanraj, A., Dey, P., Dubey, A. K., & Sharma, A. (2024). Investigating the impact of pulsed plasma-based shockwave technology on the characteristics of Indian crude oil. Geoenergy Science and Engineering, 233, 212531.



3. Rath, G. K., Pandey, G., Singh, S., Molokitina, N., Kumar, A., Joshi, S., & **Chauhan, G.** (2023). Carbon dioxide separation technologies: Applicable to net zero. *Energies*, 16, 4100.

4. Kumar, N., Verma, A., Ahmad, T., Sahu, R. K., Mandal, A., Mubashir, M., Ali, M., & **Pal, N.** (2024). Carbon capture and sequestration technology for environmental remediation: A CO<sub>2</sub> utilization approach through EOR. *Geoenergy Science and Engineering*, 234, 212619.

5. Dinesh, N. S. V., & **Sivasankar, P.** (2024). Exergy based assessment for decarbonization of CO<sub>2</sub> foam flooding enhanced oil recovery process and energy transition with hydrogen. *International Journal of Hydrogen Energy*, 52, 1522–1536.

6. Nikhil, P., Prakash, G. B., Kavyasri, K., & **Sivasankar, P.** (2024). Analysis on CO<sub>2</sub> emissions, green hydrogen requirement and geo-storage potential of hydrogen for decarbonization of industrial operations in southeastern coast of India. *International Journal of Hydrogen Energy*, 52, 1507–1521.

7. **Singh, R. K.**, Weckmann, U., & Srivastava, S. (2023). Magnetotelluric images of the medium enthalpy Bakreswar geothermal province within a granitic gneissic complex, Eastern Indian Peninsula. *Geophysical Prospecting*, 1365–2478.13439.

## Conference Proceedings/presentations

### Department of Chemical Engineering

1. Modi Musalaiah, P., Pulipati King, J., Jampana Vishnu Varma, V., Veluru Sridevi, H., Hamzah, H. T., & **Tanneru, H. K.** (2024). Microwave pyrolysis of ethanol treated *Spirulina* and *Ficus Benghalensis* for biofuel synthesis—A comparative study. In 1st International Conference on Trends in Chemical, Energy and Environmental Engineering (ChemEEE 2024), Indian Institute of Petroleum and Energy, Visakhapatnam, India, 19-21 February 2024.

2. Jayasri Gumma, Palla, S., & **Tanneru, H. K.** (2024). Unravelling the significance of drug delivery: Computational insights into the interaction between 5-fluorouracil and zeolitic imidazolate framework (ZIF-8). In 1st International Conference on Trends in Chemical, Energy and Environmental Engineering (ChemEEE 2024), Indian Institute of Petroleum and Energy, Visakhapatnam, India, 19-21 February 2024.

3. Pranav Sarda, Darla, S., Mafat Hussain, I., Palla, S., & **Tanneru, H. K.** (2023). Machine learning model for prediction of C<sub>2</sub> selectivity by oxidative coupling of methane. In ICPHD 2023, IIT Guwahati, Assam, India, 3-5 November 2023.

4. Dharmana Chanikya, **Tanneru, H. K.**, & Putta, K. R. (2023). Development of sizing correlations for equipment in amine-based absorption process for carbon capture. In ICPHD 2023, IIT Guwahati, Assam, India, 3-5 November 2023.

5. Abdulrahman H. Ba-Alawi, **Palla, S.**, Ambati, S. R., Yang, J., & Yoo, C. K. (2024). Chemical-guided screening of functional structure of MOFs for hydrogen storage: An explainable deep attention autoencoder model. In The 3rd International Symposium on Carbon & Functional Materials for Energy & Environment (CMEE 2024), February 21-24, 2024.

6 Iradat Hussain Mafat, **Palla, S.**, & Dadi Venkata Surya. (2023). Prediction of the carbon capture in MOFs by machine learning. In International Conference on Petroleum, Hydrogen & Decarbonization (ICPHD-2023), Indian Institute of Technology Guwahati, India, November 03-05, 2023.

7. Pragadeesh B., **Palla, S.**, & Narasimha Reddy, S. (2023). Optimization of product yield of agricultural biomass pyrolysis by machine learning. In New Frontiers in Chemical, Energy and Environmental Engineering (INCEEE - 2023), National Institute of Technology Warangal, India, November 24-25, 2023.

8. Sheik Abdul, & **Palleti, V. R.** (2024). Adversarial machine learning models for anomaly detectors in process systems. In ChemEEE 2024, IPE Visakhapatnam, India, February 19-21, 2024.

9. **Ravi Kumar Sonwani.** (2023). Enhance the efficacy of the biological process for effective degradation of azo dye from wastewater. In New Horizons in Biotechnology (NHBT-2023), CSIR-NIIST, Trivandrum, India, November 26-29, 2023.

10. **Kurada K. V.** (2023). Solubility parameter estimation of waxy crude. In CHEMCON 2023, Kolkata, West Bengal, India, December 27-30, 2023.

## Department of Humanities and Sciences

1. **Rathan, S.**, & Kumar, R. (2024). A high-resolution third-order hybrid WENO scheme for solving hyperbolic conservation laws. In Latest Advances in Computational and Applied Mathematics (LACAM-24), IISER Thiruvananthapuram, Kerala, India, February 21-24, 2024.

2. Lavanya V. Salian, **Rathan, S.**, & Ghosh, D. (2024). A new central compact finite difference scheme with high spectral resolution for dispersive equations.

In Latest Advances in Computational and Applied Mathematics (LACAM-24), IISER Thiruvananthapuram, Kerala, India, February 21-24, 2024.


3. Jan Friedrich, Sudha, S., & **Rathan, S.** (2023). Numerical methods for non-local conservation laws. In 89th Annual Conference of Indian Mathematical Society (IMS), organized by the Department of Mathematics, BITS Pilani, Hyderabad, December 22-27, 2023.

4. Lavanya V. Salian, & **Rathan, S.** (2023). A fifth-order WENO scheme with exponential basis for solving dispersive equations. In International Conference on Applied Mathematics and Mechanics (ICAMM 2023), organized by the Department of Mathematics, IIT Indore, October 18-20, 2023.

5. Lavanya V. Salian, & **Rathan, S.** (2023). Weighted essentially non-oscillatory scheme for dispersion equations with exponential approximation space. In International Conference on Differential Equations and Control Problems (ICDECP23), organized by the Department of Mathematics & Statistics, IIT Mandi, June 15-17, 2023.

6. Arun Govind Neelan, & **Rathan, S.** (2023). Numerical stability analysis using deep neural network. In International Conference on Differential Equations and Control Problems (ICDECP23), organized by the Department of Mathematics & Statistics, IIT Mandi, June 15-17, 2023.

7. Sudipta Sahu, & **Rathan, S.** (2023). Improved upwind scheme for advection equation with exponential approximation space. In International Conference on Differential Equations and Control Problems (ICDECP23), organized by the Department of Mathematics & Statistics, IIT Mandi, June 15-17, 2023.



8. Jan Friedrich, Sudha, S., & **Rathan, S.** (2023). Finite-volume schemes for a class of non-local conservation laws. In International Conference on Differential Equations and Control Problems (ICDECP23), organized by the Department of Mathematics & Statistics, IIT Mandi, June 15-17, 2023.

## Department of Petroleum Engineering and Earth sciences

1. Saurabh Mishra, & **Chauhan, G.** (2024). Preserving ocean ecosystem: Innovative 3-D porous sponge for offshore oil spill clean-up. Presented at India Energy Week, Goa, February 6-9, 2024.

2. Durga Maheshwari, & **Chauhan, G.** (2024). Studies on an environment friendly deepwater HTHP drilling fluid. Presented at National Conference on Earth's Material for Energy: Mantle to Market (EE&MM-2024), February 1-2, 2024.

3. Saurabh Mishra, & **Chauhan, G.** (2023). Fabrication of composite sponge structure for mitigating oil spill over marine water. Presented at International Conference on Petroleum, Hydrogen and Decarbonization (ICPHD'23), IIT Guwahati, November 3-5, 2023.

## Contributions as Reviewer / Members of Editorial Board of Journals

### Department of Chemical Engineering

1. **Dr. Ravi Kumar Sonwani:** Guest Editor in a Special Issue "Research on Bioremediation of Hazardous Wastes" of Toxic journal; Guest Editor in Innovative biorefinery solutions for products and energy - Status 2024, Biomass Conversion and Biorefinery

2. **Dr. Hemanth Kumar Tanneru:** Reviewer for Asia-Pacific journal of Chemical Engineering, Biomass conversion and Biorefinery, Indian chemical Engineer, Results in control and optimization; Guest Editor for Innovative biorefinery solutions for products and energy - Status 2024, Biomass Conversion and Biorefinery); Guest Editor for Chemical Product and Process Modeling

3. **Dr. Venkata Reddy Palleti:** Guest Editor for Chemical Product and Process Modeling; Reviewer for Transactions on Information Forensics and Security; TPC member of the 5th International Workshop on Artificial Intelligence and Industrial Internet-of-Things Security (AIoTS 2023), held in conjunction with ACNS 2023 conference in Kyoto, Japan.

4. **Dr. Raka Mondal:** Reviewer for results in Engineering, Journal of Cleaner Production, Journal of Energy Nexus, Chemical Engineering Journal, Chemical Engineering Science.

5. **Dr. Dipankar Pal:** Reviewer for Applied Physics Letters (AIP Publishing), Experimental and Computational Multiphase Flow (Springer), Surface and Coatings Technology (Elsevier) and Material Science and Engineering Technology (Wiley)

### Department of Petroleum Engineering and Earth Sciences

1. **Prof. K. Vijaya Kumar:** Reviewer for Journal of Geological Society of India, Journal of Earth System Sciences; Ph.D. thesis reviewer from AcSIR, Osmania University and Funding agencies (DST); and Evaluator of Application for Senior Professor under CAS (Amaravati University)

2. **Dr. Geetanjali Chauhan:** Reviewer for the Chemosphere, Energy and Fuels, Journal of Molecular liquids.

3. **Dr. Nilanjan Pal :** Reviewer for Journal of Petroleum Science and Engineering; Arabian Journal of Geosciences; ACS Omega; Petroleum Science & Technology; Journal of Petroleum Exploration and Production Technology; Langmuir; Industrial & Engineering Chemistry Research; AIChE Journal; Chemical Engineering Science; New Journal of Chemistry; Petroleum Science; International Journal of Greenhouse Gas Control; IEEE.

Transactions on Computational Social Systems; ACS Food Science & Technology; Earth Science Reviews; Energy & Fuels; Chemosphere; International Journal of Oil, Gas and Coal Technology.

## Department of Mechanical Engineering

1. **Dr Sharon Hilary Doss,** Reviewer for Kerala State Council for Science, Technology and Environment, Trivandrum, Kerala and various journals.

2. **Dr. Santosh Kumar Senapati:** Reviewer for journal of Powder Technology

## Invited Lectures / Talks

Sl	Name of the faculty	Conference, Place and Date(s)	Title of Lecture/Presentation
----	---------------------	-------------------------------	-------------------------------

## Department of Chemical Engineering

1.	Dr. Ravi Kumar Sonwani	Confederation of Indian Industry (CII) Conference, Hotel Fairfield by Marriott, Visakhapatnam on Sept, 12/2023.	An overview of biological systems in industrial wastewater management Water
2.	Dr. Ravi Kumar Sonwani	National Institute of Technology, Rourkela, Odisha on Feb 09, 2024.	Monitoring and Control Aspects of Volatile Organic Compounds
3.	Dr. Ravi Kumar Sonwani	Dr. Ambedkar Institute of Technology for Handicapped (AITH), Kanpur on Dec 14, 2023.	Application of Biological Systems in Wastewater Treatment
4.	Dr. Kurada Venkata Krishnasri	Workshop on Corrosion Mitigation at NTPC Simhadri on April 17, 2023.	Corrosion in Harsh Industrial Environments and its prevention
5.	Dr. Tanneru Hemanth Kumar	National level conference on Recent Trends in Chemical Engineering, Department of Chemical Engineering, Sri Venkateswara University College of Engineering in Chemosphere -2k24, during March 21-23, 2024.	Machine learning in Chemical Engineering
6.	Dr. Tanneru Hemanth Kumar	A Five-Day National Level Faculty Development Program in the Department of Mechanical Engineering, Gayatri Vidya Parishad College for Degree and PG Courses (A) during March 19-23, 2024.	Artificial Intelligence in Mechanical engineering Applications for Heat Transfer systems "



SI	Name of the faculty	Conference, Place and Date(s)	Title of Lecture/Presentation
7.	Dr. Ravi Kiran Mandapaka	Karyashala - 5 days High-End International Workshop on "Advanced materials: Materials for catalytic reduction of pollutants and their application as supercapacitors for energy storage" on Feb 7, 2024.	Detailed Kinetic Models for CO abatement reactions over substituted and impregnated noble metal catalysts
8.	Dr. Ravi Kiran Mandapaka	International Conference on Science & Technology Integration for Circular Economy, 18-19th January, 2024	Production of Olefins: Alternative to crude oil refining as part of Valorization
9.	Dr. Raka Mondal	Workshop on Corrosion Mitigation at NTPC Simhadri on April 17, 2023.	Corrosion in Harsh Industrial Environments and its prevention
10.	Dr. Dipankar Pal	Workshop on Corrosion Mitigation at NTPC Simhadri on April 17, 2023.	Corrosion protection using advanced coating

### Department of Humanities and Sciences

1.	Dr. Ch. Gupta Chandaluri	Popular Lecturer Series, Organized by Government Degree College, Kamavarapukota, Eluru District, Andhra Pradesh, Apr 3, 2023	Advanced Applied Chemistry and Engineering Materials
2.	Dr. Ch. Gupta Chandaluri	Gitam Chemistry Research Conference (GCRC 2023), Organized by Gitam School of Science, Visakhapatnam, Andhra Pradesh, Dec 7-9, 2023.	Structural Tuning of Optical Molecular Nanomaterials
3.	Dr. Ch. Gupta Chandaluri	International Conference on New Frontiers in Physical, Chemical and Biological Sciences-2024, Organized by Dr. V. S. Krishna Govt. Degree and PG College(A) Visakhapatnam, Andhra Pradesh, Feb 20 & 21, 2024.	Structural Tuning of Optical Molecular Nanomaterials Fundamental to Applications
4.	Dr. Samala Rathan	Recent Advances in Differential Equations and Applications' Organized by the Department of Mathematics, School of Advanced Sciences, VIT AP University, Andhra Pradesh, India, 27th October 2023.	Numerical methods for scalar hyperbolic conservation laws
5.	Dr. Somnath Ghosh	Gitam Chemistry Research Conference (GCRC 2023), Organized by Gitam School of Science, Visakhapatnam, Andhra Pradesh, Dec 7-9, 2023	Exfoliated Cobalt-Doped Manganese Oxide (Co <sub>x</sub> Mn <sub>1-x</sub> O <sub>2</sub> ) Nanosheet: Efficient and Stable Electrocatalyst for Hydrogen Evolution reaction (HER) in Alkaline Medium

## Visits/Seminar/ Conference / Workshop/Attended by Faculty

Sl	Name of the Faculty	Title	Period	Place
----	---------------------	-------	--------	-------

### Department of Chemical Engineering

1.	Dr. Raka Mondal	Research Visit with Prof. Ian Griffiths of Mathematical Institute.	06 June-10 July 2023	University of Oxford, UK
2.	Dr. Seshagiri Rao Ambati	Research visit with Prof. Eberhard Morgenrath, Swiss Federal Institute of Aquatic Science and Technology (Eawag).	1 - 30 June, 2023	ETH Zurich, Switzerland
3.	Dr. Sridhar Palla	Visited General Electric (GE) Vernova Bangalore under Faculty Mobilty Program	10-24 December, 2023	Bangalore

### Department of Humanities and Sciences

1.	Dr. Ch Gupta Chandaluri	Attended summit on Hydrogen Energy Resource & Opportunity (HERO-2023)	24-26 July, 2023	IIFE Visakhapatnam
----	-------------------------	---	------------------	--------------------

### Department of Mechanical Engineering

1.	Dr. Sharon Hilarydoss	8th National Workshop on Research Methodology in Fluid Mechanics organized by the Department of Mechanical Engineering	12-15 July, 2023	IIT Jodhpur
2.	Dr. Sharon Hilarydoss	Poster Presentation in the IDEAS 2024 Conference	22 Dec 2023 - 2 January, 2024	Abu Dhabi, UAE

### Department of Petroleum Engineering and Earth Sciences

1.	Dr. Geetanjali Chauhan	Attended India Energy Week, Goa	6-9 February, 2024	Goa
2.	Dr. Geetanjali Chauhan	Attended Faculty Mobilty Program at ONGC, Kakinada	18-22 December, 2023	Kakinada
3.	Dr. Nilanjan Pal	Attended India Energy Week, Goa	6-9 February, 2024	Goa
4.	Dr. Sivasankar P.	Attended India Energy Week, Goa	18-22 December, 2023	Goa

## Seminars / Training/ Conferences / Workshops/ Symposiums Organized

SI	Title	Event	Dates
----	-------	-------	-------

### Department of Chemical Engineering

1.	Wastewater Characterization, Treatment, and Reuse (WCTR)	Training.	10-11 April 2023
2.	Trends in Chemical, Energy and Environmental Engineering (Chem-EEE-2024)	International Conference	19-21 February, 2024

### Department of Petroleum Engineering and Earth Sciences

1.	Earth's Materials for Energy: Mantle to Market (EEMM - 2024)	National Conference	1-2nd February 2024
2.	Unconventional Hydrocarbon Resources : Opportunities and Challenges.	Webinar	28-29 March, 2024

### Department of Mechanical Engineering

1.	Renewable Energy Utilization for Sustainable Growth.	Workshop	25-26th August, 2023
----	--	----------	----------------------

### Department of Humanities and Sciences

1.	International Energy Summit: Hydrogen Energy Resource & Opportunity (HERO-2023)	Workshop	July 24-26, 2023
2	Applications of Scalar Hyperbolic Conservation Laws	Short course	March 1-5, 2024

### Library

1.	Evidence Based Library Transformation: Quality Services for NextGen Users "EBLT-2024	National Conference	24th -25th January 2024
----	--	---------------------	-------------------------

## Faculty/Awards/Honours/Distinction/Fellowships/Scholarships/ Memberships

SI	Faculty Name	Details of the Awards/Honours/Fellowship/Membership	Remarks
----	--------------	---	---------

### Department of Chemical Engineering

1.	Dr. Ravi Kumar Sonwani	Expert for the Consent Management and Monitoring Committees at Visakhapatnam zone, Andhra Pradesh Pollution Control Board (APPCB)	Member
----	------------------------	---	--------

Sl	Faculty Name	Details of the Awards/Honours/Fellowship/Membership	Remarks
2.	Dr. Ravi Kumar Sonwani	Member in the Board of Studies of the Chemical Engineering Department, GIET University, Gunupur	Member
3.	Dr. Ravi Kumar Sonwani	Life Membership of The Biotech Research Society, India	Life Member
4.	Dr. Kurada Venkata Krishnsri	Life member of Indian Institute of Chemical Engineers, Kolkata (IICHE).	Life member

### Department of Mechanical Engineering

1.	Dr. Sharon Hilarydoss	International Desalination Association, USA.	Individual Member
----	-----------------------	--	-------------------

### Department of Petroleum Engineering and Earth sciences

1.	Dr. Himanghu Kakati	Professional members of Society of Petroleum Engineers.	Professional member
2.	Dr Rajat Jain	Professional members of Society of Petroleum Engineers.	Professional member
3.	Dr. Nilanjan Pal	Professional members of Society of Petroleum Engineers.	Professional member
4.	Dr. Nilanjan Pal	Regular Member, European Association of Geoscientists and Engineers	Regular member
5.	Dr. Geetanjali Chauhan	Professional member of Society of Petroleum Engineers	Professional member

### Library

1.	Dr Jitendra Kumar	Indian Library Association (ILA) and Society for Advancement of Library and Information Science	Life Member
2.	Dr Jitendra Kumar	Member of Board of Studies, Library & Information Science, (PG), Andhra University.	Member

## Research, Development and Collaborations

The main objective of instituting the Dean (R and D) office is to foster excellence in research and to inspire Faculty members and young researchers from the institute to strive for outstanding contributions in the fields of Science, Technology, Engineering, and Mathematics (STEM). The office seeks to help the faculty execute and honour research activities and commitments smoothly and time-bound through standard policies and guidelines.

During the current financial year (1st April 2023 - 31st March 2024), the Indian Institute of Petroleum and Energy received funding from extramural agencies and industries, including DST-SERB, ANRF, AR&DB, NBHM, NTPC, DGH, and ICMR for Fourteen research projects with a total outlay of Rs. 40,23,31,510.00. Two of the projects are with international collaboration.

The institute has also provided research funds to the newly joined ten faculty members through the Innovative Research Grants program with an outlay of 2,70,26,330.00. The institute has filed three patents during the 2023-2024 financial year, and faculty have published 45 research papers in nationally and internationally reputed scientific journals. The total number of citations during this period is ~ 500. The institute has signed 3 National and 2 International Memorandums of Understanding (MoUs) with industries and institutions for faculty mobility, student training internships, and scientific collaborations.

The IIPE has organized two international and six national workshops/seminars/symposia covering hydrogen energy, wastewater characterization, recent advances in petroleum engineering, renewable energy utilization for sustainable growth, machine learning, environmental engineering, Earth's materials for energy, and library transformation in the digital era. Many students from different institutes were trained at IIPE through the summer internship program. The IIPE has enhanced research facilities by procuring and commissioning GC-MS, Micro-CT, HPLC, AAS, Resistivity Imaging System, and other sophisticated equipment with a total outlay of Rs. 19,98,67,132.00.

### Sponsored Research Projects

- No. of sponsored projects completed as of 31.3.2024 = 07
- No. of ongoing sponsored projects as of 31.3.2024 = 22
- No. of sponsored projects sanctioned during the year 2023-24 = 17

### Consultancy Projects for 2023-24

- Dr. Tanneru Hemanth Kumar is consultant to the GITAA Pvt Ltd for the Data Science related problems.
- Dr. Sridhar Palla is consultant to the GITAA Pvt Ltd for the Data Science related problems.
- Dr. P. Venkata Reddy is consultant to the GITAA Pvt Ltd for the Data Science related problems.



## Sponsored Research Projects

SI	Title of the Project	Name of the Funding Agency	Name of the Faculty (Principal Investigator)
----	----------------------	----------------------------	--

### Department of Chemical Engineering

1.	Machine learning methods for water quality estimation and control in water resource recovery facilities towards circular economy and sustainability	DST	PI: Dr. A. Seshagiri Rao Co-PI: Dr. Venkata Reddy Palleti
2.	Development of sustainable and cost-effective strategy for corrosion mitigation in NTPC Simhadri - Phase O1	NTPC	PI: Dr. Raka Mondal Co-PI: Dr. Kurada Venkata Krishnasri
3.	Development of sustainable and cost-effective strategy for corrosion mitigation in NTPC Simhadri	NTPC	PI: Dr. Dipankar Pal Co-PI: Dr. Chanchayya Gupta Chandaluri, Dr. Ravi Kumar Sonwani
4.	C3-C4 olefin synthesis from ethanol	DST-SERB	Dr. Ravikiran Mandapaka
5.	Advanced Control of Complex Pharmaceutical Processes	SPARC	Dr. A. Seshagiri Rao
6.	SBIF-XRD Analytical Lab	SBI	PI: Dr. Krishnasri CO-PI: Dr. Nilanjan Pal

### Department of Humanities and Sciences

1.	Molecular modelling and Simulation studies to get insights into the inhibitor binding site in Isocitrate Dehydrogenase -1 mutants: In silico and experimental studies to develop novel anti-cancer therapeutics	ICMR	PI: Dr. P. Aparoy, Co-PI: Dr. Ch. Ch. Gupta
2.	Models-based Artificial Intelligence Methods for Sparse Signal Recovery: Theory and applications in Imaging	NBHM	PI: Dr. R. Ramunaidu
3.	H2 generation from Sea Water through Flue Gas Desalination (GH2-FGSW DeSal Plant)- Development, Design and Setup of 1 TPD Plant at Simhadri STPS	NTPC	PI: Dr. Somnath Ghosh CoPI: Dr. Ch. Ch. Gupta
4.	Design and Development of Numerical Schemes for Hyperbolic Systems of Conservation Laws	NBHM, DAE	PI: Dr. S. Rathan

### Department of Petroleum Engineering and Earth Sciences

1.	Development of A Machine Learning Model Based on Experimental Investigations to Quantify Formation Damage Caused by Drilling and Completion Fluids in Indian Oilfields	DST-SERB	PI: Dr. Rajat Jain Co-PI: Dr. Ranjan Pramanik
2.	A study on Geo-mechanical stability of Gas Hydrate bearing sediments for production from Indian Offshore region	DST-SERB	PI: Dr. Himanshu Kakati CoPI: Dr. Deepal Amban Mishra

SI	Title of the Project	Name of the Funding Agency	Name of the Faculty (Principal Investigator)
3.	Petrographic characterization of Kimberlite Clan of Rocks (KCRs) from Central Indian Diamond Provenance	NMDC	PI: Prof, Vijay Kumar; Co-PI: Dr. Abhijeet Mukherjee, Mr. Chandra Bhushan Verma, Mr. Nikhil Sarwate (NMDC)
4.	Research Project on Geoscientific data analysis of Kerala-Konkan Basin	DGH	PI: Dr. Roshan Kumar Singh
5.	Joint interpretation of geophysical datasets over medium enthalpy Bakreswr geothermal province, Eastern Indian Shield: Exploring the energy transition potential in India	DST-SERB	PI: Dr. Roshan Kumar Singh

### Department of Mechanical Engineering

1.	To predict film effectiveness of cooled HPNGV external surface under cascade flow conditions	Aeronautics R&D Board (AR&DB).	PI: Dr. Arun K Pujari Co-PI: Dr. S. Santosh Kumar
2.	Design, development, and demonstration of compound parabolic concentrator (CPC) assisted photovoltaic module-based novel co-generation system for power and potable water production	DST-SERB	PI: Dr. H. Sharaon

### Patents Filed

SI	Title	Faculty	Application Number
1.	A process for the preparation of 2D-3D hybrid aerogels, in particular, 2D molybdenum disulfide-3D graphene aerogels	Dr. Kumud Malika Tripathi	202341068689
2.	A flexible and wearable self-recharge power unit and a process for the manufacture thereof	Dr. Kumud Malika Tripathi	202341069311
3.	A process for the bioremediation of wastewater and biofuel production	Dr. Kumud Malika Tripathi	202341086543

# Activities at IIPE

## 3<sup>rd</sup> Convocation

The 3<sup>rd</sup> Convocation of the Institute was held on 5th August 2023, where 102 B. Tech. students who graduated successfully in 2023 were conferred their degrees, along with the conferment of the President's Gold Medal and the Institute's Gold and Silver Medals. At the event, 62 students received their degrees in person, while the remaining 40 students were awarded degrees in absentia. Prof. Archana Bhattacharyya, INSA Senior Scientist at the Indian Institute of Geomagnetism (IIG), graced the occasion as the Chief Guest.



## List of Medal Winners



**Ms. Subhadra Jamkar receiving the President's Gold Medal from the Chief Guest**

**Institute's Silver Medal:** Based on CGPA (2nd highest) in Petroleum Engineering:  
Mr. Harshil Padhi, 19PE10008

**President's Gold Medal:** Based on CGPA and extra-curricular activities:  
MS. Subhadra Jamkar, 19CH10006

**Institute Gold Medal:** Based on the highest CGPA in Petroleum Engineering:  
Mr. Deepit Ajit Shah, 19PE10009

**Institute Gold Medal:** Based on the highest CGPA in Chemical Engineering:  
MR. Jefin Jose, 19CH10025

**Institute's Silver Medal:** Based on CGPA (2nd highest) in Chemical Engineering:  
Mr. Suraj Kumar, 19CH10012

## Global Energy Environment Summit: Hydrogen Energy Resource & Opportunity (HERO) -2023

The 3-Day Energy Environment Summit, titled "Hydrogen Energy Resource & Opportunity (HERO-2023)," was conducted by the Institute during July 24-26, 2023 at Visakhapatnam. The event focused on hydrogen energy and its role in the global energy transition, with extensive discussions on India's hydrogen economy and energy transition from a policy perspective. Key speakers included Shri Pankaj Jain, Secretary of the Ministry of Petroleum and Natural Gas, Government of India; Prof. G.K. Surya Prakash, Nobel Laureate Chair in Hydrocarbon Chemistry at the University of Southern California; Dr. M. Kamalakar Babu, MD & CEO of Andhra Pradesh Solar Power Corporation.



Shri Pradheep Kileti (National Grid, USA); Shri U.K. Bhattacharya, Director Projects NTPC; and Shri Amar Nath, Additional Secretary, Government of India. Dr. Kamalakhar Babu highlighted the State's new Green Hydrogen Policy and the goal of transforming Visakhapatnam into a Hydrogen City with IPE's leadership.

Distinguished speakers, such as Prof. Swati Neogi (IIT Kharagpur), Prof. Devinder Mahajan (Stony Brook University, NY), Prof. Alok Srivastav (Panjab University), and Dr. P.K. Banerjee (CSIR-CIMFR), shared insights on hydrogen storage, coal gasification, and clean energy solutions. Academicians from national and international institutions, industry personnel from the oil and energy sectors, and government officials also participated. Discussions centered around hydrogen utility, the hydrogen economy, and related codes. The importance of robust infrastructure for the safe transportation, delivery, and utilization of hydrogen was emphasized. The event concluded with a field visit to NTPC's Simhadri Desalination Plant.

## Two-Day Workshop on "Renewable Energy Utilization for Sustainable Growth - REUSG 2023"

The Department of Mechanical Engineering of the Institute organized a two-day workshop titled "Renewable Energy Utilization for Sustainable Growth (REUSG)" during 25th-26th August 2023. The event addressed critical challenges in renewable energy generation and utilization, focusing on enhancing efficiency, reducing emissions, and promoting sustainability in the energy sector.



The workshop brought together experts from academia, research institutions, and industry to discuss advancements in various renewable energy technologies. Topics covered included solar energy utilization, advanced power cycles for solar thermal power plants, efficient internal combustion engines, alternate fuels, hydrokinetic turbines, wind turbine advancements, grid integration methods, and energy storage technologies. Participants included faculty members, students, researchers, and industry professionals, creating an excellent platform for knowledge exchange and networking.

The event received substantial support and sponsorship from industry partners. REUSG 2023 was a resounding success, fostering discussions on cutting-edge technologies and innovative solutions for sustainable energy, reinforcing IPE's commitment to being a leader in energy education and research.



## National Conference on "Evidence Based Library Transformation: Quality Services for NextGen Users "EBLT-2024"

Dr. S. R. Ranganathan Library of the Institute organized a National Conference on "Evidence Based Library Transformation: Quality Services for NextGen Users (EBLT-2024)" from 24th -25th January 2024. More than 70 participants from different parts of India attended the conference and presented their original research papers. Chief Guest of the inauguration session was Dr. Mahendra Jadhav, Librarian, IIT Madras; Guest of Honor Dr. V. K. Jagajeevan, Librarian, IGNOU New Delhi; the Conference Chair and LAC Chairman Prof. K. Vijaya Kumar, IIPe.



The conference witnessed the participation of eminent personalities in the field of library and information science, and they have delivered Invited talks. The conference was sponsored by ICSSR, Elsevier, RSC and Cambridge University Press. Speakers from different leading Institute like Dr. Nabi Hasan from IIT Delhi, Dr. Mahendra N. Jadhav from IIT Madras, Dr. Rajesh Singh from the University of Delhi, Dr. Suresh Balutagi from IISc Bangalore, Dr. V. K. Jagajeevan from IGNOU New Delhi delivered their expert talk. Dr. Kishore Chandra Satpathy, Chief Librarian ISI Kolkata, acted as Conference Director and moderated the different events during the conference. Best paper and best presentation awards were given to the paper contributors. An academic outcome the conference was published as conference proceedings under the Editorship of Dr. Jitendra Kumar, Deputy Librarian.

## Earth's Materials for Energy: Mantle to Market (EEMM - 2024)

The 2-day National Conference on "Earth's Materials for Energy: Mantle to Market" was organized from 1st to 2nd February 2024 at IIPe Visakhapatnam. The conference aimed to unite experts and young scientists to discuss critical topics related to mantle and crustal processes, exploration of rare earth elements (REE) and lithium, nuclear fuel, hydrocarbon fuels, white hydrogen, geothermal energy, and geo-economics. The inaugural session was graced by Chief Guests Prof. Saibal Gupta (IIT Kharagpur) and Dr. Kaustav Nag (DGH).

Around 50 abstracts were presented by invited speakers and young participants from several national institutes including IIT Kharagpur, Jadavpur University, and Andhra University, as well as professionals from the Geological Survey of India and Directorate General of Hydrocarbons. Presentations also explored advanced methods such as chemical and microbial enhanced oil recovery (mEOR).



The conference concluded with a valedictory session addressed by Chief Guests Dr. Kalachand Sain (Wadia Institute of Himalayan Geology) and Dr. Sukanta Roy (Borehole Geophysics Research Laboratory), who emphasized the critical role of Earth's materials in securing India's energy future. The event attracted a total of 150 attendees and was widely regarded as a timely and valuable learning experience.



## 1st International Conference on Trends in Chemical, Energy and Environmental Engineering (ChemEEE-2024)

The Department of Chemical Engineering of the Institute hosted the first international conference, ChemEEE, from February 19-21, 2024. The conference highlighted the importance of environmentally benign advancements to improve the health and well-being of all citizens, placing this responsibility on academicians, scientists, and industry professionals. Keynote speeches were delivered by esteemed experts, including Prof. Suddhaswata Basu (IIT Delhi), Prof. Nageswara Rao Peela (IIT Guwahati) and

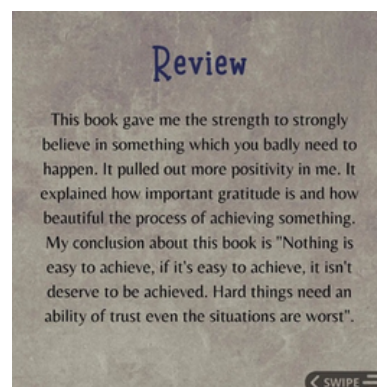


Prof. Siva Mohan Reddy (IIT Roorkee), Prof. Ramesh Goel (University of Utah), Prof. Tanmay Basak (IIT Madras), and Prof. Venkat Venkata Subramanian (Columbia University, USA). The conference also featured keynote addresses from industry experts such as Dr. Resmi Suresh (Shell India) and Dr. Sandeep Kulkarni (IIT Kharagpur). Many of the presentations came from eminent professors and Ph.D. scholars from various IITs, enriching the discussions on chemical engineering, energy, and environmental engineering trends.

## Literature & Communication Club (LITCOM) Events

### Book Review on 19th June 2023

To encourage student engagement and promote literary discussions, LITCOM initiated a dynamic campaign by uploading book reviews sent by students to its Instagram page. This initiative not only showcases diverse literary perspectives but also encourages students to share their insights and recommendations with their peers. By leveraging social media, LITCOM aims to foster a vibrant community of readers and promote a culture of literary exploration among students.



### Quiz Competition on Independence Day on 15th August 2023



The Quiz Competition held on Independence Day was a significant event organized by LITCOM. This competition focused on testing participants' knowledge about the history, culture, and achievements of India. Celebrating the spirit of independence, the quiz encouraged students to deepen their understanding of the nation's heritage while engaging in a spirited and educational contest.

### Group Discussion on 7th September 2023

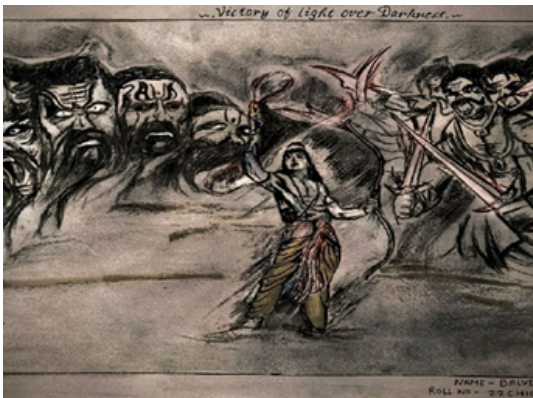
The Group Discussion organized by LITCOM on collaboration with IIPE-SPE Student Chapter, fostering dialogue and exchanging ideas among students. This session provided a platform for participants to engage in meaningful discussions on various topics of interest. It promoted critical thinking, communication skills, and collaboration among peers, enhancing the overall learning experience and community engagement.

## Filmy Frenzy on Shaswat on 13th October 2023

LITCOM's Filmy Frenzy, part of the "Shaswat", featured exciting competitions centred around cinema and web series. This event included competitions such as film trivia quizzes based on popular movie scenes and BGM's etc. Through these activities, LITCOM aimed to engage students creatively and celebrate the art of filmmaking, adding a cinematic flair to the series of events hosted by various clubs.



## Drawing event on Diwali on 13th November 2023



The Drawing Event themed around Diwali, organized by LITCOM, lit up creativity among participants. Embracing the spirit of the festival of lights, students were encouraged to illustrate vibrant scenes depicting Diwali traditions, festivities, and cultural elements. Participants' artworks were uploaded on LITCOM's Insta page, turning the social media platform into a virtual gallery of artistic expressions inspired by Diwali. This event not only fostered artistic talent but also celebrated cultural diversity and community engagement through digital means.

## Impromptu Speaking on Republic Day on 26th January 2024

The Impromptu Speaking Event organized by LITCOM on Republic Day showcased the spontaneous oratory skills of participants. This event challenged students to deliver extemporaneous speeches on topics related to the significance of Republic Day, patriotism, and national values. It provided a dynamic platform for students to demonstrate their quick thinking, eloquence, and depth of knowledge on important national themes. This event was a fitting tribute to the spirit of Republic Day.



## Film Poster Creation on International Women's Day on 8th March 2024



LITCOM celebrated International Women's Day on 8th March 2024 with a Film Poster Creation Event. Participants designed posters for films that highlighted women's achievements, struggles, and stories. This event provided an opportunity to showcase artistic skills while honouring the powerful narratives of women from around the world. It was a creative and empowering celebration of International Women's Day, reflecting the talent and dedication of our participants.



# Sports and Games



The Sports and Games Committee of IIPE is a student-led organization responsible for promoting and organizing various sports and recreational activities within the college campus. The main objective of the committee is to encourage physical fitness, teamwork, and overall well-being among students. The Sports and Games Committee provides an excellent platform for students to showcase their sporting talent, develop leadership skills, and foster a sense of sportsmanship and camaraderie among the student community. It also contributes to the overall campus life experience and helps students maintain a healthy balance between academics and physical fitness.

## 9th Senior Andhra Pradesh State-Level Tennis Ball Cricket Championship 2023-24

IIPE participated in the 9th Senior Andhra Pradesh State Level Tennis Ball Cricket Championship 2023-24 held during 9th - 10th May, 2023. The event, renowned for showcasing top-tier talent from across the State, saw nine dedicated players from IIPE competing with exceptional skill and determination. Demonstrating remarkable teamwork and sportsmanship, IIPE advanced through the tournament, ultimately securing the runner-up position. This achievement stands as a testament to the hard work and commitment of the IIPE team, marking a significant milestone in their sporting journey.

## International Day of Yoga



On June 21st, 2023, IIPE celebrated International Day of Yoga with active participation from IIPE fraternity. The event commenced with a welcome address emphasizing the importance of yoga for mental and physical well-being. Experienced yoga instructors guided the participants through a series of Asanas and Pranayama exercises, promoting relaxation and mindfulness. The session fostered a sense of unity and rejuvenation among the attendees, highlighting the institution's commitment to holistic health.

## 2K Marathon on National Sports Day

National Sports Day is celebrated every year on 29th August to honor the Birth Anniversary of Major Dhyan Chand, one of India's greatest field hockey players. On this occasion a 2 km run was organised on 29th August 2023 at RK Beach Road, Visakhapatnam.



## IIPE Intra Sports Meet 2023

To promote physical fitness, team spirit, and sportsmanship among students, the Sports and Games Committee of IIPE organized a 4-day sports meet from September 28th to October 1st, 2023. The event featured a total of 10 events for students and 5 events for staff, including games such as Cricket, Football, Basketball, and Badminton. The UG batch of 2020-2024 emerged as the overall winners of the meet. This initiative provided a platform for students and staff to engage in healthy competition and fostered a sense of camaraderie within the IIPE community.



## IIPE - IIM (V) Cricket and Football Friendly Match

IIPE - IIM (V) friendly Cricket and Football matches were held on 28.10.2023. The event fostered camaraderie and sportsmanship between the two prestigious institutions. Both the Cricket and Football matches were keenly contested, showcasing the athletic prowess and team spirit of the participants.



The friendly encounters provided an excellent platform for students to bond and share experiences beyond the academic realm. This initiative not only strengthened the relationship between IIPE and IIM-Visakhapatnam but also highlighted the importance of sports in promoting teamwork and a healthy lifestyle.



## Participation at All India University (AIU) Sports Meet

### AIU Men's Kabaddi

Students from the Institute participated in the AIU Kabaddi Tournament, South Zone, held from November 09-12, 2023, at the Vellore Institute of Technology, Vellore. 12 students represented IIPE at this prestigious AIU sports meet. The participants thoroughly enjoyed the event, marking their presence and showcasing their talents at a significant national-level competition.



### AIU Men's Badminton

Six Students from the Institute also participated in AIU Tournament, South Zone, held from December 19-24, 2023, at the Vellore Institute of Technology, Vellore.



### GITAM Premier league Participation)



The GITAM Premier League 2024 organized by The GITAM University, Visakhapatnam, held from January 5th to 9th, 2024, saw active participation from students of the Institute. Competing in Basketball, Cricket, and Badminton, the students showcased their skills and determination. The badminton Men singles representative excelled by winning three matches and advancing to the quarter-finals. The event highlighted the sporting talent and team spirit of IIPE students, marking a successful participation in the league.

### The IIPE-Premier League Season-2

The IIPE Premier League, an annual cricket event at the Institute, saw enthusiastic participation from students, faculty, and staff. This year the league was held on March 2nd and 3rd, 2024, featured 114 student players and 11 student commentators, bringing the excitement of IPL-style cricket to the campus. The event was a grand success, enjoyed by all attendees.





## EXTRA ACADEMIC ACTIVITIES (EAA)

### Plantation by Students at Permanent Campus

As part of EAA, a plantation drive was conducted on 8th May 2023 at permanent campus of the Institute. The students of 2019-23 batch were participated in plantation.

### Despedida: The Farewell Fiesta

The cultural committee organized Despedida 2K23, the farewell event for the outgoing students of the Batch 2019-2023 on 30th April 2023. Events such as singing, dancing, speeches, and open mic were conducted during the event by and for the passing out batch.

### 77th Independence Day Celebration

The 77th Independence Day was Celebrated on 15 August 2023 at IIPE's temporary campus. Prof. Shalivahan, Director of the Institute hoisted the National Flag and addressed the students, staff, and faculty. The event was followed by a cultural event where students performed patriotic songs, speeches, and poetry recitations, culminating in a sense of nationalism among the students



### CROESO: The Fresher's Fiesta



The cultural committee of IIPE organised Croeso 6.0, the 6th edition of the Fresher's Party for the newly admitted batches of B.Tech and Msc. Students on 9th September 2023. The event comprised of cultural events ranging from singing and dancing to Fashion walk and talent hunt.

### Hindi Pakhwada - 2023

The Rajbhasha (Official Language) Department of the institute organized the Hindi Pakhwada from September 16 to 30, 2023, featuring various programs for faculty, staff, and students. These programs were divided into Hindi and non-Hindi categories to ensure equal opportunities for all participants. Competitions included Hindi Vocabulary, Hindi Letter Writing, General Knowledge on Chandrayaan-3, Hindi Song Singing, Debate, and Recitation of Self-Composed Poems. Participants from all categories took part with enthusiasm, and prizes were awarded across the competitions. Director, IIPE distributed certificates to the winners on 26 October 2023.



## Shaswat: The Annual National Level Techno-Cultural Fest of IIPE

The Institute hosted its National level Techno-Cultural Fest, Shaswat 2k23, from October 13th to 15th, 2023. The event, a remarkable amalgamation of cultural and technical activities, witnessed enthusiastic participation and high spirits. Shaswat 2k23 successfully brought together a diverse range of technical and cultural events, providing a platform for students to demonstrate their skills and creativity. Conducted in a hybrid mode, Shaswat 2k23 recorded over 1500 participants, combining both physical footfall and virtual engagement, making it a memorable and impactful fest. The fest hosted a series of cultural events to boost the creativity of participants. This made it a unique, yet engaging event for all the enthusiasts, artists, students, and those in intersection of technology and culture. The events included: Beat Brawl, Tones of Titans, Shutter Showdown, Headshot Heroes, EMO Splash, Filmy Frenzy, Band Wars and Fashion Fiesta.



The technical events were a major highlight, featuring a diverse range of competitions. "Pitch Battle," a business idea pitching competition, attracted innovative minds eager to showcase their entrepreneurial skills. "Robo Rumble," a mechanical robotics fighting competition, enthralled audiences with intense and strategic robot battles. "Haa-e-Mausam," a climate change case study competition, engaged participants in addressing critical environmental issues.

The "Cerebral Flex" quiz competition tested participants' knowledge in business and technology. Over the three days, the campus buzzed with excitement and intellectual fervor. The seamless blend of technical prowess and cultural vibrancy made Shaswat 2k23 a memorable event, setting a high benchmark for future editions.

## 8th Foundation Day Celebrations

IIPE celebrated its 8th Foundation Day on 20th October 2023, with Dr. V. Kalyanraman, Head-Technology, Thermax Limited, as the Guest of Honor. Dr. V. Kalyanraman delivered a talk on "Sustainable Water Solutions and Producing Waste to Wealth". Awards were presented to Dr. Venkat Reddy for Best Faculty 2023 and Shri K. Nagesh for Best Employee 2023. Meritorious students were also recognized. The event featured cultural performances, academic excellence awards, Sports Meet prize distribution, and recognition of SASHWAT 2K23 winners.





## Rashtriya Ekta Diwas - 2023

In memory of the great freedom fighter Shri Sardar Vallabhai Patel who unified the country with his statesmanship, IIPE celebrated the National Unity Day/ Rashtriya Ekta Diwas on 31.10.2023 and paid homage to the great leader. On this occasion an oath taking ceremony was conducted .



## 75th Republic Day Celebrations



The institute celebrated the 75th Republic Day on 26th January 2024 at IIPE. Prof. Shalivahan, Director of the Institute hoisted the National Flag and addressed the IIPE fraternity.

The event was accompanied by the students' marchpast and patriotic signing and speeches.

## Seminar on "Artificial Intelligence and Machine Learning"

On March 1, 2024, the Technical Society organized an enlightening seminar for the students. Titled "The Future of AI: Trends, Innovations, and Emerging Technologies,". This event aimed to delve into the dynamic landscape of artificial intelligence. The seminar was graced by the CEO of a prominent Indian AI startup, "every-ai.com".



Over 250 enthusiastic participants engaged in an interactive presentation followed by a stimulating Q&A session. This event provided an exceptional platform to explore cutting-edge advancements in AI and their transformative implications across various industries

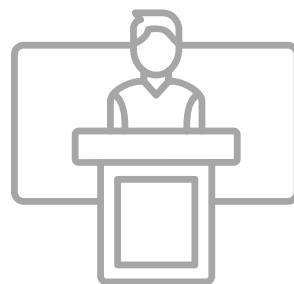
## IIPE triumphs at Cryptoversity Competition



The IIPE students showcased their excellence at the Cryptoversity - A Premier Indian University Student Competition, held during June 3rd to June 10th, 2023. Using the Roostoo app, the IIPE students competed against top university minds across India. The event featured a 500 USDT Trader Prize Pool and an additional 300 USDT College Club Prize Pool. IIPE's strong representation resulted in 6 students securing top positions including the 1st and 3rd positions, bringing recognition and glory to the institution.

This competition not only provided valuable experience in cryptocurrency trading but also highlighted the prowess and dedication of IIPE's students, marking a significant achievement for the technical society and the university.

# Faculty



**Prof. Shalivahan**  
**Director**

## Department of Petroleum Engineering & Earth Sciences



**Prof. Vijaya Kumar Kopparapu**  
Professor



**Dr. Deepak Amban Mishra**  
Associate Professor



**Dr. Himangshu Kakakti**  
Associate Professor



**Dr. Rajat Jain**  
Associate Professor



**Dr. Ranjan Pramanik**  
Associate Professor



**Dr. Sivasankar P**  
Assistant Professor



**Dr. Geetanjali Chauhan**  
Assistant Professor



**Dr. Roshan Kumar Singh**  
Assistant Professor



**Dr. Nilanjan Pal**  
Assistant Professor

## Department of Chemical Engineering



**Dr. Seshagiri Rao Ambati**  
Professor

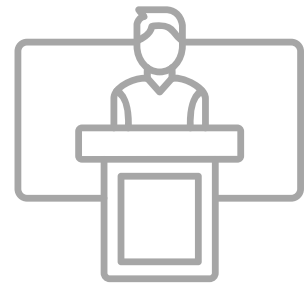


**Dr. Venkata Reddy P**  
Associate Professor



**Dr. Hemanth Kumar Tanneru**  
Associate Professor

# Faculty



Dr. Raka Mondal  
Assistant Professor



Dr. Dipankar Pal  
Assistant Professor



Dr. Mandapaka Ravi Kiran  
Assistant Professor



Dr. Balla Mounika  
Assistant Professor



Dr. Kurada Venkata Krishnasri  
Assistant Professor



Dr. Ravi Kumar Sonwani  
Assistant Professor



Dr. Sridhar Palla  
Assistant Professor

## Department of Mechanical Engineering



Dr. Arun Kumar Pujari  
Associate Professor



Dr. C. Veerabhadra Rao  
Associate Professor



Dr. Geddada Nagesh  
Assistant Professor



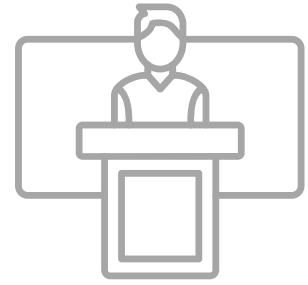
Dr. Sharon H  
Assistant Professor



Dr. Santosh Kumar Senapati  
Assistant Professor



# Faculty



## Department of Humanities & Sciences



Dr. Somnath Ghosh  
Associate Professor



Dr. Polamarasetty Aparoy  
Associate Professor



Dr. Ramunaidu Randhi  
Associate Professor



Dr. Ch. Gupta Chandaluri  
Assistant Professor



Dr. Samala Rathan  
Assistant Professor



# Non-Teaching Officers & Staff



**Shri Ramphal Dwivedi**  
Registrar



Dr. B. Muralikrishna  
Deputy Registrar



Dr. Jitendra Kumar  
Deputy Librarian



Shri. Genius Sanjog  
Technical Officer (IT Systems)  
(Relieved on 14.12.2023)



Shri. Venkata Ravi Krishna T.  
Technical Officer (IT Software)  
(Relieved on 02.02.2024)



Shri. Sanyasinaidu Paila  
Junior Technical Officer  
(IT Software)



Shri. K. Ramakrishna  
Office Superintendent



Smt. S.N.V. Saritha  
Superintendent (Secy. to Director)  
(Relieved on 02.06.2023)



Smt. Ch. Kalikadevi  
Superintendent (Accounts)

# Non-Teaching Officers & Staff



Shri. G. Shiva Kumar  
Assistant Engineer (Civil)



Shri K. Nagesh  
Assistant Engineer (Electrical)



Shri. Y. Ramarao  
Accountant



Shri. N. Mithun Babu  
Junior Assistant  
(Relieved on 23.06.2023)



Shri. Bidyadhor Majhi  
Junior Assistant



Shri. Surendra Ratnala  
Junior Assistant



Shri. U. Rambabu  
Junior Assistant



Shri. N Appala Murthy  
Junior Assistant



Shri. Satyaprasad Yerra  
Lab Assistant (Chemical Engg.)



Shri. Somesh Katta  
Lab Assistant (CSE)



Shri. Goru Lakshmi Papa Rao  
Lab Assistant (Petroleum Engg.)



Shri. N. Praveen Kumar  
Lab Assistant (Petroleum Engg.)



Shri. E. Nikhil Kumar  
Lab Assistant (Mech. Engg.)  
(Relieved on 30.01.2024)



Shri. Satanjee Pandey  
Secy. to Registrar  
(Relieved on 30.08.2023)





# ANNUAL STATEMENT OF ACCOUNTS

## FINANCIAL YEAR - 2023-24







## INDIAN INSTITUTE OF PETROLEUM AND ENERGY VISAKHAPATNAM

BALANCE SHEET AS AT 31 <sup>ST</sup> MARCH 2024			
(Amount in ₹)			
SOURCES OF FUNDS	Schedule	CURRENT YEAR (FY 2023-2024)	PREVIOUS YEAR (FY 2022-2023)
<b>CORPUS/CAPITAL FUND</b>	1	249,02,35,646	274,15,17,215
<b>DESIGNATED/ENDOWMENT FUNDS</b>	2	430,07,54,880	400,00,00,000
<b>CURRENT LIABILITIES &amp; PROVISIONS</b>	3	93,62,02,497	5,22,91,972
<b>TOTAL</b>		<b>772,71,93,023</b>	<b>679,38,09,187</b>
<b>APPLICATION OF FUNDS</b>			
<b>FIXED ASSETS</b>	4	94,27,19,080	76,18,52,589
TANGIBLE ASSETS		32,69,67,454	22,05,54,403
INTANGIBLE ASSETS		1,53,82,262	53,12,170
CAPITAL WORK IN PROGRESS		60,03,69,364	53,59,86,016
<b>INVESTMENT FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS</b>	5	428,25,54,796	421,95,69,734
<b>INVESTMENT-OTHERS</b>	6	120,62,96,611	141,48,49,520
<b>CURRENT ASSETS</b>	7	7,21,57,323	39,11,40,893
<b>LOANS, ADVANCES &amp; DEPOSITS</b>	8	122,34,65,213	63,96,451
<b>TOTAL</b>		<b>772,71,93,023</b>	<b>679,38,09,187</b>
<b>SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES</b>	23		
<b>NOTES TO ACCOUNTS</b>	24		

CH. KALIKA DEVI  
FINANCE OFFICER

SHRI RAMPHAL DWIVEDI  
REGISTRAR

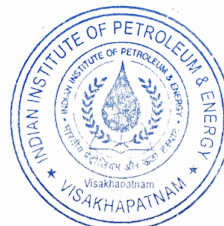
PROF. SHALIVAHAN  
DIRECTOR

## INDIAN INSTITUTE OF PETROLEUM AND ENERGY VISAKHAPATNAM

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2024 (Amount in ₹)			
PARTICULARS	Schedule	CURRENT YEAR (FY 2023-2024)	PREVIOUS YEAR (FY 2022-2023)
<b>A. INCOME</b>			
ACADEMIC RECEIPTS	9	4,85,99,969	6,27,42,445
GRANTS/SUBSIDIES	10	-	-
INCOME FROM INVESTMENTS	11	35,66,48,764	22,67,75,517
INTEREST EARNED	12	1,13,516	78,850
OTHER INCOME	13	43,90,541	76,85,358
PRIOR PERIOD ITEMS	14	-	-
<b>TOTAL(A)</b>		<b>40,97,52,790</b>	<b>29,72,82,170</b>
<b>B. EXPENDITURE</b>			
STAFF PAYMENTS & BENEFITS (ESTABLISHMENT EXPENSES)	15	11,97,27,812	10,86,94,020
ACADEMIC EXPENSES	16	3,15,72,705	5,54,54,461
ADMINISTRATION AND CENTRAL EXPENSES	17	6,64,87,913	5,19,15,401
TRANSPORTATION EXPENSES	18	52,49,520	64,08,271
REPAIRS & MAINTENANCE	19	20,80,714	27,45,800
FINANCE COSTS	20	14,784	11,896
DEPRECIATION	4	6,64,80,688	6,97,489
OTHER EXPENSES	21	-	-
PRIOR PERIOD EXPENSES	22	9,53,842	-
<b>TOTAL(B)</b>		<b>29,25,67,978</b>	<b>22,59,27,338</b>
<b>EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE (A-B)</b>		<b>11,71,84,812</b>	<b>7,13,54,832</b>
ADD: DEPRECIATION CHARGED TO CAPITAL FUND		6,64,80,688	-
<b>TOTAL</b>		<b>18,36,65,500</b>	
TRANSFER TO :			
ENDOWMENT FUND		7,00,10,569	-
INTERNAL CORPUS FUND		11,36,54,931	3,38,58,172
BALANCE BEING SURPLUS/ DEFICIT CARRIED TO CAPITAL FUND		-	3,74,96,660
<b>TOTAL</b>		<b>18,36,65,500</b>	<b>7,13,54,832</b>

CH. KALIKA DEVI  
FINANCE OFFICER

SHRI RAMPHAL DWIVEDI  
REGISTRAR

PROF. SHALIVAHAN  
DIRECTOR



## **ANNEXURE**

# **SEPARATE AUDIT REPORT (SAR)**

**FINANCIAL YEAR - 2023-24**









भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग  
महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा का कार्यालय, हैदराबाद

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL  
OF COMMERCIAL AUDIT, HYDERABAD

No.: PDCA/A/C Desk/IIPE/2023-24/1.77/

Date: 22 November 2024

To  
The Secretary to Government of India,  
Ministry of Petroleum & Natural Gas  
Shastri Bhavan,  
New Delhi-110001.

Sub: - Separate Audit Report on the Accounts of the Indian Institute of Petroleum and Energy, Visakhapatnam for the year 2023-24.

Sir,

I forward herewith a copy of the Separate Audit Report for the year 2023-24 for placing before the Parliament after approval of the Board and resolution passed to the effect for having adopted the above documents. The Separate Audit Report has been finalised after considering the replies furnished by the Institute. A copy of the same has also been furnished to the Director, Indian Institute of Petroleum and Energy, Visakhapatnam for information and necessary action.

Two copies of the printed Annual Report containing above documents as placed in the Parliament along with the dates of placement in the Parliament may please be furnished to this office.

Yours faithfully,

— sd —  
(V.M.V Nawal Kishore)  
Principal Director

No.: PDCA/A/C Desk/IPE/2023-24/1.77/596

Date: 22 November 2024

A copy of the Separate Audit Report of the Indian Institute of Petroleum and Energy, Visakhapatnam for the year 2023-24 forwarded to: **Director, Indian Institute of Petroleum and Energy, II Floor, Main Building, AUCE, AU North Campus, Visakhapatnam-530003**, with the information that the documents may be adopted by the Board and resolution passed before sending to Government for placement in the Parliament. Two copies of the printed annual report containing the above documents and a copy of the resolution passed in this regard may please be furnished to this office.

*Nawal*

(V.M.V Nawal Kishore)  
Principal Director

**Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the Accounts of Indian Institute of Petroleum and Energy, Visakhapatnam for the year ended 31 March 2024**

We have audited the attached Balance Sheet of Indian Institute of Petroleum and Energy (IPE), Visakhapatnam as at 31 March 2024 and the related Income and Expenditure Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 27 of the Indian Institute of Petroleum and Energy Act, 2017. These financial statements are the responsibility of the IPE's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules and Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through inspection Reports/CAG's Audit Report separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

- (i) We have obtained all the information and explanations which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit.
- (ii) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Education.
- (iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records as required under Section 27 of The Indian Institute of Petroleum and Energy Act, 2017 have been maintained by the Indian Institute of Petroleum and Energy Visakhapatnam, in so far as it appears from our examination of such books.
- (iv) We further report that:

## Comments on accounts

### A.1 Balance Sheet

#### A.1.1 Current Liabilities and Provisions (Schedule-3): ₹93.62 crore

As on 31 March 2024, unutilised Capital Grant amounting to ₹76.26 crore was available with the Indian Institute of Petroleum and Energy, Visakhapatnam. Though this amount was parked under Fixed Deposits and the Institute was earning interest thereon at the rate of around 7 per cent per annum, interest payable to GoI was calculated by the Institute at 3 per cent per annum as applicable for savings bank account. The short-calculation of interest payable to GoI by around 4 per cent per annum was worked out to ₹3.05 crore.

This resulted in understatement of Current Liabilities and Provisions and Expenditure by ₹3.05 crore with resultant overstatement of Excess of Income over Expenditure by the same amount.

#### A.1.2 Fixed Assets (Schedule-4): ₹94.27 crore

##### Computer Software: ₹0.45 crore

The Institute received donation of Software license worth USD \$2.89 Billion (i.e. ₹238.00 crore at conversion rate ₹82.39 per USD as on 14 June 2023) from Landmark Technology Holdings, Inc (Halliburton). The Software was installed on 14 June 2023 and the license is valid for 3 years, i.e. upto 13 June 2026.

As per the para 3.3 of the Significant Accounting Policies, “*Gifted/Donated assets are valued at the declared value where available; if not available, the value is estimated based on the present market value adjusted with reference to the asset’s physical condition. They are set up by credit to Capital Fund and merged with Fixed Assets of the Institution. Depreciation is charged at the rates applicable to the respective assets.*”

However, the Software was not recognized in the books of accounts. This resulted in understatement of Intangible Assets (Computer Software) by ₹142.80 crore, understatement of Corpus Fund by ₹238.00 crore and understatement of Depreciation by ₹95.20 crore<sup>1</sup> with resultant overstatement of ‘Excess of Income over Expenditure’ by ₹95.20 crore.

#### A.1.3 Fixed Assets (Schedule-4): ₹94.27 crore

##### Tangible Assets: ₹32.70 crore

- (a) Reference is invited to Comment No. A.2 of the Separate Audit Report for the year 2022-23 wherein it was stated that the accounting policy of the Institute does not specifically state the ‘approach’ adopted in respect of Assets created

---

<sup>1</sup> Depreciation calculated on ₹238.00 crore at the rate of 40%

out of Government grants and that the accounting treatment adopted by the Institute was not in line with either of the approaches specified under AS-12.

During the year 2023-24 also, the Institute has not disclosed the approach being followed by it for accounting of Assets created out of Government grants. Further, the Institute has made changes in its accounting policy and as per para 3.7 (ii) of Schedule 23-Significant Accounting Policies, *“Till the previous year, depreciation on assets acquired from capital grants has been credited to income. This practice has been changed and no such effect was given for assets and income”*.

However, the Institute charged an amount of ₹6.65 crore towards depreciation on Assets acquired from capital grants and added back the same amount to ‘Excess of Income over Expenditure’. This is contradictory to the above Accounting Policy since adding back the amount of Depreciation in ‘Excess of Income over Expenditure’ amounts to crediting it to Income only. Further, such treatment of depreciation is not appropriate as the ‘Excess of Income over Expenditure’ should be arrived at after considering the credit of depreciation to Income.

Hence, the Institute has neither disclosed the approach being followed for accounting of Assets created out of Government grants as per AS-12, nor the accounting treatment of depreciation on such assets is in line with any of the aforesaid approaches.

- (b) Para 32 of AS-5, *inter alia*, provides that for any changes in the accounting policy, the impact and the adjustments resulting from such change, if material, should be shown in the financial statements of the period in which such change is made, to reflect the effect of such change. However, the impact of changes in accounting policy for providing depreciation on Assets created out of Government grants as stated under para 3.7(ii) of Schedule 23 has not been disclosed by the Institute.

#### **A.1.4 Fixed Assets (Schedule-4): ₹94.27 crore**

##### **Capital Work in Progress: ₹60.04 crore**

The Institute continued to show construction of boundary wall of 4.2 km at the Institute’s new campus under ‘Capital Works in Progress (CWIP)’ despite completion of the construction work. This resulted in overstatement of CWIP by ₹600.30 lakh, understatement of Tangible Assets- Building by ₹588.30 lakh and Depreciation by ₹12.00 lakh<sup>2</sup> with resultant overstatement of ‘Excess of Income over Expenditure’ by ₹12.00 lakh.

---

<sup>2</sup> Depreciation calculated on ₹600.30 lakh at the rate of 2 per cent.



## **B. Receipts and Payments Account**

### **B.1 Non-submission of Receipts and Payments Account**

The Institute was required to prepare a Receipts and Payments Account as per the Format of Financial Statements for Central Higher Educational Institutions, as prescribed by the Ministry of Education. The Annual Accounts submitted by the Institute to Audit did not contain the Receipts and Payments Account which was, however, provided by the Institute after the Audit was over. As Receipts and Payments Account was not submitted to Audit along with the Annual Accounts, Audit was not able to reconcile the cash transactions with accrual based transactions.

## **C. Accounting Policies and Disclosures**

- C.1 Changes made in the Accounting Policy on Grants as per para 3.7 of Schedule 23 (Significant Accounting Policies) and changes in classification of income and expenditure as disclosed under para 8 of the Schedule 24 were stated to have been made at the instance of CAG's audit observations. However, it was observed that only the adjustment made with respect to land received free of cost from the Government of Andhra Pradesh was done as per CAG's audit observation. Other changes were not suggested by Audit.
- C.2 A reference is invited to Schedule 3A- Sponsored Projects, wherein the total amount of each of the columns has not been depicted correctly and the total of the Closing Balance as on 31 March 2024 amounting to ₹2,07,00,202 has also not been shown against the column.
- C.3 A reference is invited to Schedule-4 (Fixed Assets), wherein the Capital Work in Progress (Site Development) and Capital Work in Progress (Assets) were wrongly clubbed under the head 'Intangible Assets'.

## **D. Grants in Aid**

During the year, the Institute revised its utilisation certificates thereby restating the amount of capital expenditure incurred in earlier years, and the carried forward balance of unutilised grants from the previous years was restated as ₹136.54 crore. Out of ₹90.00 crore received as Grants-in-Aid during the year 2023-24 and the carried forward balance of ₹136.54 crore from the previous year, the Institute spent ₹28.40 crore during the year and made a deposit of ₹121.88 crore with CPWD for construction of permanent campus leaving an unutilised grant of ₹76.26 crore at the close of the year.

## **E. Management Letter**

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the Director, Indian Institute of Petroleum and Energy, Visakhapatnam through a Management Letter issued separately for remedial/corrective action.

- (v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this Report are in agreement with the books of accounts.
- (vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in the **Annexure** to this Separate Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:
- (a) In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Indian Institute of Petroleum and Energy, Visakhapatnam as of 31 March 2024; and
  - (b) In so far as it relates to Income and Expenditure Account, of the surplus for the year ended on that date.

**For and on the behalf of the  
Comptroller and Auditor General of India**

*Nawal*

**Place: Hyderabad  
Date: 22 November 2024**

**(V.M.V Nawal Kishore)  
Principal Director of Commercial Audit  
Hyderabad**

## **Annexure**

### **1. Adequacy of Internal Audit System**

There is no specific Internal Audit Wing in IIPE. Office Superintendent is entrusted with the additional duties of Internal Audit, in addition to his own duties. Internal Audit is confined to Pre-Audit of receipts, payments etc. only. There is a conflict of interest as the same person is assigned both the duties (i.e. Office Superintendent and Internal Audit). Therefore, the Internal Audit system is inadequate.

### **2. Adequacy of Internal Control System**

The Internal Control mechanism was found to be deficient in view of the omission of accounting for outstanding payables, non-updation of Investment Registers, deficiencies in maintenance of Fixed Asset Register, inadequate system of physical verification of Fixed Assets and inadequacy of Internal Audit System.

### **3. System of Physical verification of Fixed Assets**

Physical verification of fixed assets was carried out by IIPE during the year. Fixed Asset Register was not updated and was not certified by the Competent Authority. The system of physical verification of fixed assets was found inadequate in relation to the size of the organization and nature of business.

### **4. System of Physical Verification of Inventory**

The Institute does not have any inventory.

### **5. Regularity in payment of statutory dues**

The Institute has regularly remitted all the statutory dues within the stipulated period.

*Nawal*

**(V.M.V Nawal Kishore)**  
**Principal Director**





VISAKHAPATNAM

विद्या प्रशस्यते लोकैः

**भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान**  
**INDIAN INSTITUTE OF PETROLEUM AND ENERGY**

2nd Floor, Main Building  
AU College of Engineering, Visakhapatnam - 530 003  
Andhra Pradesh, India

